RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) | वर्ष : 32 अंक : 15 | सोमवार | 14 से 20 जुलाई, 2025 | पृष्ठः 12 | मूल्य : ₹3/=

कांवड़ यात्राः एक धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा... ...11

भेंट

लखनऊ (यू.पी. ऑब्ज़र्वर)। सुप्रसिद्ध इतिहासकार डॉ.जितेंद्रकुमार सिंह संजय ने शासकीय आवास 5 कालिदास मार्ग, लखनऊ में उत्तरप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्रीगोरक्षपीठाधीश्वर परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज से भेंटकर अपनी सद्य : प्रकाशित पुस्तकें– योगी आदित्यनाथ और महाकुम्भ तथा महाकुम्भ : सनातन आस्था का वैश्विक पर्व भेंट कीं। इस अवसर पर श्रीवृद्धेश्वरनाथ पीठाधीश्वर परमपूज्य महन्त डॉ. योगानन्द गिरि जी महाराज ने गिरिजापुरपति श्रीवृद्धेश्वरनाथ का चित्र, भगवती दुर्गा की रजत–प्रतिमा और अंगवस्त्र भेंटकर मुखयमंत्री से मिजार्पुर का नाम परिवर्तन कर गिरिजापुर करने का निवेदन किया। साथ में हैं ज्ञानेन्द्रकुमार सिंह बृजेश।

आर्थिक सलाहकार समूह से प्राप्त होने वाले सुझावों का तय समय पर क्रियान्वयन आवश्यक हैः सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नवगठित आर्थिक सलाहकार समूह ने की मुलाकात

- आर्थिक सलाहकार समूह ने विगत आठ वर्षों में हुई उत्तर प्रदेश की प्रगति की सराहना की
- मुख्यमंत्री ने कहा– इलेक्ट्रिक व्हीकल के निर्माण में निकट भविष्य में हब बनेगा उत्तर प्रदेश
- बोले मुख्यमंत्री– जल्द ही कार्य करना शुरू कर देगा 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन'

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में रोजगार सृजन, आर्थिक विकास एवं छवि निर्माण हेतु नियोजन विभाग के अंतर्गत नवगठित आर्थिक सलाहकार समूह ने मुलाकात की। इस समूह में कृषि, शिक्षा, सेमी कंडक्टर, एमएसएमई, स्टार्टअप जैसे अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे देश के विषय विशेषज्ञ शामिल थे। इस दौरान समूह ने मुख्यमंत्री योगी को अपने कुछ सुझाव दिए। वहीं मुख्यमंत्री योगी ने समूह को संबोधित करते हुए कि समूह की तरफ से प्राप्त सुझाव स्वागत योग्य हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनने की दिशा में अग्रसर है। इसके लिए प्रदेश के सभी विभाग मिलकर तेज गति से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक सलाहकार समूह से प्राप्त होने वाले सुझावों का तय समय पर क्रियान्वयन आवश्यक है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ₹उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन₹ का गठन कर चुकी है, जो जल्द ही कार्य करना शुरू कर देगी। इस मिशन के तहत जॉब मैपिंग कर विभिन्न विभागों के सहयोग से प्रदेश के युवाओं का कौशल विकास, भाषा प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों के माध्यम से राज्य में स्वच्छ, टिकाऊ और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इलेक्ट्रिक व्हीकल के निर्माण में उत्तर प्रदेश निकट भविष्य में हब बनेगा। बहुत ही जल्द उत्तर प्रदेश में स्थापित हिंदुजा ग्रुप की यूनिट इलेक्ट्रिक व्हीकल का प्रोडक्शन शुरू कर देगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश में जहां किसानों को 8-10 घंटे बिजली मिल रही है, वहीं उत्तर प्रदेश में आज किसानों को 15-16 घंटे बिजली मिल रही है। उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के किसानों को पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत 1 लाख सोलर पैनल उपलब्ध करा रही है। सरकार ने नलकूपों के सोलराइजेशन (सौर ऊर्जा से संचालन) को मिशन मोड में लागू किया है। उत्तर प्रदेश निजी पंप सोलराइजेशन में देश में अग्रणी है। इससे किसानों को कम लागत में बिजली उपलब्ध हो रही है और राज्य का विद्युत उत्पादन भी बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन अच्छा है। पिछले माह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कानपुर से 8 हजार मेगावॉट के पॉवर प्लांट का उद्घाटन किया था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी की दिशा में भी उत्तर प्रदेश ने सारी प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके माध्यम से वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश 22 हजार मेगावॉट का उत्पादन शुरू कर देगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में देश का रोल मॉडल बनेगा और सरकार की नीतियां प्रदेश को हरित ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाएंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विगत आठ वर्ष में प्रदेश के किसानों के हित में बहुत सारे कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 1 दर्जन सिंचाई परियोजनाओं को पूरा कराकर नहरों के माध्यम से 23 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा प्रदान की गई है। शारदा नहर का पानी पहली बार वाराणसी पहुंचा है। आज बुंदेलखंड एवं पूर्वांचल के किसान एक वर्ष तीन-तीन फसलों का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मूंग दाल, मूंगफली और मक्का की खरीद के लिए प्रोक्योरमेंट केंद्र बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 1996 से 2017 तक गन्ना किसानों को जितना भुगतान किया गया था, विगत आठ वर्ष में उससे 70 हजार करोड़ ज्यादा यानी 2 लाख 85 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले प्रदेश में हर साल मात्र 500 फैक्ट्रियों का रजिस्ट्रेशन होता था। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके लिए अभियान चलाया, जिसके सकारात्मक परिणाम सबके सामने हैं, अब लगभग 4 हजार फैक्ट्रियों का रजिस्ट्रेशन प्रति वर्ष हो रहा है। उन्होंने कहा कि गोवंश संरक्षण में उत्तर प्रदेश ने काफी प्रगति की है। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में गो आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, जिसका प्रदेश के पशु पालकों को लाभ प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लैंड लॉक्ड स्टेट होने बाद भी उत्तर प्रदेश मत्स्य उत्पादन में देश में अग्रणी राज्यों में है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया गया है और उत्तर प्रदेश, देश में सबसे तेजी से बढ़ता निवेश हब बन रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य आमजन की आय बढ़ाना, रोजगार के अवसर पैदा करना और प्रदेश के हर वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है

आर्थिक सलाहकार समूह ने कहा- आईटी टैलेंट मिशन लॉन्च करे उत्तर प्रदेश

बैठक के दौरान नवगठित आर्थिक सलाहकार समूह ने विगत आठ वर्षों में हुई उत्तर प्रदेश के प्रगति की सराहना की। समूह ने कहा कि निवेश अनुकूल माहौल के कारण आज उत्तर प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है, जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी के साथ आगे बढ़ रही है। समूह ने कहा कि नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के अपने खाद्य पदार्थों को ग्लोबल ब्रांड बनाने की आवश्यकता है। इसमें उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। समूह ने सुझाव दिया कि उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए और कार्य करने की आवश्यकता है। साथ ही प्रदेश में आईटी टैलेंट मिशन लॉन्च किया जाए। इससे प्रदेश में सॉफ्वेयर निर्माण एवं निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा समूह ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कृषि, परिवहन, ऊर्जा, सिंचाई, उद्यमिता के साथ ही अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

खास शख्सियतें अब राज्यसभा में, राष्ट्रपति मुर्मू ने उज्ज्वल निकम समेत चार दिग्गजों को किया नामित

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्यसभा में नामित सदस्य के रूप में चार प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों की नियुक्ति की है। ये नियुक्तियां भारतीय संविधान के अनुच्छेद 80(1)(a) के तहत की गई हैं, जो राष्ट्र की विधायिका में विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता लाने का अवसर प्रदान करती हैं। इन चारों नामों में कानून, विदेश नीति, शिक्षा और इतिहास जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों को शामिल किया गया है।

उज्ज्वल निकम जिन्होंने कसाब का मुकदमा लड़ा

पहला नाम है उज्ज्वल देवराव निकम का, जो देश के सबसे चर्चित और प्रतिष्ठित सरकारी वकीलों में गिने जाते हैं। उन्होंने 1993 के मुंबई बम धमाकों, गुलशन कुमार हत्याकांड, प्रमोद महाजन हत्या, 26/11 मुंबई हमलों में अजमल कसाब का मुकदमा, और 2016 के कोपर्डी बलात्कार कांड जैसे दर्जनों हाई-प्रोफाइल मामलों में अभियोजन का नेतृत्व किया है। उन्हें 2016 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। वह भारत में न्याय प्रणाली की मजबूती के प्रतीक माने जाते हैं।

सी. सदानंदन मास्टर, समाजसेवी और शिक्षाविद

दूसरे नामित सदस्य हैं सी. सदानंदन मास्टर, जो केरल से एक वरिष्ठ समाजसेवी और शिक्षाविद हैं। वे राष्ट्रीय शिक्षक संघ के केंद्रीय उपाध्यक्ष और 'नेशनल टीचर्स न्यूज' के संपादक भी हैं। साल 1994 में एक राजनीतिक हमले में अपने दोनों पैर गंवाने के बावजूद उन्होंने समाजसेवा और शिक्षा को अपने जीवन का मकसद बनाया। उनकी नियुक्ति सामाजिक सेवा में उनके योगदान की सराहना के रूप में देखी जा रही है।

हर्ष वर्धन श्रिंगला कई देशों में दे चुके हैं सेवा

तीसरे व्यक्ति हैं पूर्व विदेश सचिव हर्ष वर्धन श्रिंगला। वे 1984 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रह चुके हैं और अमेरिका, बांग्लादेश तथा थाईलैंड में भारत के राजदूत के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। वे 2020 से 2022 तक भारत के विदेश सचिव रहे और भारत की रणनीतिक विदेश नीति को आकार देने में उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही है। हाल ही में उन्होंने भारत की G-20 अध्यक्षता के दौरान मुख्य समन्वयक की भूमिका निभाई।

इतिहासकार और शिक्षिका डॉ. मीनाक्षी जैन

चौथे नामित सदस्य हैं इतिहासकार और शिक्षिका डॉ. मीनाक्षी जैन। वे दिल्ली विश्वविद्यालय के गर्गी कॉलेज में इतिहास पढ़ा चुकी हैं और भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर उनके शोध कार्य को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है। वह 'सती', 'राम और अयोध्या', तथा 'फ्लाइट ऑफ डीइटीज' जैसी प्रसिद्ध पुस्तकों की लेखिका हैं। उन्हें 2020 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। वे भारतीय इतिहास और परंपराओं पर शोध के लिए जानी जाती हैं।

एनसीसी के मूल्य और गुण समाज के सभी लोगों तक पहुंचने चाहिएः राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) को देश के युवाओं के लिए आदर्श बताते हुए कहा है कि इस संगठन के मूल्य और गुण समाज के उन लोगों तक भी पहुंचने चाहिए जो कभी इसके सदस्य नहीं रहे।

श्री सिंह ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय कैडेट कोर पूर्व छात्र संघ (एनसीसीएए) की पहली शासी परिषद बैठक की अध्यक्षता की। एनसीसीएए, एनसीसी के पूर्व छात्रों का एक प्रमुख संघ है जिसका उद्देश्य पूर्व और वर्तमान कैडेटों को एक छत्र के नीचे लाकर राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को बढाते हुए दुनिया के सबसे बड़े वदीर्धारी युवा संगठन के कार्य को आगे बढ़ाना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संघ के पहले सदस्य और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दूसरे सदस्य के रूप में पंजीकृत हैं। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर एनसीसी को देश के युवाओं के लिए एक आदर्श मंच बताया। उन्होंने पूर्व एनसीसी कैडेटों को भारत के मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत रहते हुए वे राष्ट्र के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमें राष्ट्रीय विकास के लक्ष्य को गति देने के लिए अपने पूर्व कैडेटों के मार्गदर्शन को शामिल करने की आवश्यकता है।' श्री सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि एनसीसीएए राष्ट्रीय कैडेट कोर को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा। रक्षा मंत्री ने एनसीसी से अपने कैडेटों के मूल्यों और गुणों को समाज के बड़े वर्ग तक पहुँचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'एनसीसी इन मूल्यों को उन युवाओं में स्थापित करती है जो एनसीसी से जुड़े हैं। हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि ये मूल्य उन लोगों तक पहुँचें जो एनसीसी में शामिल नहीं हो सके।' श्री सिंह ने कहा कि एनसीसीएए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', 'स्वच्छता अभियान' और विभिन्न सामुदायिक विकास एवं सामाजिक सेवा योजनाओं जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल हो सकता है। युवाओं के सर्वांगीण विकास में एनसीसी के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, 'अपने आदर्श वाक्य ह्यएकता और अनुशासन' की सच्ची भावना के अनुरूप एनसीसी हमेशा राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रही है।

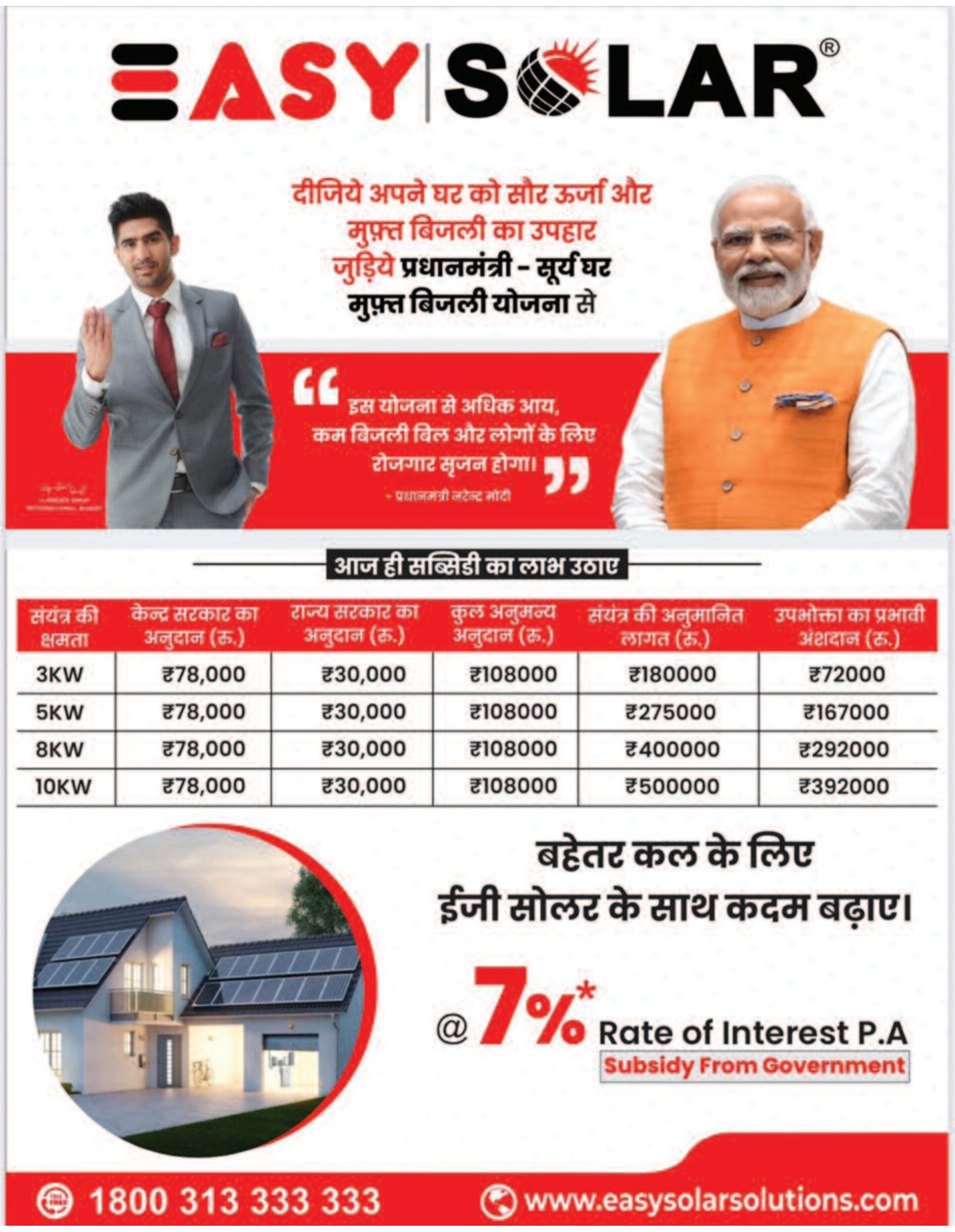

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

पुलिस कमिश्नर व डीएम ने दूधेश्वर नाथ मंदिर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पुलिस कमिश्नर व डीएम ने मेरठ रोड कंट्रोल रूम को निरीक्षण किया, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पुलिस कमिश्नर जे० रविंदर गौड व जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कांवड़ यात्रियों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होने श्री दूधेश्वरनाथ महादेव मंदिर का निरीक्षण करते हुए कांवड़ियें की सेवा, सुविधा व सुरक्षा का जायजा लिया। उन्होंने महंत नारायण गिरी से मंदिर में अब तक की गई तैयारी के बारे में जानकारी ली और इस व्यवस्था को संभाल रहे संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महंत जी ने कहा कि वे प्रशासन की तैयारियों से पूरी तरह संतुष्ट हैं। इसके बाद पुलिस कमिश्नर जे0 रविंदर गौड व जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा मेरठ रोड कावड़ यात्रा के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया गया। जहां उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। व्यवस्था को संभाल रहे संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीएसपी सिटी धवल जायसवाल, सिविल डिफेंस चीफ वार्डन ललित जायसवाल सहित सम्बंधित अधिकारी/ कर्मचारीगण मौजूद रहे।

भव्य होगा कावड़ महोत्सव 2025, नगर निगम ने साझा की तैयारी

कांवड़ की तैयारियों में लगी हुई है निगम की टीमः महंत नारायण गिरी

गाजियाबाद। कावड़ महोत्सव को लेकर भव्यता से तैयारी चल रही है जिसमें नगर निगम के साथ-साथ पुलिस में प्रशासन की भूमिका देखने को मिल रही है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त रविंदर गौड, जिलाधिकारी दीपक मीना, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा कावड़ रूट, प्राचीन शिवालयों तथा कंट्रोल रूम का जायजा लिया गया बेहतर व्यवस्थाओं के साथ सुखद और सुरक्षित हो कावड़ यात्रा योजना बनाई गई गाजियाबाद नगर निगम की टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों को भी साझा किया गया।

सुरक्षा की दृष्टि से कैमरे लगाए जा चुके हैं तथा हर वर्ष की भांति कंट्रोल रूम जो कि मेरठ रोड पर बनाया जा रहा है वरिष्ठ अधिकारियों ने पहुंचकर मुआयना किया तथा शीघ्र ही तैयारी शुरू की जाए टीम को निर्देश दिए गए, साफ सफाई प्रकाश व्यवस्था शौचालय की व्यवस्था बैरिकेडिंग की व्यवस्था पानी की व्यवस्था अनेकों व्यवस्थाओं पर चल रही तैयारी को नगर आयुक्त गाजियाबाद द्वारा सभी को साझा किया गया तथा प्लानिंग भी बताई गई, नगर आयुक्त द्वारा कावड़ रूट कंट्रोल रूम तथा मंदिरों पर व्यवस्था संभालने के लिए अधिकारियों की अलग-अलग ड्यूटी भी लगाई है इसी क्रम में अन्य पुलिस विभाग अधिकारियों तथा जिला प्रशासन अधिकारियों द्वारा भी अपने-अपने कार्य क्षेत्र में अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है सभी ने संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा टीम को कार्य पूर्ण करते हुए व्यवस्था संभालने की हरी झंडी दी। नगर निगम, पुलिस, प्रशासन अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर का जायजा लिया गया वहां निगम द्वारा कराई जा रही बेरीकेटिंग को देखा गया मौके पर महंत नारायण गिरी जो की दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर के प्रधान पुजारी है कावड़ महोत्सव 2025 को लेकर विस्तार से चर्चा की गई महंत जी द्वारा बताया गया कि पुलिस प्रशासन के सभी अधिकारी व टीम लगी हुई है गाजियाबाद नगर निगम की टीम पिछले 1 महीने से कावड़ व्यवस्थाओं को संभालने के लिए कार्य कर रही है जो कि लगभग पूर्ण होते दिखाई दे रहे हैं कावड़ महोत्सव 2025 भव्यता से मनाया जाएगा अधिक से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक किया जाएगा इसके लिए तैयारियां जोरों से हैं बताया गया दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर के बाद वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मेरठ रोड स्थित कंट्रोल रूम का भी जायज लिया गया तथा कावड़ रूट पर भी निरीक्षण करते हुए कावड़ यात्रा सुरक्षित और सुखद होगी टीम को मोटिवेट किया गया, मौके पर ललित जायसवाल चीफ वार्डन सिविल डिफेंस भी उपस्थित रहे, जिनकी अहम भूमिका कावड़ यात्रा में दिखाई देगी उनके द्वारा भी प्लानिंग साझा की गई।

124 बीटों में बांटा गया कांवड़ मार्ग, 1657 कैमरों से होगी निगरानी

मुख्य कंट्रोल रूम व चार स्थाई समेत 15 कंट्रोल रूम से नियंत्रित होगी कांवड़ यात्रा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु सम्पूर्ण कांवड़ मार्ग को 124 बीटों में विभाजित किया गया, जिन्हें कांवड़ बीट का नाम दिया गया है। प्रत्येक कांवड़ बीट की जिम्मेदारी कांवड़ बीट पुलिस अधिकारी को दी गयी है। कांवड़ मार्ग में कुल 1657 सीसीटीवी कैमरे, 71 बैरियर, 33 सार्वजनिक घोषणा प्रणाली, 1560 पुलिस स्वयं सेवक लगाये गये हैं। पीआरवी एवं चीता मोबाइलों को भी कांवड़ मार्ग में तथा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर लगाया गया है। इसके अतिरिक्त 12 फायर सर्विस की गाड़ियों को उक्त कांवड़ रूट में लगाया गया है। कांवड यात्रा को लेकर गुरूवार को पुलिस लाईन में बैठक का आयोजन किया गया।

श्रावण मास/कांवड़ यात्रा-2025 को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त ने पुलिस लाइन्स स्थित परमजीत हॉल में गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं

■ 71 बैरियर व 33 सार्वजनिक घोषणा प्रणाली के साथ ही दमकल की 12 गाड़ियां रहेगी तैनात

कानून व्यवस्था कमिश्नरेट गाजियाबाद, पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिण्डन/ग्रामीण, समस्त जोनल सहायक पुलिस आयुक्त के अतिरिक्त सहायक पुलिस आयुक्त यातायात/अभूसिचना, समस्त थाना प्रभारी एवं समस्त यातायात निरीक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड ने बताया कि कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु सम्पूर्ण कांवड़ मार्ग को 124 बीटों में विभाजित किया गया। जिन्हें कांवड़ बीट का नाम दिया गया है। प्रत्येक कांवड़ बीट की जिम्मेदारी कांवड़ बीट पुलिस अधिकारी को दी गयी है। कांवड मार्ग की पल-पल की अपडेट लेने के लिए पूरे कांवड मार्ग पर निगरानी के लिए कुल 1657 सीसीटीवी कैमरे लगवाए जा रहे हैं। इसके अलावा यात्रा को कुशलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए कांवड मार्ग व अन्य स्थानों पर 71 बैरियर लगाए गए हैं।

इतना ही नहीं पूरे कांवड मार्ग पर 33 सार्वजनिक घोषणा प्रणाली से हर गतिविधि की जानकारी शिवभक्तों व अन्य लोगों को दी जाएगी। कांवड यात्रा को लेकर 1560 पुलिस स्वयं सेवक लगाये गये हैं। पीआरवी एवं चीता मोबाइलों को भी कांवड़ मार्ग में तथा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर लगाया गया है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि कांवड यात्रा के दौरान अग्निकांडों पर काबू पाने के लिए भी बडै पैमाने पर व्यवस्था की गई है। इसी को ध्यान में रखते हुए कांवड मार्ग पर प्रमुख स्थलों समेत विभिन्न स्थानों फायर सर्विस की 12 गाड़ियों की तैनाती रहेगी।

नियंत्रण के लिए बनाए गए कुल 15 कंट्रोल रूम

पुलिस आयुक्त ने बैठक के दौरान बताया कि पूरी कांवड यात्रा को हर हाल में बेहतर तरीके से संपन्न कराया जाएगा। इसके लिए पूरे कांवड मार्ग पर कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए 1 मुख्य कन्ट्रोल रुम, 4 स्थाई कन्ट्रोल रुम, 2 सब कन्ट्रोल रुम एवं 8 स्टैटिक कन्ट्रोल रुम की स्थापना की गयी है। सभी कंट्रोल रूम अपने-अपने क्षेत्र की सूचना को आलाधिकारियों तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

10587 शांति समिति के सदस्यों को सहयोग के लिए आई कार्ड जारी

पुलिस आयुक्त के अनुसार कांवड़ मार्ग में पड़ने वाले क्षेत्रों के अराजक तत्वों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। कांवड़ यात्रा में 10587 शांति समिति के सदस्यों को सहयोग हेतु लगाया गया है, जिनके लिए कार्ड जारी किये गये हैं। यह सभी सदस्य कांवड यात्रा को सकुलश संपन्न कराने में सहयोग करेंगे। कांवडियों की भीड को नियंत्रित कराने व उनकी सुरक्षा व देखभाल में भी उपरोक्त सदस्य सहयोग करेंगे।

कांवड़ की ऊंचाई 10 फिट एवं चौड़ाई 12 फिट से अधिक न हो

बैठक के दौरान पुलिस आयुक्त ने कांवड शिविरों व कांवड को लेकर भी जरूरी निर्देश दिये। पुलिस आयुक्त के अनुसार कांवड़ रूट पर लगने वाले शिविरों में आग से बचाव हेतु अग्निरोधक यंत्र, रेत की बाल्टी एवं पानी का ड्रम रखवाने के लिए शिविर आयोजकों को निर्देशित किया गया। कांवड़ शिविरों में विद्युत सुरक्षा उपायों के किये जाने के लिए भी निर्देशित किया गया। इसके साथ ही कांवड़ की ऊंचाई 10 फिट एवं चौड़ाई 12 फिट से अधिक न होने के लिए भी दिशा-निर्देश दिये गये।

मेरठ बार्डर पर कांवडियों की संख्या के अनुसार की जाएगी व्यवस्था

मेरठ बॉर्डर पर कांवड़ियों एवं वाहनों की संख्या गिनने हेतु अलग से पुलिसबल लगाया जाएगा। जो संख्या की सूचना ग्रुप में प्रेषित कर आगे के पुलिस बल को अवगत करायेगें, जिससे की उसके अनुरूप आगे की समुचित व्यवस्था की जाए। भीड कम होने या अधिक होने की स्थिति में आलाधिकारी तत्काल उस पर आगे की रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। शिवभक्तों की सुरक्षा व सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था की गई है।

कांवड रूट पर प्रतिबंधित वाहनों के आवागमन पर रहेगी रोक

कावड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को दुरुस्त बनाये रखते हुए डायवर्जन हेतु निर्धारित मार्ग पर प्रतिबंधित वाहनों के आवागमन पर पूर्णतया रोक लगाते हुए यात्रा को सुरक्षित एवं सफल बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं यातायात पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी तय की गई है। यह निर्देश इसलिए दिये गए हैं कि कांवड रूट पर कहीं भी किसी भी प्रकार का कोई हादसा ना हो।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने दिए निर्देश

समाजवादी आवासीय योजना के आवंटियों को मिल सकेंगे बिजली कनेक्शन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के द्वारा विकसित मधुबन बापू धाम योजना में समाजवादी आवास योजना के अंतर्गत बनाए गए भवनों के आवंटियों को अब बिजली के कनेक्शन मिलने शुरू हो सकेंगे। पीवीवीएनएल द्वारा कार्य के हस्तगत के लिए जीडीए से सुपर-विजन चार्ज एवं टोटल एस्टीमेट पर जीएसटी का भुगतान किए जाने के लिए पत्र प्रेषित किये गए थे। ये मामला जब प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स के सामने लाया गया तो उनके द्वारा पावर कार्पोरेशन के प्रबंध निदेशक के साथ पत्राचार करते हुए हस्तक्षेप किया गया, 292 फ्लैटो के अवंटियों द्वारा लगातार बिजली का कनेक्शन दिलाए जाने के लिए लगातार आग्रह किया जा रहा था। योजना के कुछ आवंटियों के द्वारा बिजली के कनेक्शन के प्रकरण को लेकर उच्च न्यायालय की भी शरण ली गई थीं। प्राधिकरण के द्वारा साल 2021 में ही भवनों में आंतरिक व बाह्य विद्युतीकरण का कार्य करा दिया गया था। प्राधिकरण उपाध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद बिजली विभाग के द्वारा अब योजना में बिजली का ट्रांसपफार्मर को चार्ज कर दिया गया है। इस तरह योजना के आवंटियों को अब आवेदन उपरांत बिजली के कनेक्शन उपलब्ध होंगे।

■ कई साल से आवंटी बिजली कनेक्शन न मिलने से थे परेशान

नगर आयुक्त ने कांवड़ की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को किया अलर्ट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद शहर से अधिकांश कांवड़ यात्री होकर गुजरते हैं। इसीलिए गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा के लिए अत्यधिक व्यवस्था हेतु जिला प्रशासन लगा हुआ है। गाजियाबाद नगर निगम की तैयारी भी जोरों से हो रही है । नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा लगातार अधिकारियों से बैठक करते हुए प्रतिदिन कांवड़ यात्रा महोत्सव के लिए चल रहे कार्यो की रिपोर्ट ली जा रही है। इसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा सभी अधिकारियों से बैठक की गई। समय से सभी व्यवस्थाओं को पूर्ण कर लिया जाए। टीम को निर्देश दिए गए कांवड़ यात्रा महोत्सव के नोडल प्रभारी अपर नगर आयुक्त अवनींद्र को चल रहे कार्यों पर मॉनिटरिंग बनाए रखने के लिए कहा गया। बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, प्रभारी प्रकाश एसपी मिश्रा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज आश कुमार व अन्य उपस्थित रहे। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि लगातार तैयारी जोरों से चल रही है कावड़ यात्रा को सफल बनाने के साथ-साथ सावन के सोमवार में भी श्रद्धालुओं के लिए मंदिरों पर भी व्यवस्था बेहतर हो तेजी से कार्य करने की निर्देश टीम को दिए गए हैं। गाजियाबाद नगर निगम निर्माण विभाग द्वारा बैरिकेडिंग का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है । जिसमें दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर से लेकर जस्सीपुरा मोड तक बैरिकेडिंग हो चुकी है । इसी क्रम में तेजी से कार्य करते हुए आवश्यकता को देखते हुए निर्धारित रूट पर बैरिकेटिंग का कार्य जारी रहेगा।

महर्षि दयानंद विद्यापीठ में बोर्ड परीक्षा के 35 छात्र सम्मानित

कार्यक्रम के जीडीए वीसी अतुल वत्स रहे मुख्य अतिथि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। विद्यालय प्रांगण में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीडीए वीसी अतुल वत्स तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति सुनील गर्ग (विद्यालय प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष) रहे। कार्यक्रम में संरक्षक बालेश्वर त्यागी (पूर्व शिक्षा मंत्री), प्रबंधन प्रतिनिधि अवधेश वत्स, निदेशक शचींद्रनाथ त्यागी, प्रबंध समिति के सदस्य ललित जायसवाल, पूर्व मुख्य चिकित्साधिकारी अशोक मिश्रा, वरिष्ठ अर्थशास्त्री अमि मिश्रा, प्रधानाचार्या डॉक्टर सीमा सेठी, प्राइमरी विंग प्रधानाचार्या कोमल त्यागी, उप प्रधानाचार्य डॉक्टर आनंद शर्मा, शिक्षक/ शिक्षिकाएँ, अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

मुख्य अतिथि, कार्यक्रम अध्यक्ष व अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया। छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं प्रेरक गीत प्रस्तुत किए गए। शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में उत्कृष्टता की मिसाल रहा महर्षि दयानंद विद्यापीठ सच्चे अर्थों में प्रतिभा सम्मान की परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। विद्यापीठ का मानना है कि छात्र-छात्राओं की उपलब्धियों को सम्मान देकर ही एक समृद्ध, सशक्त एवं उज्ज्वल राष्ट्र का निर्माण संभव है। इसी श्रृंखला में जनपद गाजियाबाद की कक्षा 12वीं की वरीयता सूची 2025 में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यापीठ के 8 तथा अन्य विद्यालयों के11 और कक्षा 10 की वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यापीठ के 6 मेधावी विद्यार्थियों को कार्यक्रम अध्यक्ष सुनील गर्ग के सौजन्य से लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया।

इसी अवसर पर अमि मिश्रा(वरिष्ठ अर्थशास्त्री) ने अपने तीन परिजनों बाबा जी, नाना जी और ससुर जी की पावन स्मृति में तीन पुरस्कार प्रदान किए। इन पुरस्कारों में प्रत्येक के लिए 15 हजार की सम्मान राशि प्रदान की गई। काजल नेगी कक्षा 12 को बोर्ड परीक्षा में जनपद में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर एस० एन०मिश्रा स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। अनस खान कक्षा 10 को बोर्ड परीक्षा में जनपद में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर एस० एस०पाण्डे स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। मयंक कक्षा 9 को सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी वर्ष 2025 के लिए अभय शंकर सिंह स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया।

संरक्षक महोदय ने अपनी उद्बोधन में कहा कि विद्यालय प्रारंभ करने का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना, अल्प साधनों वाले परिवार के बच्चों को शिक्षा देना और शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देना था। हम इस लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। यह विद्यालय अपने आप में विशिष्ट है। यहाँ शिक्षकों के विकास के लिए और विद्यार्थियों के विकास के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। मुख्य अतिथि ने विद्यालय की भूरि- भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि यह विद्यालय संस्थान न होकर समाज के उत्थान का साधन है। मैं शिक्षक/ शिक्षिकाओं के जज्बे को सलाम करता हूँ। उनकी असली कमाई उनके बच्चे होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि सपने हमेशा बड़े देखें, शिक्षक/ शिक्षकों का सम्मान करें तथा अभाव को कभी दिल में न बैठने दें। उन्होंने शिक्षक/ शिक्षिकाओं को भी हिदायत दी कि कोई बच्चा कमजोर नहीं होता,उसका हाथ न छोड़ें। करियर काउंसलिंग के सेशन छोटी कक्षा से ही प्रारंभ करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि नियमानुसार विद्यालय में जितने कमरे बन सकते होंगे मैं प्रयास करूँगा।

प्रधानाचार्या महोदया ने कहा कि विद्यालय सीमित साधनों में उत्कृष्ट शिक्षा एवं बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध करा रहा है। समाज द्वारा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं जो हमें प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं। यदि भविष्य में हमें कक्ष निर्माण का अवसर मिल पाएगा तो विद्यापीठ चलाने का प्रयास और अधिक सार्थक होगा।

यूपी स्टेट कांस्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन के अध्यक्ष व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री वाईपी सिंह ने की पत्रकार वार्ता

महामाया स्टेडियम में कराया जा रहा है करोड़ो रुपए का विकास कार्यः वाईपी सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। यू०पी० स्टेट कांस्ट्रक्शन एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन लि० के अध्यक्ष व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री वाईपी सिंह लोक निर्माण विभाग गेस्ट हाउस में पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान उन्होने गाजियाबाद में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि गाजियाबाद स्थित महामाया स्टेडियम में 16.02 करोड रुपए से अधिक के विकास कार्य कराये जाएंगे। इनमें स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रेनिंग ट्रैक व हॉकी मैदान का ट्रैक सहित अन्य विकास कार्य कराये जायेंगे। उक्त कार्य 21 अगस्त 2026 तक पूरे किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होने कहा कि इसके साथ ही नगर निगम गाजियाबाद द्वारा स्टाम्प एवं रिजस्ट्रेशन विभाग से सम्बंधित 4.17 करोड रुपए से निबन्धन कार्यालय का निर्माण कार्य, समाज कल्याण विभाग से सम्बंधित 77.61 लाख रुपए से राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास साहिबाबाद, का मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य, समाज कल्याण विभाग से सम्बंधित 61.71 लाख रुपए से राजकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास भौपुरा, का मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य, समाज कल्याण विभाग से सम्बंधित 194.31 लाख रुपए से जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय निडोरी गाजियाबाद में मरम्मत (रिनोवेशन) का कार्य, महिला कल्याण विभाग से सम्बंधित 60 लाख रुपए से मोदीनगर तहसील में वन स्टॉप सेन्टर भवन कार्य करवाया जा रहा है।

यूपीसिडको अध्यक्ष वीपी सिंह ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि इस समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के अपराध पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत देश में उत्तर प्रदेश नंबर वन है।

इसके साथ ही उत्तर प्रदेश पिछले 8 साल में महाराष्ट्र के बाद देश में दूसरे नंबर का बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर वाला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि जब से योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की कमान संभाली है तब से मंदिरों का नवीनीकरण होना शुरू हुआ है।

इनमें मुख्य अयोध्या में राम मंदिर, वाराणसी में काशीनाथ विश्व मंदिर, बागपत में पुरातन महादेव मंदिर का सुदृढ़ीकरण/जीणोद्धार/नवीनीकरण कराया जा रहा है। कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पुरानी सनातन संस्कृति को धरोहर को संभाल कर रखने सहित सुरक्षित करने में लगी हुई है।

उन्होने कहा कि मोदी जी–योगी जी के शीर्ष नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास के हर क्षेत्र में बुलन्दियों को छूआ है जिसमें रेल, मेट्रो, रेपिड़, एयरपोर्ट, ट्रांसपोर्ट, अर्थव्यवस्था, सड़कों का विस्तार व चौड़ीकरण, अपराध मुक्ति, विकास के क्षेत्र में मंदिरों, पर्यटनस्थलों सहित अन्य का नवीनीकरण सहित अन्य क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश का चहुंमुखी विकास कराया है। प्रेस वार्ता के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेताओं सहित पी0के0वास्तव अधीक्षण अभियंता, महेन्द्र सिंह अधिशासी अभियंता व अन्य गणमान्य रहे।

वैश्य समाज की धर्मशाला का दिनेश कुमार गोयल ने भूमि पूजन कर किया शिलान्यास

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रभात सभा द्वारा संचालित गांधी शिशु मन्दिर एवं अग्रवाल धर्मशाला, चरथावल मुजफ्फरनगर में लगभग 100 वर्ष पूर्व निर्मित वैश्य समाज की धरोहर के पुननिर्माण के लिए दिनेश कुमार गोयल सदस्य विधान परिषद उ0प्र0 द्वारा भूमि पूजन एवं शिलान्यास अग्रवाल धर्मशाला चरथावल मुजफफरनगर में किया गया। इसमें दिनेश कुमार गोयल द्वारा कहा कि अग्रवाल धर्मशाला जोकि समस्त वैश्य समाज की धरोहर है इसमें केवल वैश्य ही सर्वसमाज के लोगो के समरोह आदि आयोजित किये जाते है जिससे सभी समाज के लोग लाभान्वित होते है।

दिनेश गोयल ने इस आयोजन में पधारें समाज के गणमान्य व्यक्ति, माता बहनों का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अशोक कंसल पूर्व विधायक, सुधीर कुमार पूर्व आईएएस अधिकारी, अनुज गर्ग, अजय कंसल, सुधीर सिंघल, मनीष गर्ग, प्रिन्स, आदेश कुमार गर्ग आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

गुरु पूर्णिमा पर लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर और भाजपा जिलाध्यक्ष चैनपाल ने किया संतों का सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेश भर में भाजपा पदाधिकारियों, मंत्रियों व नेताओं ने मंदिर-शिवालय पहुंचकर पुजारियों का सम्मान किया। लोनी में भी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने जिलाध्यक्ष चैनपाल सिंह के साथ लोनी तिराहा स्थित श्री दुर्गा-हनुमान मंदिर पहुंचकर पुजारी पं. भवानी दत्त शर्मा एवं पं. कालिका प्रसाद को अंगवस्त्र भेंट कर सादर सम्मानित किया एवं उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि सद्गुरुओं व संतों का सानिध्य जीवन को दिशा देता है और भारतीय संस्कृति में गुरु व संतों का स्थान सर्वोच्च है।

भाजपा लगातार धार्मिक तीर्थो का पुनरद्धार व भारतीय संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रही है। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष अश्विनी कुमार, संतोष मिश्रा, जिला मंत्री आकाश गौतम, सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन (सर छोटू राम) का किया गया गठन

आनन्द चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष, कुंवर अयूब अली मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता व अजय प्रमुख बने राष्ट्रीय महासचिव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। किसान एवं मजदूर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न समस्याएं पैदा होती रहती हैं । प्रशासनिक स्तर पर किसान एवं मजदूरों का उत्पीड़न होता रहता है। किसान एवं मजदूरों की समस्याओं के समाधान के लिए एक सशक्त संगठन की आवश्यकता को महसूस करते हुए यह निर्णय किया गया है कि भारतीय किसान यूनियन (सर छोटू राम) के नाम से एक संगठन बनाया गया है । शुक्रवार को प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय संगठन के पदाधिकारियों की विधिवत रूप से घोषणा की गई। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व आनंद चौधरी को सौंपा गया।

मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता का दायित्व कुंवर अयूब अली एडवोकेट संभालेंगे, मुख्य राष्ट्रीय महासचिव का दायित्व अजय प्रमुख संभालेंगे। राष्ट्रीय मुख्य कोषाध्यक्ष का दायित्व सोनवीर सिंह संभालेंगे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का दायित्व धर्मेंद्र चौधरी संभालेंगे। संगठन को ग्राम स्तर ब्लॉक तहसील जिला स्तर मंडल स्तर प्रदेश स्तर का गठन यथाशीघ्र किया जाएगा। प्रेस वार्ता में क्षेत्र के सम्मानित व्यक्तियों की उपस्थिति रही। जिसमें राष्ट्रीय जाट महासभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सरोहा , राष्ट्रीय जाट महासभा के विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भूपेंद्र एडवोकेट, शहजाद चौधरी व्यापार मंडल अध्यक्ष मुरादनगर, संदीप चौधरी भारतीय किसान यूनियन संघर्ष के अध्यक्ष, असलम पठान मुरादनगर, संजय त्यागी जनहित पार्टी प्रगतिशील के राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉक्टर राजपाल तोमर मुरादनगर, हाजी आसिफ पूर्व पार्षद भारतीय किसान यूनियन भानू के महामंत्री, चौधरी कर्मवीर हसनपुर, इंद्रपाल सैदपुर, उमेश चौधरी दुहाई, विशन चौधरी ढिढार, मांगेराम ढिढार, उमेद कजमपुर, महेंद्र व विजेंद्र सिंह नगला मोहनपुर, लोकेंद्र सिंह खंजरपुर, मोहित चौधरी युवा प्रदेश अध्यक्ष, प्रितपाल खोसला प्रदेश अध्यक्ष महाराणा प्रताप सेना, इस्तकार प्रधान कलछीना, हाजी हुकूमत अली हावल, एजाज खान कुशलिया, रणवीर प्रधान अटौर अध्यक्ष प्रधान संगठन, आजाद शमशेर, बबलू अमराला, मनोज पार्षद रहिसपुर, संजय खुटैल प्रदेश प्रभारी हिंदुस्तान आवाम मोर्चा, आशु मलिक मुरादनगर, संदीप चौधरी विक्रांत चौधरी विश्वजीत चौधरी देवेंद्र सिंह सुधीर चौधरी गुड्डू हरेंद्र सभी भिकनपुर,विपिन चौधरी रहिसपुर, चौ सोहनवीर खुटैल रहिसपुर,राजू पार्षद रहिसपुर,तरूण रावत,वीरपाल अटौर, मनोज प्रधान काजमपुर, सन्तवीर गुरूवचन रहिसपुर आदि सैकड़ो की संख्या में किसानों की उपस्थिति रही।

श्रावण मास में भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना करने से सभी कष्ट, संकट व रोग दूर होते हैंः महंत

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता व दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि शुक्रवार से श्रावण मास जिसे सावन मास व शिवमास भी कहा जाता है, शुरू हो रहा है। इस मास में भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना करने का बहुत अधिक महत्व है। श्रावण मास में भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना करने वालों सभी कष्ट व दुख दूर होते हैं और उनकी प्रत्येक मनोकामना पूर्ण होती है।

महाराजश्री ने बताया कि श्रावण मास 11 जुलाई से 9 अगस्त तक रहेगा। श्रावण मास में भगवान दूधेश्वर की पूजा करने से भक्तों का कल्याण होता है। परिवार का कोई भी सदस्य यदि 40 दिन लगातार मंदिर में आकर भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना करता है और दीपक जलाता है तो सभी बाधाएं व कष्ट दूर होते हैं। सभी रूके हुए काम बनते हैं। किसी की जॉब नहीं लग रही हो, शादी नहीं हो रही हो, संतान नहीं हो रही हो, कोई बीमारी ठीक नहीं हो रही या किसी प्रकार का कोई भय हो तो सच्चे मन से 40 दिन तक भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना करने से हर रूका हुआ काम पूरा होता है और हर मनोकामना पूर्ण होती है। भगवान दूधेश्वर की कृपा बनी रहती है। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि श्रावण मास, श्रावण मास के सोमवार व श्रावण शिवरात्रि पर मंदिर में भक्तों का सैलाब उमड़ता है और इस बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मंदिर में कॉरिडोर बनाए जाने का कार्य कर रहा है ताकि भक्तों को अधिक से अधिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। मंदिर में यात्री निवास आदि का निर्माण कराया जा रहा है।

ऐसे में कोई भी भक्त अपने वाहन मंदिर में लेकर ना आए। अपने वाहन श्री ठाकुर द्वारा पुल के नीचे, जिल अस्पताल, शंभू दयाल इंटर कॉलेज व डिग्री कॉलेज व घंटाघर रामलीला मैदान में खडे करके आए। जूते-चप्पल अपने वाहनों में ही रखकर आएं क्योंकि मंदिर में निर्माण कार्य के चलते दिक्कत आएगी। भक्तों के अंदर आने व बाहर जाने का मार्ग अलग-अलग होने से उनके खोने का डर भी रहेगा। अतः मंदिर में नंगे पैर ही आएं। इसके अलावा कोई भी भक्त अपने साथ अधिक धन या कीमती सामान जेवर आदि लेकर ना आए। वैसे तो मंदिर व उसके आसपास पूर्ण सुरक्षा रहेगी फिर भी अपने साथ कीमती सामान, जेवर आदि लेकर ना आएं। उन्होंने सभी भक्तों से पूरे श्रावण मास व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की कि ताकि भगवान दूधेश्वर की पूजा-अर्चना करने में किसी प्रकार की दिक्कत ना आए।

भाजपा की चुनावी तैयारी तेज, बूथ से मतदाता तक पहुंचेगी रणनीति

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। आगामी चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल की अध्यक्षता में नेहरू नगर कार्यालय पर चुनाव प्रबंधन बैठक आयोजित की गई। इसमें प्रमुख सुभाष शर्मा सहित सह प्रमुखों एवं 20 मंडल अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक के उपरांत मयंक गोयल ने बताया कि भाजपा मजबूत बूथ मजबूत जीत के मंत्र के साथ पन्ना प्रमुख, बूथ समिति, और विस्तारकों की सक्रियता से बूथ संरचना को सुदृढ़ कर रही है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल रणनीति, डेटा विश्लेषण, और सोशल मीडिया अभियान के जरिये हर मतदाता तक पहुँच सुनिश्चित की जाएगी। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को जोड़ने, ₹जन संवाद यात्रा और मोदी के मन की बात को जन-जन तक पहुंचाना प्राथमिकता है। भाजपा का फोकस प्रशिक्षित कार्यकताओं, शक्ति केंद्रों, और डिजिटल वॉर रूम के जरिये संगठनात्मक शक्ति को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर है। गोयल ने कहा कि विपक्षी दलों की नकारात्मक राजनीति का तथ्यात्मक विश्लेषण कर भाजपा हर मोर्चे पर तैयार है। साथ ही राम मंदिर, काशी विश्वनाथ, मथुरा जैसे सांस्कृतिक विषय जनता से जुड़ाव के मजबूत माध्यम हैं। उन्होंने मंडल अध्यक्षों से आग्रह किया कि वे बूथ स्तर तक समर्पित होकर कार्य करें, ताकि भाजपा पुनः भारी जनसमर्थन के साथ विजयश्री प्राप्त कर सके। सभी मंडल अध्यक्षों को शक्ति केन्द्र एवं बूथों पर वितरित करने के लिए पत्रक भी दिए गए।

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। वीरवार को राजकुमार गोयल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में रक्तदान शिविर एवं थैलेसीमिया जाँच शिविर का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गाज़ियाबाद के अनेक विशिष्ट जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि सांसद अतुल गर्ग , विधायक संजीव शर्मा , महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल , आरकेजीआईटी संस्थान के चेयरमैन व विधायक दिनेश गोयल , ललित जयसवाल , अक्षत गोयल का स्वागत अनिल अग्रवाल साँवरिया द्वारा किया गया। रोटरी सहायक गवर्नर महेन्द्र सिंह का स्वागत अनिल गर्ग द्वारा किया गया । अपने स्वागत भाषण में अनिल अग्रवाल सांवरिया ने कहा कि आज का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन का राष्ट्रीय स्तर से किये गये आह्वान का हिस्सा है , आज मात्र ब्लड डोनेशन कैम्प ही नहीं लगाया गया है अपितु समाज में तेजी से फैल रही थैलेसेमिया की बीमारी से बचाने के लिये थैलेसेमिया जागरूकता सेमिनार का भी आयोजन किया जा रहा है । रक्तदाताओं की थैलेसेमिया जांच भी करायी जायेगी । उन्होंने संस्था के सक्रिय सदस्यों का कार्यक्रम में सहयोग के लिये , विशेष रूप से संजय अग्रवाल , सुनील वैष्णय, देवेंद्र हितकारी का अभार किया । कार्यक्रम में सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि रक्तदान महादान है । वास्तव में परोपकार के लिए किया गया हर कार्य महादान है। मंयक गोयल ने कहा कि वैश्य समाज सदैव समाजहित के कार्यों में अग्रणी रहा है, चाहे वह मंदिर, धर्मशाला या विद्यालय निर्माण हो। आज के इस रक्तदान शिविर से समाज को नई दिशा मिली है। रोटरी क्लब गाज़ियाबाद विकास के तत्वावधान में रोटरी ब्लड बैंक नई दिल्ली से पधारे विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा थैलेसीमिया पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। उन्होने बताया कि कि यदि दो थैलेसीमिया माइनर व्यक्ति विवाह करते हैं, तो संतान को थैलेसीमिया मेजर होने की आशंका रहती है।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा ने २० मंडलों में किया गुरुओं, महंतों एवं पुजारियों का सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च होता है। इसी पावन परंपरा का निर्वहन करते हुए गुरु पूर्णिमा महापर्व के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महानगर गाजियाबाद द्वारा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में शहर के विभिन्न स्थलों पर आयोजित कार्यक्रमों में गुरुओं, महंतों और पुजारियों का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। महानगर के सभी 20 मंडलों में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्वयं महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल जी ने प्रमुख कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर गुरुओं का पावन पूजन एवं वंदन किया। प्रातःकाल दूधेश्वर नाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना उपरांत अध्यक्ष मयंक गोयल ने धमार्चार्य महंत नारायण गिरी का शाल व स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया। इस दौरान मंदिर प्रांगण में पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत एक वृक्षारोपण भी किया गया। इसके उपरांत वाल्मीकि मंदिर, जटवाड़ा (नवयुग मार्केट) में आयोजित कार्यक्रम में प्रदर्शन चौहान के साथ अध्यक्ष मयंक गोयल ने संत समाज के महंतों का सम्मान किया। दोपहर में गुरुद्वारा सी-ब्लॉक, कविनगर में आयोजित सम्मान समारोह में सरदार एस.पी. सिंह एवं रविंद्र सिंह जॉली की गरिमामयी उपस्थिति में गुरुओं का सम्मान किया गया। अध्यक्ष मंयक गोयल ने गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए कहा, "गुरु वह शक्ति है जो शिष्य को अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाती है। कार्यक्रमों के दौरान प्रदीप चौहान बलराम रावल, गौरव चोपड़ा, महिम गुप्ता, राहुल तोमर, अमित रंजन, पहलाद एवं विनोद कसाना सहित अनेक कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि गुरु जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पथप्रदर्शक होता है। भारतीय जनता पार्टी केवल राजनीति नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का संवाहक भी है। गुरु पूर्णिमा का पर्व हमें स्मरण कराता है कि ज्ञान, संस्कार और संस्कृति की धारा गुरु से ही प्रवाहित होती है।

महंत नारायण गिरी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि गुरु और शिष्य का संबंध आत्मा और परमात्मा जैसा होता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सद्भाव, मयार्दा और संस्कृति का प्रचार होता है, जो अत्यंत सराहनीय है। सरदार एसपी सिंह ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाले व्यक्तित्वों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। भाजपा के इस प्रयास से भारतीय परंपराओं को मजबूती मिलती है।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

ऑनलाइन बाजार: आतंक का नेटवर्क

आतंकवादी पिछले कुछ वर्षों से अपनी नापाक साजिशों को अंजाम देने के लिए पारंपरिक तरीके के बजाय आधुनिक तकनीक का सहारा लेने लगे हैं। खासकर इंटरनेट के जरिए विभिन्न तरह की मदद हासिल करना उनके लिए आसान और सुलभ तरीका बन गया है। वैश्विक आतंकवाद वित्तपोषण निगरानी संस्था एफएटीएफ ने भी चौंकाने वाला खुलासा किया है कि आतंकी धन जुटाने और हिंसक वारदातों के लिए आनलाइन सेवाओं का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग कर रहे हैं। फरवरी 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इस्तेमाल विस्फोटक पदार्थ का एक हिस्सा आनलाइन कारोबारी मंच से खरीदा गया था। यही नहीं, आतंकी बम बनाने की विधि भी इंटरनेट से सीख रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। हाल के वर्षों में हुए कई आतंकी हमलों की जांच में इसके प्रमाण मिले हैं। इससे साफ है कि आनलाइन सेवाओं का दुरुपयोग किस कदर खतरनाक रूप ले चुका है। एफएटीएफ की रपट में कहा गया है कि आतंकवादी अपने हिंसक अभियानों के लिए उपकरण, हथियार, रसायन और यहां तक की ह्यथ्री डी-प्रिंटिंगह्ल सामग्री की खरीदारी भी आनलाइन सेवाओं के जरिए कर रहे हैं। यह बात सही है कि आनलाइन खरीदारी की व्यवस्था से लोगों को काफी सहूलियत हुई है, लेकिन इस सुविधा का उपयोग खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिए न हो, इस पर कड़ी नजर रखना जरूरी है। निगरानी तंत्र के अभाव में आतंकवादियों और उनके सहयोगियों द्वारा आनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल हिंसक अभियानों के वित्तपोषण के लिए करने की संभावनाओं से भी अब इनकार नहीं किया जा सकता है। इंटरनेट पर विस्फोटक पदार्थ तैयार करने की तकनीक से जुड़ी सामग्री का होना भी चिंता का विषय है। सरकार और संबंधित प्राधिकारियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाना होगा। साथ ही आनलाइन सेवा प्रदाता मंचों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे इस तरह की सामग्री की नियमित निगरानी करें, ताकि इसके दुरुपयोग पर रोक सुनिश्चित हो सके। एफएटीएफ का यह खुलासा भी अहम है कि आतंकवादी संगठनों को कुछ देशों की सरकारों से वित्तीय और अन्य मदद मिल रही है, जिनमें साजो-सामान और सामग्री संबंधी सहायता एवं प्रशिक्षण भी शामिल है।

देश में एक वोटर लिस्ट की आवश्यकता है

हमारे देश में मुख्यत: तीन चुनाव होते है एक संसद सदस्य का, दूसरा विधायक का तथा तीसरा स्थानीय निकायों का तथा कमोबेश तीनों ही चुनावों के समय मतदाता सूचियों का पुनर्निरीक्षण किया जाता है क्योंकि तीनों चुनावों के लिए अलग अलग मतदाता सूची बनी हुई है। प्राय: यह देखा गया है कि किसी व्यक्ति का नाम किसी सूची में है और अन्य में नहीं जिससे वह नागरिक अपने राष्ट्रीय कर्तव्य से विमुख हो जाता है। तीन तरह की चुनाव सूचियां होने से हर चुनाव के समय शासन प्रशासन का अनावश्यक श्रम एवं धन अपव्यय भी होता है तथा मतदाताओं के गणन में घपला होने की संभावना बनी रहती है। इसलिए लंबे समय से प्रबुद्ध वर्ग चुनाव आयोग से इसमें सुधार की मांग करता आ रहा है।

डा मुकेश गर्ग

इस बार भारतीय चुनाव आयोग ने पहली बार बिहार चुनाव से पूर्व बिहार के मतदाताओं का गहन निरीक्षण करा कर मतदाता सूचियों का पुनर्निरीशण करने का आदेश दिया जिसपर कार्य प्रारंभ हो चुका है तथा बिहार में 2003 वर्ष को आधार वर्ष मानते हुए उस समय की मतदाता सूची में वर्णित लगभग 4.84 करोड़ मतदाताओं को जीवन मृत्यु के आधार पर सत्यापित किया जा रहा है तथा उसके बाद मतदाता सूची में जुड़े लगभग 2.70 करोड़ मतदाताओं से 11 पहचानपत्रो के आधार पर पहचान करके उनका पुनर्निरीक्षण किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में अभी तक लगभग 1 करोड़ मतदाता अपनी भारतीय नागरिकता का सत्यापन नहीं करा पा रहे जिससे उनका मत बन पाएगा या नहीं इस पर संशय है और इसी बात को लेकर बिहार की राजनीतिक पार्टियां बेहद नाराज है क्योंकि ऐसा होने से उनसे समर्थित वोटर उनसे दूर जा सकता है। परंतु राष्ट्र हित में सभी राजनीतिक पार्टियों को देशभर की वोटर लिस्ट का इसी प्रकार गहन सत्यापन कराना चाहिए ताकि देश में अवैध रूप से रह रहे घुसपैठिए देश के संसाधनों का जो दुरुपयोग कर रहे है, उससे छुटकारा मिल सके। यह कोई छोटी मोटी बात नहीं है अपितु राष्ट्र हित के लिए सर्वोपरि है, जरा सोचिए...

(लेखक एक स्वतंत्र उद्यमी, विचारक, ब्लॉगर एवं यू ट्यूबर है)

वेदवाणी

सूर्यरश्मिर्हरिकेशः पुरस्तात्स-
विता ज्योतिरुदयाँ अजस्त्रम्।
तस्य पूषा प्रसवे याति विद्वान्त्स-
म्पश्यन्विश्वा भुवनानि गोपा।।
(ऋग्वेद - 10:139:1:)

भावार्थ :
देव सविता! दुःख हर लेती हैं
तुम्हारे सूर्य की रश्मियाँ।
तुम सबके आगे-आगे चल रहे
अजस्त्र ज्योति-पुरुष हो।
पूषा तुम्हारे ही अनुवर्ती हैं,
तुम सम्पूर्ण भुवन को निहारते हुए

प्रो. प्रकाश चंद्र गिरी

गुरु पूर्णिमा: जीवन को सार्थक बनाते हैं गुरू

गुरु बिन ज्ञान न उपजै गुरु बिन मिलै न मोक्ष, गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटै न दोष। अर्थात गुरु के बिना ज्ञान नहीं आता और न ही मोक्ष मिल सकता है। गुरु के बिना सत्य की प्राप्ति नहीं होती और ना ही दोष मिट पाते हैं। यानी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को संवारने के लिए गुरू का होना बहुत ही आवश्यक है। भारतीय संस्कृति को धारण करने वाला व्यक्ति प्रेरणापुंज की तरह ही होता है। उनके प्रत्येक शब्द सकारात्मक दिशा का बोध कराने वाला होता है। हम प्रायः सुनते हैं कि हमारा देश विश्व गुरु रहा है, विश्व गुरु यानी सम्पूर्ण क्षेत्रों में विश्व का मार्ग दर्शन करने वाला, लेकिन क्या हमने सोचा है कि भारत का वह कौन सा गुण था, जिसके कारण विश्व के अंदर भारतीय प्रतिभा और क्षमता का बोलबाला था।

इसका उत्तर आज भले ही कोई नहीं जानता हो, लेकिन यथार्थ यही है कि इसके पीछे मात्र भारतीय गुरुकुल ही थे। भारतीय संस्कृति में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें बालक के सम्पूर्ण विकास की अवधारणा और संरचना होती है। उस समय के हिसाब से गुरुकुलों में विश्व की सबसे श्रेष्ठ शिक्षा दी जाती थी। छात्रों का समग्र विकास किया जाता था। चाहे वह ज्ञान, विज्ञान का क्षेत्र हो या शारीरिक शिक्षा की बात हो या फिर नैतिक और व्यावहारिक संस्कारों की ही बात हो। गुरुकुल की शिक्षा बहुमुखी प्रतिभा का विकास करती थी। आज देश में कई गुरुकुल चल रहे हैं, उसमें बहुत आश्चर्यजनक प्रतिभा संपन्न बालकों का निर्माण भी हो रहा है। पिछले समय गूगल बॉय के रुप में चर्चित होने वाला बालक इन्हीं गुरुकुलों की देन है। गुजरात के कर्णावती में हेमचंद्राचार्य गुरुकुल में ऐसे नन्हे प्रतिभाशाली छात्रों को देखकर विदेशी भी चकित हैं। हमारे देश को वास्तव में गुरुकुल आधारित शिक्षा पद्धति की आवश्यकता है, क्योंकि यही भारत की वास्तविक शिक्षा है और इसी से छात्रों का समग्र विकास हो सकता है। गुरुकुल में जो अध्यापक होते थे, वह अपने आपको गुरु की भूमिका में लाने के लिए ज्ञान की साधना करते थे। एक ऐसा ज्ञान जो समाज को सार्थक दिशा का बोध करा सके। उस समय वर्तमान की तरह स्कूल नहीं होते थे। क्योंकि स्कूलों की प्रणाली विदेशी प्रणाली है। इससे गुरु और शिष्य के मध्य अपनत्व नहीं होता। गुरुकुल का अर्थ स्पष्ट है। वह गुरू का कुल यानी परिवार होता था। गुरु अपने शिष्य को अपने परिवार का सदस्य मानकर ही शिक्षा देता था। संस्कृत में गुरु शब्द का अर्थ ही अंधकार को

शिक्षा प्रणाली का किसी भी देश के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद जिस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए थी, उसका हमारे देश में नितांत अभाव महसूस किया जाता रहा है।

समाप्त करने वाला होता है। आज के स्कूल एक प्रकार के व्यापार केन्द्र ही हैं। पैसे को आधार मानकर शिक्षा देने का चलन हो गया है। इससे गुरु और शिष्य के बीच गुरुकुल जैसे संबंध नहीं बनते, क्योंकि इन स्कूलों में नैतिक व्यवहार की सीख नहीं दी जाती। शिष्य को ज्ञान नहीं, केवल शब्द पढ़ाए जाते हैं।

शिक्षा प्रणाली का किसी भी देश के निर्माण में बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद जिस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए थी, उसका हमारे देश में नितांत अभाव महसूस किया जाता रहा है। शायद, स्वतंत्रता मिलने के बाद हमारे नीति निर्धारकों ने शिक्षा नीति बनाने के बारे में कम चिन्तन किया। इसी कारण आज की नई पीढ़ी को इतिहास की जानकारी देने से वंचित किया जा रहा है। यहां यह बताना आवश्यक है कि इतिहास कोई सौ या दो सौ सालों में नहीं बनते। जहां तक भारत के दो सौ सालों के इतिहास की बात है तो इस दौरान भारत परतंत्रता की जंजीरों में जकड़ा रहा था। इसलिए स्वाभाविक है कि उस कालखंड का इतिहास हमारा मूल इतिहास नहीं कहा जा सकता। अगर हमें भारत के इतिहास का अध्ययन करना है तो उस कालखंड में जाना होगा, जब भारत पर किसी विदेशी का शासन नहीं था। क्या आज यह इतिहास कोई जानता है, ... बिलकुल नहीं। उसको कोई बताता भी नहीं, क्योंकि उसको बताने से भारत का वही रूप सामने आएगा, जो विश्वगुरू भारत का था। हम जानते हैं कि विश्व के प्रायः सभी देशों में जो शिक्षा प्रदान की जाती है, वह उस देश के मूल भाव को संवर्धित करती हुई दिखाई देती है। इसके अलावा शिक्षा का मूल भी यही होना चाहिए कि उसमें उस देश का मूल संस्कार परिलक्षित हो। हमें पहले यह भी समझना होगा कि शिक्षा किसलिए जरूरी है? क्या केवल साक्षर होने या नौकरी के लिए पढ़ाई की जानी चाहिए अथवा इसके और भी गहरे मायने हैं? विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय वह केंद्र होते हैं, जहां विद्यार्थी को वैचारिक स्तर पर गढ़ने का कार्य किया जाता है। विद्यार्थी को गढ़ने का कार्य केवल गुरू ही कर सकते हैं। भारत के मनीषियों ने गुरु के साथ विद्यार्थी के सानिध्य को समझा और गुरुकुल पद्धति पर बल दिया। पारिवारिक वातावरण से दूर रहने के कारण उसमें आत्मनिर्भरता विकसित होती थी तथा वह संसार की गतिविधियों से अधिक अच्छा ज्ञान प्राप्त करता था। उससे आत्मानुशासन की प्रवृत्ति का भी विकास होता था। महाभारत में गुरुकुल शिक्षा को गृह शिक्षा से अधिक प्रशंसनीय बताया गया है। प्राचीन भारत में शिक्षा पद्धति की सफलता का मुख्य आधार गुरुकुल ही थे जो किसी न किसी महान तपधारी ऋषि की तपोभूमि तथा विद्यार्जन के स्थल थे। गुरुकुल और समाज के मध्य पृथक्करण नहीं था। गुरु का कार्यक्षेत्र केवल गुरुकुल तक ही सीमित नहीं था अपितु उनके तेजोमय ज्ञान का प्रसार राष्ट्र के सभी क्षेत्रों में था। उनकी विद्वता और उत्तम चरित्र तथा व्यापक मानव सहानुभूति की भावना के कारण उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली होती थी। गुरु के आचार-विचार में भेद नहीं होता था। गुरुकुल में प्रवेश पाने वाले शिक्षार्थी के अन्तर्मन में झाँककर गुरु उसकी योग्यता, आवश्यकता एवं कठिनाइयों को भलीभांति समझते थे। गुरुकुल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में उत्तम मानस का निर्माण करना था। वस्तुतः स्वयं गुरु ही विद्यार्थियों के आदर्श थे जिनसे प्रेरित होकर वे उनका अनुसरण करते थे और संयमी, गम्भीर तथा अनुशासन युक्त जीवन का निर्माण करते थे।

प्राचीन काल में धौम्य, च्यवन ऋषि, द्रोणाचार्य, सांदीपनि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, वाल्मीकि, गौतम, भारद्वाज आदि ऋषियों के आश्रम प्रसिद्ध रहे। बौद्धकाल में बुद्ध, महावीर और शंकराचार्य की परंपरा से जुड़े गुरुकुल जग प्रसिद्ध थे, जहाँ विश्वभर से मुमुक्षु ज्ञान प्राप्त करने आते थे और जहाँ गणित, ज्योतिष, खगोल, विज्ञान, भौतिक आदि सभी तरह की शिक्षा दी जाती थी। प्रत्येक गुरुकुल अपनी विशेषता के लिए प्रसिद्ध था। कोई धनुर्विद्या सिखाने में कुशल था तो कोई वैदिक ज्ञान देने में, कोई अस्त्र-शस्त्र सिखाने में तो कोई ज्योतिष और खगोल विज्ञान की शिक्षा देने में दक्ष था।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ, वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते, तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक, एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके, ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया, और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते, यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गाया, भगवान् राम का दिव्य जीवन)

भाग 27

गतांक से आगे .....

महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज ने अपना उपदेश देकर यह कहा कि "तुम्हें वैज्ञानिक बनना है, प्रत्येक वस्तु को विज्ञान में लाना है जैसे आपो जल है, आपो ही माता के गर्भ में प्रवेश होते ही एक बिन्दु में एक शिशु प्रवेश होता है, देवताजन सर्वत्र शिशु को अपनाकर ही उसका निर्माण करते हैं और वह एक मनुष्य के रूप में परिणित हो जाता है, वही नाना प्रकार की योनियों के रूपों में योनित हो जाता है। वही भिन्न-भिन्न रूप में दृष्टिपात आता रहता है।" वशिष्ठ मुनि बोले कि ह्यह्यतब मैंने यह उपदेश दिया और यही दीक्षान्त उपदेश मैं तुम्हें दे रहा हूँ कि तुम्हें वैज्ञानिक बनना है, तुम्हें विज्ञान के रूप में प्रवेश करना है,

यह उपदेश दे करके महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज अपने में मौन हो गये और मौन होने से पूर्व पुनः एक वाक्य कहा "तुम्हें अपने में ब्रह्मचरिष्यामी बन करके राष्ट्र और समाज को ऊँचा बनाना है, क्योंकि यह उपदेश जो मैंने विज्ञान का दिया है, इस विज्ञान के साथ-साथ यदि तुम्हारा राष्ट्रीयकरण प्रजा का सुन्दर नहीं होगा, तो यह विज्ञान, यह लोकों में यातायात तुम्हारा निष्फल हो जायेगा, क्योंकि यह यातायात उस काल में प्रिय लगेगा, जब तुम्हारे राष्ट्र में शान्तता का, चरित्रता का जन्म हो जाएगा और यदि राष्ट्र में तथा समाज में चरित्रवाद और प्रतिभा की महानता का जन्म नहीं होता तो इस विज्ञान को देखो ऊर्ध्वा में जाने से राष्ट्र-समाज को लाभप्रदता प्राप्त नहीं होगी। यह केवल विज्ञान का दुरुपयोग हो करके तुम्हारे यहाँ रक्त भरी क्रांति का अवशेष बन करके तुम्हारा समाज अग्नि के मुख में परिणित होता चला जायेगा।"

वशिष्ठ जी यह उच्चारण करके मौन हो गये

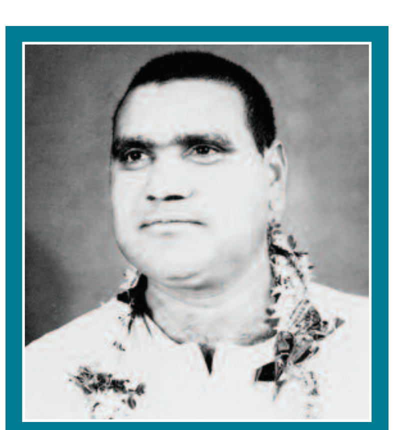

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

और मौन हो करके माता अरून्धती ने कहा "ब्रह्मचारियो! आज तुम्हें यह दीक्षान्त उपदेश दिया है इसके ऊपर तुम्हें विचार करना है। अपने जीवन के क्रिया-कलाप, जो तुमने विद्यालय में अपने में धारण किये हैं, उन्हें क्रिया में लाने के लिए तुम्हें आगे प्रयास करना है।

प्रातःकाल याग करना है, अपने राष्ट्र की प्रतिभा में याग को लाना है, परन्तु याग के पश्चात् वाजपेयी याग को यागों में परिणित करके तुम अपने राष्ट्र को ऊँचा बनाओ, जिससे याग की उत्पत्ति हो करके नाना प्रकार के खनिज पदार्थों को जान करके तुम अपने राष्ट्र को ऊँचा बनाते रहो, ऐसी मेरी सदैव कामना रहती है। हमारी यह कामना है। अब तुम्हारा विद्यालय का पाठ समाप्त हो गया।"

जब भगवान् राम ने इन वाक्यों को श्रवण किया तो राम ने एक प्रश्न किया कि "हे भगवन्! हम वैज्ञानिक बनें या हम राष्ट्रीयवेत्ता बनें। हम कौन सी प्रतिभा को अपनाने के लिए तत्पर हों।" महर्षि वशिष्ठ मुनि ने कहा कि "तुम्हें सर्वत्र रूपों में अपने को ले जाना है, क्योंकि यदि योग नहीं होगा, तो तुम्हारा जीवन महान् नहीं बनेगा। यदि तुम्हारे में ब्रह्मचर्य नहीं होगा, तो राष्ट्र को ऊँचा नहीं बना सकते। यदि तुम्हारे में विज्ञान नहीं होगा, तो राष्ट्र में तुम गति नहीं कर सकोगे और यदि तुम्हारे यहाँ ज्ञान, कर्म और उपासना नहीं होगी, तो विद्वत् समाज को जन्म नहीं दे सकोगे।"

महर्षि वशिष्ठ यह वाक्य उच्चारण करके पुनः मौन हो गये। परन्तु राम ने पुनः यह प्रश्न किया कि "भगवन्! क्या राष्ट्र में बुद्धिजीवी प्राणी होना अनिवार्य है?" महर्षि वशिष्ठ मुनि बोले, "हे राम! यदि राजा के राष्ट्र में बुद्धिजीवी प्राणी नहीं रहेगा, तो राजा का राष्ट्र आज नहीं तो कल विडम्बनामयी, अज्ञानमयी समाज बन करके अग्नि के मुख में चला जाएगा। परन्तु बुद्धिजीवी प्राणी ही समाज को ऊँचा बनाते हैं, समय-समय पर राष्ट्र को ऊँची दिशा प्रदान कर देते हैं, और राष्ट्र में राजा और प्रजा दोनों मिल करके अश्वमेध याग में परिणित हो करके राष्ट्र को ऊँचा बनाते हैं।" क्रमशः....

श्रद्धांजलि-

सबको हँसाने वाले सुरेंद्र दुबे रुला कर चले गए!

सबको बहुत हँसाता था वो,
आज रुला कर चला गया।
जीवन की सच्चाई को वो,
शख्स बता कर चला गया।

मैं बात कर रहा हूँ पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे की। जिन्होंने राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंचों पर छत्तीसगढ़ की खुशबू बिखेरी। 26 जून को अचानक हृदयाघात के कारण हम सबको छोड़ कर चले गए। अपनी हास्य कविताओं के द्वारा सबके हृदय को प्रफुल्लित करने वाले डॉ दुबे अचानक छोड़ कर चले जाएंगे, यकीन नहीं होता। लेकिन यह जीवन की सच्चाई है। एक दो माह बाद उनके अभिनंदन ग्रंथ का लोकार्पण होना था। उनके 50 साल के मंचीय जीवन पर कार्यक्रम की योजना बन रही थी। लेकिन अब उस काम को नए सिरे से प्लान करना होगा। 8 जनवरी 1953 को बेमेतरा में जन्मे डॉक्टर दुबे को साहित्य सृजन विरासत में मिला। उनके पिता गर्जन सिंह दुबे अपने समय के महत्वपूर्ण कवि थे। इन पंक्तियों के लेखक का सौभाग्य है कि आज से तीन दशक पहले उनकी एक काव्य कृति का विमोचन मैंने भी किया था। तभी से डॉक्टर सुरेंद्र दुबे से मेराआत्मीय परिचय हुआ और वह निरंतर प्रगाढ़ होता चला गया। मैं विशुद्ध साहित्य की दुनिया का आदमी और दुबे मंच के स्थापित हस्ताक्षर। लेकिन उनके साथ कुछ काव्य मंच मैंने साझा किये। फिर मुझे यह महसूस हुआ कि मंच की विधा मुझसे नहीं सध सकेगी यह डॉ दुबे जैसे महारथियों का ही काम है। और हम सब ने देखा कि डॉक्टर दुबे ने कवि सम्मेलन के मंचों पर जो धूम मचाई, वैसे धूम छत्तीसगढ़ के दूसरे कवि नहीं मचा सके। अमेरिका के 42 शहरों में उन्होंने काव्य पाठ किया। 12 बार उन्हें दुबई बुलाया गया। लेकिन ऐसी बात नहीं है कि सुरेंद्र दुबे सिर्फ मंचीय कवि थे। वे साहित्य के भी गंभीर अध्यता थे।

गिरीश पंकज

प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक लेखक

उन्होंने अनेक व्यंग्य कविताएं भी लिखी गद्य लेखन भी उनका अच्छा रहा। उनके हिस्से पांच पुस्तकें हैं। 'किस पर कविता लिखूं' और 'मैं बस्तर बोल रहा हूँ', ये दो पुस्तकें मुझे याद आ रही हैं। एक बार हम दोनों राष्ट्रीय पुस्तक न्यास नई दिल्ली द्वारा आयोजित नवसाक्षर लेखन कार्यालय में शामिल हुए।

ग्रामीण पाठकों के लिए हमने एक-एक कहानी लिखी। बाद में हम दोनों की कहानी पुस्तक रूप में प्रकाशित भी हुई। दुर्ग जिले में साक्षरता अभियान के लिए सुरेंद्र दुबे निरंतर लेखन करते रहे। उसी का परिणाम रहा कि उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। वे आयुर्वेदिक चिकित्सक के रूप में भी बहुत लोकप्रिय थे और अक्सर कवियों को स्वास्थ्य संबंधी सलाह दिया करते थे। कवि सम्मेलनों के मंच पर जाते हुए वह अपने साथ कुछ दवाइयां भी रखते थे। जब कोई कवि बीमार पड़ जाता, तो सुरेंद्र दुबे अपने पास से दवा निकाल कर उन्हें दे दिया करते थे। उन्हें छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग का सचिव भी बनाया गया था।

अपने सहज सरल हँसमुख व्यवहार के कारण वे कवियों के बीच काफी लोकप्रिय थे। अपनी हास्य व्यंग्य कविताओं के कारण वे छत्तीसगढ़ में तो काफी लोकप्रिय थे ही, बाहर भी उन्हें खूब बुलाया और सुना जाता था। उनके अनेक वीडियो यूट्यूब पर उपलब्ध है। कुछ तो खूब वायरल भी हुए। अब अपने चुटकुलों को छत्तीसगढ़ी में बहुत सुंदर ढंग से रूपांतरित करके सुनाया करते थे। छत्तीसगढ़ में होने वाले कवि सम्मेलनों की अनिवार्यता थे सुरेन्द्र दुबे। सुरेंद्र दुबे की कविताओं का असर उनकी पत्नी शशि दुबे पर भी होने लगा और धीरे-धीरे वह भी हास्य कविताएं करने लगी। टीवी के किसी चैनल पर पति पत्नी दोनों ने हास्य कविताएं प्रस्तुत करके वाहवाही बंटोरी थी।

छत्तीसगढ़ में अखिल भारतीय स्तर पर होने वाले हास्य कवि सम्मेलनों में अगर सुरेंद्र दुबे न हों तो लोग निराश हो जाते थे। मैं अपनी कविताओं से लोगों को हँसा हँसा कर लोटपोट कर देते थे। सरकार किसी भी पार्टी की रही हो, सुरेंद्र दुबे सदाबहार रहते थे और सब के चहेते बने रहते थे। चाहे कांग्रेस हो या बीजेपी, सभी दल के लोग उनके मुरीद थे। हालांकि जीवन के अंतिम काल में वह भाजपा के कट्टर समर्थक हो गए थे।

8 जनवरी 1953 को बेमेतरा में जन्मे डॉक्टर दुबे को साहित्य सृजन विरासत में मिला। उनके पिता गर्जन सिंह दुबे अपने समय के महत्वपूर्ण कवि थे। इन पंक्तियों के लेखक का सौभाग्य है कि आज से तीन दशक पहले उनकी एक काव्य कृति का विमोचन मैंने भी किया था।

डॉ दुबे जितनी अच्छी छत्तीसगढ़ी लिखते थे, उतनी ही सुंदर हिंदी कविताएं भी लिखा करते थे। ये हास्य प्रधान हुआ करती थी, लेकिन अंतर धार में कहीं-कहीं व्यंग्य भी होता था। मंच पर एक अलग सुरेंद्र दुबे दिखाई देते थे, लेकिन मंच से परे एक और दूसरे सुरेंद्र दुबे हमें दिखाई देते थे। जिसके भीतर एक गंभीर साहित्यकार छिपा हुआ था। विभिन्न अखबारों में उनकी व्यंग्यात्मक कविताएं इस बात की तस्दीक करती थी कि वह केवल मंचीय कवि नहीं है, वह साहित्य की गहरी समझ वाले एक अच्छे कवि थे। कवि सम्मेलन उनका एक व्यावसायिक पहलू था लेकिन गंभीर कविता लिखना उनके भीतर के साहित्यिक व्यक्तित्व को दर्शाता था। उनके सबसे बड़ी विशेषता यह भी थी कि वह आत्म व्यंग्य भी करते थे। अपने श्यामल रंग को लेकर वे खुद को ब्लैक टाइगर कहते थे। उनकी कविता है 'टाइगर अभी जिंदा है' मंच पर मस्ती के साथ सुनाते थे। बहरहाल, हिंदी मंच का एक दुलारा अंतरराष्ट्रीय हास्य कवि अचानक हमसे रूठ कर बहुत दूर चला। यह हिंदी कवि सम्मेलन और छत्तीसगढ़ की भी बड़ी क्षति है। इसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं हो सकेगी।

चलते-चलते एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि हमारे समाज में तथाकथित ऐसे बुद्धिजीवियों की भी कमी नहीं है, जिन्होंने सुरेंद्र दुबे जी की मृत्यु के दूसरे दिन से ही उनकी रचनात्मकता को लेकर आरोप लगाना शुरू कर दिया कि वह कवि ही नहीं थे। उनका जवाब मैंने दिया कि कविता का अर्थ है सिर्फ गंभीर चिंतन नहीं होता, कविता लोगों का मनोरंजन भी कर सकती है। उनके होठों पर मुस्कान भी ला सकती है। कवि सम्मेलनों के मंच से अनेक कवि हास्य कविताएं सुना कर लोगों को प्रफुल्लित करते रहे। यह भी एक कला है। और डॉक्टर सुरेन्द्र दुबे अपनी रचनाओं के माध्यम से यही कर रहे थे। लोगों को हँसा रहे थे। और हँसाना कोई गुनाह नहीं है। लेकिन जड़ बुद्धि से ग्रस्त छदम बुद्धिजीवियों को कोई नहीं समझा सकता। यह विरोध करते-करते कब मानवता के विरुद्ध हो जाते हैं, राष्ट्र के विरुद्ध हो जाते हैं, कहा नहीं जा सकता।

अंतत: डॉ सुरेन्द्र दुबे उनको शत-शत नमन।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

वेंकटेश्वरा में 'दीक्षारम्भ नियोफेस्ट-2025' का आयोजन

वेंकटेश्वरा का स्कूल ऑफ नर्सिंग 'सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस', नयी शिक्षा नीति में युवाओं के लिए ढेरो सम्भावनाऐं, लेकिन नर्सिंग दुनिया का सबसे पुनीत एवं मानवीय क्षेत्रः सुधीर गिरि

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न रंगारग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर ''दीक्षारम्भ नियोफेस्ट-2025'' में नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए ओरिन्टेशन प्रोग्राम ''दीक्षारम्भ नियोफेस्ट-2025'' का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान प्रबन्धन एवं प्रशासन ने नवागुन्तक नर्सिंग छात्र-छात्राओ को स्वागत करते हुए उन्हे अपने अन्तर्राष्ट्रीय डिमाण्ड के अनुरूप तैयार करने की शपथ दिलाते हुए देश सेवा में जुड़ने का आवह्वान किया। इस अवसर पर पुराने छात्र-छात्राओ ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर समारोह को यादगार बना दिया।

समूह चेयरमैन सुधीर गिरि ने सभी नवप्रवेशित नर्सिंग छात्र-छात्राओ को नये सुनहरे भविष्य की शुभकामनाऐं देते हुए उनसे शत-प्रतिशत देते हुए देश सेवा में जुड़ने का आवह्वान किया। वेंक्टेश्वरा संस्थान के टैगौर भवन मं आयोजित ''दीक्षारम्भ नियोफेस्ट-2025'' कार्यक्रम का शुभारम्भ समूह अध्यक्ष सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति डॉ. कृष्ण कान्त दवे, नर्सिंग प्रिंसिपल डॉ. ऐना ऐरिक ब्राउन आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।

अपने सम्बोधन में संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि पूरी दुनिया में भारत की नयी शिक्षा नीति बहुत ही शानदार है, जिसमें सभी क्षेत्रो के युवाओं के लिए ढेरों रोजगार की सम्भावनाऐं निहित है, लेकिन नर्सिंग जैसी पुनीत एवं मानवीय सेवा जैसा कोई दूसरा प्रोफेशन हो ही नहीं सकता। नर्सिंग प्रोफेशनल्स का रोल किसी भी मायने में चिकित्सक से कमतर नहीं है। वेंक्टेश्वरा समूह पिछले एक दशक में विभिन्न क्षेत्रो में हजारो स्किल्ड नर्सिंग प्रोफेशनल्स तैयार कर चुका है। ये बडे. गौरव की बात है कि संस्थान के नर्सिंग प्रोफेशनल्स युवा आज देश एवं दुनिया के विभिन्न हॉस्पीटल/स्वास्थ्य संस्थानो में कार्य कर रहे है। लेकिन बदलते परिवेश में हमे युवाओं की नयी शिक्षा नीति के अनुरूप राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित करना होगा ताकि ये युवा राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय मंचो पर अपनी प्रभावी उपस्थित दर्ज कर सके।

प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय युवाओं ने विशेष रूप से नर्सिंग/पैरामेडिकल एवं मेडिकल्स प्रोफेशनल्स ने शानदार तरीके से काम करके भारत का गौरव बढाने का काम किया है।

हम अपने यहां प्रवेशित नर्सिंग छात्र-छात्राओ को एक सफल एवं सुरक्षित कैरियर देने के लिए प्रतिबद्ध है। ''दीक्षारम्भ नियोफेस्ट-2025'' कार्यक्रम को कुलपति डॉ. कृष्ण कान्त दवे, कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डेय, डॉ. ऐना ऐरिक ब्राउन ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर डॉ. दर्पण कौशिक, डॉ. नीतू पवांर, डॉ. ओमप्रकाश गोसाई, डॉ. सुमन कश्यप, डॉ. मंजरी राणा, पूजा ऐरी, नीमा, अनुषा कर्णवाल, स्मिता चंद्रा, हुमा कौशर, निशा, हिमानी गरजोला, तहसीर आलम, शुऐब रजा, जुबैर आलम, अखिल कुमार, अनुज कुमार शर्मा, मेरठ परिसर से निदेशक डॉक्टर प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

सेना एवं अर्धसैनिक बलों में नेचुरोपैथी डॉक्टर्स की नियुक्ति करें

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉलिस्टिक हेल्थ (NIH) के चेयरमैन डॉ.विनोद कश्यप ने भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ से विशेष मुलाकात में नेचुरोपैथी के बी. एन. वाई. एस. चिकित्सकों को सेना एवं सुरक्षाबलों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए सेना के हॉस्पिटल एवं उपयुक्त स्थानों पर नियुक्त करने का निवेदन किया!

डॉ.कश्यप ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के प्रबल समर्थक हैं ओर वे चाहते हैं उत्तम स्वास्थ्य के लिए भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने से दुष्प्रभाव रहित उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है! माननीय मंत्री जी ने भेंटवार्ता में NIH के सुझाव के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वे स्वयं नैचुरोपैथी के प्रबल समर्थक हैं और इसे अपने दैनिक जीवन में शत-प्रतिशत अपनाते हैं! उन्होंने कहा कि नेचरोपैथी के डॉक्टर्स को सेना व अर्ध सैनिक बलों में भर्ती करने से उन्हें भी प्रसन्नता होगी ओर हमारे सैनिकों का स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा! विशेष मीटिंग में कश्मीर से पधारे श्री जुल्फकार एवं श्री इमरान भी उपस्थित रहे!

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर नमो भारत की बढ़ाई गई फ्रीक्वेंसी

अब 15 के बजाय 10 मिनट में मिलेगी ट्रेन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सावन के पावन महीने में बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरिद्वार से कांवड़ लाने के लिए यात्रा करते हैं। दिल्ली-मेरठ और आसपास से बड़े स्तर पर श्रद्धालु कांवड़ लाते हैं। इस बार 11 जुलाई, शुक्रवार से सावन महीने की शुरूआत हो रही है। ऐसे में यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एनसीआरटीसी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम) ने नमो भारत की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने का फैसला किया है। 11 जुलाई से न्यू अशोक नगर और मेरठ साउथ के बीच परिचालित कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन की फ्रीक्वेंसी बढ़ा दी गई है। कांवड़ यात्रा के दौरान नमो भारत ट्रेन 15 मिनट के बजाय 10 मिनट के अंतराल पर चलेगी। ये सुविधा सुबह 8 से 11 बजे तक और शाम को 5 बजे से 8 बजे के लिए यात्रियों को मिलेगी। ये सेमी हाई स्पीड ट्रेन फिलहाल 11 स्टेशनों के बीच 55 किलोमीटर के सेक्शन पर दौड़ रही है,

जिसकी राइड्स का आंकड़ा 1.25 करोड़ के भी पार पहुंच गया है। कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली से लेकर हरिद्वार तक सड़कों पर वाहनों का दबाव भी काफी बढ़ जाता है। भारी वाहनों और बसों का मेरठ में प्रवेश भी कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाता है। ऐसे में नमो भारत की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने से मेरठ और आसपास के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। ऐसी आशा है कि मेरठ और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग कांवड़ यात्रा के दौरान इस ट्रेन की सुविधा का लाभ उठाएंगे। मेरठ में इस समय नमो भारत और मेरठ मेट्रो से जुड़े कार्य भी प्रगति पर हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उनके हरसंभव सहयोग के लिए एनसीआरटीसी सभी जरूरी कदम उठा रहा है। मेरठ में साइट्स व स्टेशनों को सुरक्षित बनाए रखने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। यातायात प्रबंधन के तहत प्रमुख स्थलों पर एनसीआरटीसी की ओर से ट्रैफिक मार्शल तैनात किए जा रहे हैं। सभी स्टेशनों और उनके आसपास पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था है। नमो भारत अलाइनमेंट से गुजरने वाली सड़कों पर गड्ढों और क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कर दी गई है और शेष कार्य को भी पूरा किया जा रहा है। इस दौरान सड़कों पर निर्माण गतिविधि नहीं की जाएगी, विशेषकर भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में। स्टेशन के पास या साइट के आसपास वाहन पार्क नहीं किए जाएंगे। एनसीआरटीसी हरसंभव तरीके से स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर श्रद्धालुओं के सहयोग और सुरक्षा के लिए प्रयासरत है।

गुरुकुल में शुरू हुई शास्त्र प्रशिक्षण कार्यशाला

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

अमरोहा। श्रीमद्दयानन्द कन्या गुरुकुल महाविद्यालय चोटीपुरा, अमरोहा में व्याकरण कार्यशाला का प्रारम्भ किया जा रहा है। यह कार्यशाला तीन सप्ताह 7 - 28 जुलाई तक सम्पन्न होगी। भारत सरकार की अष्टादशी परियोजना के अंतर्गत प्रारम्भ इस राष्ट्रीय कार्यशाला का आज 7 जुलाई को शुभारम्भ हो दया है।

कार्यशाला में संस्कृत व्याकरण की अथाह विषयवस्तु को प्रस्तुत करने के लिए मुख्य प्रवक्ता के रूप में पाणिनीय शोध संस्थान , बिलासपुर, छत्तीसगढ़ की अध्यक्षा माननीया डॉ. पुष्पा दीक्षित जी उपस्थित रहेंगी, जो अपनी विशिष्ट शिक्षण पद्धति 'पौष्पी प्रक्रिया' के आविष्कार हेतु जानी जाती हैं।यही पौष्पी प्रक्रिया इस कार्यशाला का मुख्य पाठ्य विषय रहेगा।

साथ ही सात दिवसीय योगसूत्र कार्यशाला का आयोजन भी 7-13 जुलाई तक किया जा रहा है। महर्षि पतञ्जलि मुनि के योगसूत्रों की विशिष्ट व्याख्या को प्रस्तुत करने के लिए हिन्दू अध्ययन केन्द्र (दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली) के निदेशक प्रो ओमनाथ बिमली जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे ।

7 जुलाई को प्रातः विभिन्न संस्थाओं से आए हुए विशिष्ट विशेषज्ञों की उपस्थिति में कार्यशाला का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। छात्राओं द्वारा संस्कृत व्याकरण को विषय बनाकर प्रस्तुत किया गया नाटक विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस समारोह में मुख्य अध्यक्ष के रूप में प्रो. मदनमोहन झा जी (छात्रकल्याण अधिष्ठाता, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली), मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. ब्रजभूषण ओझा जी (काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी), विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. वाचस्पति मिश्र जी (चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय, मेरठ), डॉ. अमृता कौर जी (प्रभारी टडडूर, छटर छात्रकल्याण विभाग, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली), उक्र्डर अमरोहा प्रवेश कुमार यादव जी, आचार्य नरेंद्र जी (हैदराबाद) आचार्य कुशलदेव जी (गुरुकुल ततारपुर) उपस्थित रहे।

डॉ. पुष्पा दीक्षित जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश की दुर्दशा के दो मुख्य कारण हैं सहशिक्षा और अंग्रेजी शिक्षा, किन्तु आचार्या डॉ. सुमेधा जी ने इससे विपरीत दिशा में कार्य कर देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रो ओमनाथ बिमली जी ने शास्त्रों का महत्व प्रतिपादित करते हुए कहा कि शास्त्र हमें विधि (करणीय) एवं निषेध (अकरणीय) का बोध कराते हैं। ये हमारी वाणी तथा मन को अनुशासित करते हैं ।इसलिए इनका नाम शास्त्र है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. मदनमोहन झा जी ने कहा कि यह संस्था केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली से संबद्ध है, इसमें हम गौरव का अनुभव करते हैं। इसलिए इस संस्था का अंग होने के नाते मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। गुरुकुल की शिक्षिका डॉ सविता जी के उत्तम संचालन में यह सभा सम्पन्न हुई।

अंत में गुरुकुल की प्राचार्या डॉ. सुमेधा जी ने सभा में उपस्थित सभी महानुभावों का धन्यवाद ज्ञापन कर इस समारोह का समापन किया।

गुणवत्तापरक एवं पारदर्शी गन्ना सर्वेक्षण ही विभाग का संकल्पः गन्ना आयुक्त

प्रदेश के आयुक्त गन्ना एवं चीनी ने मेरठ परिक्षेत्र के जनपद बुलन्दशहर में की सर्वे कार्यो की समीक्षा तथा स्थलीय निरीक्षण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। गन्ना कृषकों के हितों की सुरक्षा एवं गन्ना सर्वेक्षण कार्य की शुद्वता और पारदर्शिता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश के गन्ना आयुक्त श्री प्रमोद कुमार उपाध्याय द्वारा प्रदेश स्तर पर व्यापक निरीक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। गन्ना विभाग की यह पहल प्रदेश में गन्ना सर्वेक्षण कार्य को पूर्णतः पारदर्शी, त्रुटि रहित एवं समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी अभियान के क्रम में गन्ना आयुक्त द्वारा आज मेरठ परिक्षेत्र के अन्तर्गत स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त बुलन्दशहर जनपद की त्रिवेणी इन्जीनियरिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज लि0, शुगर यूनिट साबितगढ, के सभागार में समीक्षा बैठक भी आयोजित की गयी।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान गन्ना आयुक्त द्वारा बुलन्दशहर जनपद के ग्राम जाहिदपुर में गन्ना कृषक श्री बलबीर सिंह के गन्ना खेतों पर भ्रमण कर गन्ना किस्म सी.ओ. 15023, के बसन्तकालीन पौधा व प्रजाति प्रदर्शन प्लाट जिसमें सी.ओ. 17018, सी.ओ. 16030 एवं सी.ओ. 0238 का शरदकालीन पौधा का निरीक्षण किया तथा कृषक द्वारा पेडी गन्ने के विलोपित प्लाट का सत्यापन भी किया गया। ग्राम सारंगपुर के कृषक श्री जयवीर सिंह सी.ओ. 0118 बसन्तकालीन पौधा एवं ग्राम किसवागढी के कृषक श्री विनोद के सी.ओ. 0118 का पेडी का प्रर्दशन प्लाट का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के समय गन्ना आयुक्त द्वारा किसानों से गन्ना खेती से जुडे उनके अनुभव भी साझा किये तथा चीनी मिल एवं विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के सम्बन्ध में उनका फीडबैक भी लिया। गन्ना आयुक्त द्वारा किसानो को नवीन उन्नत गन्ना किस्मों एवं गन्ना कृषि की आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित भी किया गया। क्षेत्र के गन्ना किसानों ने गन्ना आयुक्त को अपने खेतों पर देखकर खुशी जाहिर की तथा उन्हें बताया कि चीनी मिल एवं विभाग का किसानों को पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है।

त्रिवेणी चीनी मिल के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में गन्ना आयुक्त द्वारा पेराई सत्र 2024-25 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान में शिथिलता बरतने वाली चीनी मिलों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि बकाया गन्ना मूल्य भुगतान में शिथिलता न बरतें तथा तत्काल शत-प्रतिशत भुगतान पूर्ण करायें। पेडी प्लाटों के डिलीशन कार्यो की समीक्षा कर निर्देश दिये कि डिलीशन से पूर्व अधिकारी इसे क्रॉस चेक अवश्य कर लें। गन्ना आयुक्त द्वारा चीनी मिलों द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों डेडीकेटिड एकाउन्ट से विकास कार्यों पर किये गये व्यय की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। गन्ना आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक फील्ड विजिट के दौरान निरीक्षण पोर्टल पर सैल्फी/फोटोग्राफ अनिवार्य रूप से अपलोड करें तथा अपने परिक्षेत्र एवं जिले के अन्तर्गत अधीनस्थ कार्मिकों की भी पोर्टल पर समीक्षा करें।

आगामी पेराई सत्र से पूर्व मिलों के रिपेयर मेन्टीनेंस आदि की भी समीक्षा कर निर्देशित किया गया कि सितम्बर माह के अन्त तक सभी कार्य पूर्ण कर लिए जायें। गन्ना आयुक्त, द्वारा समीक्षा बैठक में आगामी पेराई सत्र 2025-26 की तैयारियों का जायजा लेते हुए परिक्षेत्र के समस्त जनपदों के अन्तर्गत सर्वे सटट्ा प्रदर्शन कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा भी की, और समीक्षा बैठक में उपस्थित चीनी मिलों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि सर्वे से प्राप्त अन्तिम आंकड़ो के आधार पर 63 कॉलम सूची का ग्रामवार प्रदर्शन कार्यक्रम की तैयारी भी समय से पूर्ण कर लें। बैठक के दौरान उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी अधिकारी एवं कार्मिक फील्ड विजिट के दौरान गन्ना कृषकों से संवाद स्थापित कर उनके सुझाव लेते रहें एवं विभागीय बैठकों के दौरान चर्चा कर ई.आर.पी. पर आवश्यक संशोधन हेतु मुख्यालय को अवगत करायें।

समीक्षा बैठक के उपरान्त गन्ना आयुक्त द्वारा बुलन्दशहर जनपद के ग्राम एतमादपुर के गन्ना किसान श्री राकेश सिरोही के प्लाटों का भी निरीक्षण किया गया श्री सिरोही द्वारा एकल एवं दोहरी पंक्ति में ट्रंच विधि द्वारा कोलख 16202, 9709, कोशा. 18231 गन्ना किस्मों की बुवाई की गयी है। ग्राम एतमादपुर के किसान श्री जितेन्द्र सिंह की बसन्तकालीन आधार पौधशाला का निरीक्षण भी किया गया किसान द्वारा गन्ना प्रजाति कोशा. 13235 लगाई गई है।

आज आयोजित समीक्षा बैठक में परिक्षेत्र के उप गन्ना आयुक्त श्री राजीव राय, उप चीनी आयुक्त, मेरठ, जिला गन्ना अधिकारी, बुलन्दशहर, मेरठ/हापुड, मथुरा, अलीगढ/हाथरस व सहायक चीनी आयुक्त मेरठ, अलीगढ एवं सम्भागीय विख्यापन अधिकारी तथा समस्त ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति एवं जनपद बुलन्दशहर की समस्त चीनी मिलों के प्रतिनिधि तथा अन्य फील्ड स्टाफ उपस्थित रहे।

यज्ञ हमें सुपथ पर चलने की प्रेरणा देता हैः कृष्णावतार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गजियाबाद। प्रवासी नारंगपुर परिवार द्वारा ग्रामवासी परिवारों के कल्याण की कामना के लिए यज्ञ का आयोजन किया गया। यजमान श्री अनुज त्यागी सुपुत्र श्री शिवराज त्यागी जी सपत्नीक रहे और बहुत श्रद्धा से वेदमन्त्रों के साथ आहुति प्रदान करते हुए यज्ञ संपन्न हुआ, प्रवासी परिवारों के कल्याण,शुभता की प्रार्थना की और यश सुपुत्र अनुज त्यागी के जन्मदिन पर सभी ने दीघार्युष्य की प्रार्थना की और शुभकामनाएं प्रदान कीं।

इस अवसर पर डॉ. कृष्णावतार त्यागी ने कहाकि श्रावण मास साधना का पर्व है। जिसमें कांवडिए गंगा जल लेकर अपने शिवालयों में जल चढाते हैं, जो निस्वार्थता का प्रतीक है, यज्ञ भी साधना का एक रूप है जो हमें साधता है,सुपथ पर चलने की प्रेरणा देता है,यज्ञ हमारे विचारों को ही नहीं,अपितु हमारे परिवेश का भी शोधन करता है इसलिए हमें यज्ञ और यज्ञ के लक्ष्य परोपकार को बनाए रखने के लिए सतत प्रयास करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रवासी नारंगपुर परिवार के साथ सामाजिक सरोकारों को केंद्र में रखकर सक्रियता से कार्य करने की आवश्यकता है इसलिए सभी को इस मिशन भाव को सक्रिय बनाने में योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर प्रवासी परिवार से डॉ योगेश त्यागी, गजेंद्र त्यागी, कृष्णावतार त्यागी, डॉ योगेश त्यागी, सतीश त्यागी, जोनी, पिंटू, दीपक, सुमित, श्रीओम , श्रीसेवक, अश्विनी त्यागी, विशाल, अंकित, जगपाल, चानू, यश त्यागी, अनंत त्यागी, अक्ष त्यागी सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

बागपत में 'एक पेड़ मां के नाम' द्वितीय चरण के अंतर्गत वृक्षारोपण का आयोजन

नोडल अधिकारी ने आम का पौधा लगाकर किया अभियान का शुभारंभ

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत बुधवार को जनपद में पुलिस लाइन परिसर में जिला स्तरीय वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राज्यमंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास तथा जिले के प्रभारी मंत्री जसवंत सिंह सैनी और शासन द्वारा नामित प्रमुख सचिव, आयुष एवं खाद्य सुरक्षा तथा औषधि प्रशासन विभाग एवं जनपद नोडल अधिकारी रंजन कुमार की उपस्थिति में जिलेभर में वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत हुई, जिसमें सभी ग्राम पंचायतों और नगरों में नागरिकों की सहभागिता से वृहद स्तर पर वृक्षारोपण हुआ। इस दौरान पुलिस लाइन परिसर में प्रभारी मंत्री, नोडल अधिकारी, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश का वृक्षारोपण लक्ष्य इस चरण में 37 करोड़ है और जनपद का लक्ष्य 15 लाख 1हजार 10पौधों का है। सभी विभागों द्वारा अपने लक्ष्य के सापेक्ष जनपद में जन आंदोलन के रूप में वृक्षारोपण किया जा रहा है।

कार्यक्रम में राज्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने कहा कि, 'प्रदेश में 2017 से अब तक वन क्षेत्र में 4% की वृद्धि दर्ज की गई है। आज उत्तर प्रदेश की लगभग 5 लाख एकड़ भूमि पर वृक्षारोपण हो चुका है। वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह जल संरक्षण, कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषण, पर्यावरण संतुलन, छाया, फल, औषधीय गुण एवं भवन निर्माण सामग्री के प्रमुख स्रोत हैं। वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करें। हर व्यक्ति को कम से कम 5 पौधे लगाने के संकल्प के साथ आगे आना चाहिए ताकि उत्तर प्रदेश में हरित क्रांति लाई जा सके।

प्रमुख सचिव, आयुष एवं खाद्य सुरक्षा तथा औषधि प्रशासन विभाग एवं जनपद नोडल अधिकारी रंजन कुमार ने बताया कि, 'बागपत जिले में पूर्व में भी वृक्षारोपण कार्य प्रभावी रूप से हुए हैं। इस बार कॉपरनिकस सैटेलाइट (यूरोपीय स्पेस एजेंसी) के डेटा एवं इंडेक्स का उपयोग कर प्लानिंग की गई है, जिससे रोपण की प्रभावशीलता और निगरानी में तकनीकी सुदृढ़ता आएगी। जनपद में लगभग 37 लाख पौधे रोपित करने की योजना है।

किसानों की खेतों की मेड़ पर भी पौधे लगाने की रणनीति बनाई गई है।' उन्होंने कहा कि पौधारोपण के माध्यम से कार्बन क्रेडिट सृजित कर किसानों के लिए राजस्व अर्जन के अवसर भी खोले जा सकते हैं। इसके लिए कृषि विभाग और वन विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि पड़ती जमीनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए, जिससे प्रदेश का वन क्षेत्र प्रतिशत वर्तमान से बढ़कर राष्ट्रीय औसत (33%) के करीब पहुंचे।

सैटेलाइट सर्वे से होगी मॉनिटरिंग

नोडल अधिकारी ने बताया कि इस अभियान की निगरानी ओपन सोर्स सैटेलाइट इमेजिंग से की जाएगी। इससे प्रत्येक क्षेत्र में पौधों की संख्या, वृद्धि एवं जीवित रहने की दर का आकलन संभव होगा।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया कि पुलिस लाइन परिसर सहित नगर पंचायत क्षेत्रों में फलदार, औषधीय एवं छायादार पौधों का चयनित रोपण किया गया है। सभी विभागाध्यक्ष, स्वयंसेवी संस्थाएं, ग्राम प्रधान एवं युवा संगठन भी इस महाअभियान में योगदान दे रहे हैं। अभियान का उद्देश्य केवल रोपण तक सीमित न होकर पौधों की देखरेख, सिंचाई, सुरक्षा, ट्री गार्ड की व्यवस्था और दीर्घकालीन निगरानी सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हरित प्रदेश के निर्माण हेतु यह अभियान मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है।

पक्का घाट पर भी हुआ पौधारोपण

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने पक्का घाट पर सहजन का पौधा लगाया एवं अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के द्वितीय चरण के तहत यमुना पक्का घाट पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

'एक पेड़ मां के नाम' की अवधारणा

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित न होकर मां के प्रति श्रद्धा, परिवार के प्रति उत्तरदायित्व और धरती मां के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक बन गया है। पौधे को मां के नाम समर्पित करने से नागरिकों में आत्मीयता, लगाव और संरक्षण का भाव विकसित हो रहा है, जो किसी भी नीति को जनआंदोलन में बदलने का वास्तविक मंत्र है।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने मौसमी का पौधा लगाया , पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने आम का पौधा लगाया , मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा सहित सभी विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि और स्कूली बच्चों ने भाग लेकर पौधारोपण किया। सभी ने 'एक पेड़ मां के नाम' को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया, ताकि उत्तर प्रदेश हरित आच्छादन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन सके।

जिलाधिकारी ने किया परशुरामेश्वर पुरा महादेव मंदिर का निरीक्षण, लिया व्यवस्थाओं का जायजा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने गुरुवार को परशुरामेश्वर पुरा महादेव मंदिर पहुंचकर श्रावण मास की शिवरात्रि पर आयोजित होने वाले ऐतिहासिक मेले एवं कांवड़ यात्रियों की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधाओं, साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा तथा यातायात प्रबंधन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रियों और मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा, उप जिलाधिकारी बागपत मेला मजिस्ट्रेट भावना सिंह आदि उपस्थित रहे।

शहद उत्पादन कर अपनी आय में वृद्धि करें किसान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बड़ौत (बागपत)। राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज) हैदराबाद एवं राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड की योजना के अंतर्गत 'जय बजरंग प्रतिष्ठान' में तीसरा बैच 'वैज्ञानिक मधु मक्खी पालन' पर सात दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रो. विरेंद्र प्रताप सिंह प्रधानाचार्य जनता वैदिक कॉलिज, बडौत एवं अतिथि राजीव बालियान, चेयरमैन जीत खादी ग्राम उद्योग सोसाइटी ध्वज बालियान, चेयरमैन किसान विकास उद्योग संस्थान आदि के द्वारा किया गया।

प्रो. विरेंद्र प्रताप सिंह ने संस्थान के कोऑर्डिनेटर का धन्यवाद किया और सभी 25 अभ्यार्थियों को मधु मक्खी व्यवसाय के बारे में जागरूक किया। वैज्ञानिक मधुमखी पालन के लाभ के बारे में बताया और कहा शहद के उत्पादन से किसानो की अतिरिक्त आय बढती है। श्री बालियान द्वारा मधुमक्खीयो की प्रजाती के बारे में बताया गया और कहा एपिसमेलिफेरा मधुमक्खी पालतु होती है और ज्यादा शहद का उत्पादन करती है।

कार्यक्रम में प्रियंका इनानिया, जुही, असवनी, आरोहित पटेल, आकाश शहरावत आदि 25 अभ्यार्थी ने भाग लिया। प्रोग्राम के कोऑर्डिनेटर जे. के. श्योराण ने मुख्य अतिथि एवं सभी अभ्यार्थियों का स्वागत एवं धन्यवाद किया।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक अस्पताल में भर्ती, स्वास्थ्य में सुधार, अफवाहों का किया खंडन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। मूल रूप से जनपद में हिसावदा गांव के रहने वाले व पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को स्वास्थ्य संबंधी जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और पहले से बेहतर है।

जम्मू कश्मीर, बिहार, मेघालय, गोवा आदि प्रदेशों के गर्वनर रहे सत्यपाल मलिक मूल रूप से बागपत के हिसावदा के रहने वाले है। इन दिनों बीमार चल रहे है और अस्पताल में भर्ती है।

सोशल मीडिया पर उनके स्वास्थ्य को लेकर कई भ्रामक खबरें प्रसारित की जा रही थीं, जिनका खंडन करते हुए उनके निजी सचिव कंवर राणा ने स्पष्ट किया है कि सत्यपाल मलिक की तबीयत में लगातार सुधार हो रहा है।

किसी भी प्रकार की नकारात्मक या अफवाहपूर्ण जानकारी पर ध्यान न दें। सचिव ने आमजन से आग्रह किया है कि वे सिर्फ अधिकृत सूत्रों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें।

अमृत सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में चला वृक्षारोपण अभियान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। आज अमृत सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में चला वृक्षारोपण कार्यक्रम आज पुनः एक पेड़ माँ के नाम पर लगाते हुए सम्पन्न हुआ। लिलि ,गुलाब,गुड़हल, सुदर्शन के पौधे लगाए बाल्मीकि शमशान भूमि पर। पूर्व के वृक्षारोपण का निरीक्षण किया गौशाला में। वृक्षारोपण में अभूतपूर्व योगदान करने के लिए अरुण ढिलौर,राजकुमार प्रजापति, गुलजार अहमद को सम्मान पत्र देते हुए पुष्प वर्षा करते हुए सम्मानित किया। हमें गणना नहीं गुणवत्ता अपेक्षित है। चूँकि इनको भी भूख प्यास लगती है अतः उनकी देखभाल मासूम बच्चे की तरह करनी होती है। पत्ता पत्ता पुलकित करता है।जीवन के जीवन्त साधन हैं। समृद्धि के साधन हैं, रोगी की औषधि है तो भूखे के भोजन है। सर्दी गर्मी बरसात में मनुष्य के मित्र हैं। सभी का अभिनन्दन करते हुए गरिमामयी उपस्थिति डाक्टर उपेन्द्र कुमार आर्य, डॉक्टर ब्रम्हपाल सिंह, डॉक्टर राज कुमार प्रजापति, अरुण ढिलौर, विक्की,संदीप, रंजीत तथा डाक्टर अनिला सिंह आर्य आदि की रही।

मातृत्व सुरक्षा दिवस पर 110 महिलाओं की जांच कर दिया उपचार

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकडा (बागपत)। सीएचसी पर प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा दिवस पर 110 गर्भवती महिलाओ के स्वास्थ्य की जांच की गई। इनमें 15 महिलाएं हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के अंतर्गत चिंहित कर उपचार दिया। साथ ही गर्भकाल मे सुरक्षित रहने की जानकारी दी। सीएचसी पर प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा दिवस का शुभारम्भ अधीक्षक डा. ताहिर ने किया। शिविर में डा. समोला और डा. साजिया की टीम ने गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान अच्छा आहार लेने के फायदों की जानकारी दी। चिंहित 15 एचआरपी गर्भवतियो को आयरन की खुराक के अलावा कई अन्य सावधानी बरतने की सलाह दी गई। स्टाफ आरिफा तबस्सुम, फार्मासिस्ट संजय शर्मा आदि ने सहयोग दिया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रमाला में झोलाछाप का उठवाया झोला

बागपत। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रमाला में कार्रवाई करते हुए एक झोलाछाप कथित डाक्टर पर कार्रवाई करते हुए उसका क्लीनिक बंद करा दिया। उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

बिना किसी वैद्य डिग्री के क्लीनिक खोलकर आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड करने की शिकायतों पर बुधवार को स्वास्थ्य विभाग ने रमाला में कार्रवाई की। यहां एक कथित झोलाछाप का क्लीनिक बंद करा दिया।

विभाग के जिला नोडल अधिकारी डा. मसूद अनवर ने बताया कि आरोपी साकिब कांधला का रहने वाला है और रमाला में लम्बे समय से क्लीनिक चला रहा था। उसके खिलाफ थाना रमाला में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया गया है। डा. मसूद अनवर ने बताया कि आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड नही होने दिया जाएगा।

गुरु पूर्णिमा उत्सवः भाजपा नेताओं ने मठ-मंदिरों में लिया साधु-संतों से आशीर्वाद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। गुरु पूर्णिमा पर्व पर भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने शिक्षा, खेल, धर्म, समाज सेवा एवं अन्य क्षेत्रों में सक्रिय गुरुजनों का उनके निवास, संस्थान व मन्दिरों में जाकर सम्मान किया। साथ ही उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

भाजपा के प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी डॉ चन्द्रमोहन ने पुरा महादेव मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना के बाद मन्दिर के मुख्य पुजारी पंडित जय भगवान शर्मा का स्वागत करते हुए उन्हें भेंट स्वरूप शॉल देकर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि पहला गुरु मां होती है। उसके बाद शिक्षा देने वाला और धर्म के मार्ग बताने वाला भी गुरु होता है। इनका सम्मान करना सभी का धर्म है। उन्होंने कहा कि साधु संतों की सेवा करने से पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने समाज के सभी वर्गों के विकास और देश व प्रदेश के गौरव के उत्थान के लिए कार्य किया है। उन्होंने कहा कि समाज के जागरण में धार्मिक आध्यात्मिक संस्थानों की अहम भूमिका रही है।

इस दौरान बालैनी मार्ग पर स्थित भगवान परशुराम मंदिर के प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भाजपाइयों ने चन्दन, अमरूद, सुख शान्ति, पत्थरबैल के पेड़ भी लगाये। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष व जिला अभियान संयोजक अनिल तोमर, जिला मीडिया प्रभारी पवन शर्मा, युवा मोर्चा के जिला मंत्री मनोज कश्यप, पण्डित राधेश्याम कौशिक, विजयपाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

योगी सरकार में अपराधी भयभीतः लक्ष्मीनारायण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। बड़ागांव के अद्वैत तपस्वी आश्रम में गुरू पूर्णिमा कार्यक्रम में प्रदेश के डेयरी विकास, पशुपालन, मत्स्य पालन मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि योगी सरकार में अपराधी भयभीत है। अपराध का ग्राफ गिरा है।

प्रदेश के डेयरी विकास, पशुपालन, मत्स्य पालन मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी बडागांव के अद्वैत तपस्वी आश्रम से 20 साल से अधिक समय से जुडे है। यहां के महंत विद्यानंद महाराज को वे अपना गुरू मानते है और प्रतिवर्ष गुरू पूर्णिमा पर आते है। गुरूवार को वे सपरिवार आश्रम पहुंचे। गुरू पूजा कर आशीर्वाद लिया। उन्होने कहा कि योगी सरकार में अपराधी भयभीत है। अपराधों का ग्राफ गिरा है। कही अपराध होते भी है तो एंकाउंटर हो जाते है। इस दौरान बालकानंद महाराज, नगरपालिका चेयरपर्सन नीलम धामा, डा. सुरेन्द्र धामा, सुनील धामा, वीरेन्द्र धामा कुक्कु, राजपाल चौहान, शौकीन, जयवीर सिंह, पहलाद सिंह आदि मौजूद रहे।

बागपत में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- छात्रों की सुरक्षा के लिए सख्ती से लागू होंगे नियम, विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति रहे अलर्ट

बागपत। जिले के छात्रों की सुरक्षित स्कूल यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने की। इसमें विद्यालय परिवहन व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई और सुरक्षा मानकों को लेकर कई ठोस निर्णय लिए गए।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि, 'बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों व वाहन संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। विद्यालयी परिवहन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णयों में यह तय किया गया कि सभी विद्यालयी वाहनों में जीपीएस ट्रैकर, फायर एक्सटिंग्विशर और आपातकालीन निकास द्वार अनिवार्य होंगे। प्रत्येक विद्यालय को निर्देशित किया गया कि वे अपने वाहन चालकों का पुलिस सत्यापन, स्वास्थ्य परीक्षण एवं लाइसेंस की वैधता की जांच अनिवार्य रूप से करवाएं। किसी भी परिस्थिति में अवैध या अयोग्य चालक से वाहन न चलवाया जाए।

इसके अतिरिक्त, सभी स्कूलों में विद्यालय परिवहन सुरक्षा समिति को गठित किया जाएगा जो नियमित रूप से छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करेंगे। अंत में एआरटीओ व यातायात विभाग को निर्देशित किया गया कि वे स्कूल वाहनों की सघन जांच अभियान चलाएं और निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों पर त्वरित कार्रवाई करें। इसके अतिरिक्त परिवहन कार्यालय में इस संबंध में विशेष कैंप लगाने के भी निर्देश दिए।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट कहा कि छात्रों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इस दिशा में किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राघवेंद्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गीता चौधरी ,यातायात पुलिस क्षेत्राधिकारी विजय चौधरी आदि शामिल हुए।

फैज महमूद बने कांग्रेस के गाजियाबाद जिला पर्यवेक्षक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। प्रदेश सरकार के पूर्व सिंचाई मंत्री रहे दिवंगत डॉ. मैहराजुद्दीन अहमद के पुत्र फैज महमूद को कांग्रेस पार्टी द्वारा गाजियाबाद जिला पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इस खबर से न सिर्फ रटौल में, बल्कि आसपास के क्षेत्र में भी खुशी की लहर है।

युवा नेता फैज महमूद लंबे समय से कांग्रेस पार्टी से जुड़े हैं और लगातार संगठन के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं और पार्टी की नीतियों को आम जनमानस तक पहुंचाने में लगे हुए हैं। उनकी इस नियुक्ति पर कांग्रेस के विभिन्न नेताओं एवं कार्यकताओं ने हर्ष व्यक्त किया। बधाई देने वालों में यूथ कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब, मनीष चौधरी, पारस शुक्ला, विनीत कांबोज, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, प्रभारी अविनाश पांडे, चौधरी यशपाल सिंह, सरदार कर्मेंद्र सिंह, एडवोकेट बदर महमूद, जियाउर्रहमान, जिलाध्यक्ष गौरव भाटी, रंजन शर्मा, अविनाश काजला, मोहम्मद इमरान, मोइनुद्दीन पहलवान, नसीम खान, शक्ति सिंह, जीशान सिद्दीकी आदि प्रमुख हैं। सभी ने फैज महमूद को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं और आशा जताई कि वे कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा और दिशा देंगे।

भगवान राम, कृष्ण व शंकर के बिना भारत का पत्ता भी नहीं हिल सकता: सीएम योगी

प्रखर समाजवादी डॉ. लोहिया ने दिया था भारत की एकता के लिए राम, कृष्ण और शंकर की पूजा का तर्क

- डॉ. लोहिया के वर्तमान चेले भले न मानते हों, पर राम विरोधी की दुर्गति होनी ही है: सीएम योगी
- गोरखनाथ मंदिर में आयोजित श्रीरामकथा के विश्राम और गुरु पूर्णिमा महोत्सव में बोले मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर
- आज के समाजवादी रामभक्तों पर चलाते हैं गोली: मुख्यमंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भगवान श्रीराम, प्रभु श्रीकृष्ण और देवाधिदेव महादेव शंकर के बिना भारत का पत्ता भी नहीं हिल सकता है। प्रखर समाजवादी डॉ. राम मनोहर लोहिया भी कहते थे कि भारत में जब तक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लीला पुरुषोत्तम मुरलीधर भगवान श्रीकृष्ण और देवों के देव भगवान शंकर की पूजा होती रहेगी तब तक दुनिया में कोई माई का लाल भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगा।

डॉ. लोहिया के वर्तमान चेले भले ही उनकी बात न मानते हों लेकिन यह बात तय है कि जो राम विरोधी है, उसकी दुर्गति होनी ही है। सीएम योगी गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में विगत 4 जुलाई से चल रही श्रीरामकथा के विश्राम सत्र और गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के चित्र पर पुष्पार्चन करने तथा व्यासपीठ का पूजन करने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीराम कथा और देवी-देवताओं से जुड़ीं अन्य कथाएं भारतीय संस्कार का हिस्सा हैं। उन्होंने रामायण मेलों की शुरूआत करने वाले डॉ. राम मनोहर लोहिया का उल्लेख कर सनातन धर्म पर सवाल उठाने वालों को आईना दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. लोहिया, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर समाजवादी और कांग्रेस के प्रखर विरोधी थे। आजादी के बाद जब भारतीयों की एकजुटता को लेकर कुछ लोगों ने शंका जताई थी तब उन्होंने जवाब दिया था कि राम, कृष्ण और शंकर की पूजा होने तक भारत की एकजुटता का प्रश्न ही खड़ा नहीं होता। प्रखर समाजवादी लोहिया के विचार से इतर आज के समाजवादी रामभक्तों पर गोली चलाते हैं। सीएम ने कहा कि उच्चकुल में पैदा होने के बावजूद मारीच की दुर्गति सबको पता है। उसका जन्म मनुष्य रूप में होता है जबकि पशु रूप में मारा जाता है।

इंसेफेलाइटिस से बचे बच्चे देंगे देश हित में योगदान

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इंसेफेलाइटिस की पूर्व की भयावहता और अब नियंत्रण का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छह साल पूर्व यह समय इंसेफेलाइटिस के कारण भय और आशंका का होता था। चालीस साल में गोरखपुर, कुशीनगर, बस्ती, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर आदि जिलों के पचास हजार से अधिक बच्चों की मौत इस बीमारी के चलते हो गई थी। इस बीमारी का कारण मानव निर्मित गंदगी और अशुद्ध पेयजल थी। 2017 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद जैसे ही हर घर शौचालय की व्यवस्था की गई, शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया गया तो इसका परिणाम रहा कि अगले तीन साल में ही बीमारी नियंत्रित और अब समाप्त हो गई। इंसेफेलाइटिस से बचे बच्चे अब समाज और देश हित में अपनी प्रतिभा, क्षमता और ऊर्जा का योगदान देंगे। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मत्स्य विभाग के मंत्री संजय निषाद, सांसद रविकिशन शुक्ल, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन शक्तिपीठ के महंत मिथिलेशनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, समेत कई साधु-संत, जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, प्रबुद्धजन व बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही।

पौधारोपण से दे सकते हैं विकास को बेहतर स्वरूप

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक दिन में प्रदेश में 37 करोड़ से अधिक पौधारोपण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वृहद पौधारोपण से हम विकास को बेहतर स्वरूप दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों से विगत नौ वर्षों में 241 करोड़ पौधारोपण होने से राज्य के वनाच्छादन में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने नदियों और जलस्रोतों के किनारे पौधारोपण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि धरती माता के लिए नदियों की भूमिका मानव शरीर के लिए धमनियों जैसी है। कहा कि नदियों को मानवता का उद्गम स्थल माना जाता है लेकिन नदी संस्कृति लुप्त होने से प्रदूषण और अनेक बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। नदियों के किनारे खाली जमीन पर पौधारोपण कर हम उन्हें सदानीरा बना सकते हैं। प्रदूषित जल का प्राकृतिक तरीके से शोधन कर सकते हैं। प्रदूषण के कारण एनसीआर में नवम्बर से फरवरी माह तक बुजुर्गों के लिए हेल्थ इमरजेंसी होने का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वास्थ्य की कीमत पर विकास विचारणीय है। इसलिए जरूरी है कि अधिकाधिक पौधारोपण हो।

ज्ञान परंपरा पर आरोप लगाने वालों का जवाब हैं वेद व्यास

सीएम योगी ने कहा कि जो लोग भारतीय ज्ञान परंपरा में विमर्श का स्थान न होने का आरोप लगाते हैं, उनके लिए महर्षि वेद व्यास जवाब हैं। उन्होंने महाभारत की रचना में पुरुषार्थ के सभी आयामों धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष को समाहित कर दिया। पुरुषार्थ को लेकर जो कुछ भी है या हो सकता है, वह सब कुछ महाभारत में पहले से है। दुनिया में कहीं और ज्ञानपरक शोध हुआ होता तो उसे पेटेंट करा लिया गया होता लेकिन हमने उसे सर्वसुलभ बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण पांच हजार वर्ष से कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रही है। दुनिया के लिए यह कौतूहल का विषय हो सकता है लेकिन यह सनातन भारतीय जीवन पद्धति का हिस्सा है। जीवन का प्रवाह है।

नकारात्मकता समस्या का समाधान नहीं

मुख्यमंत्री ने प्रयागराज महाकुंभ के भव्य आयोजन के दौरान कुछ युट्यूबर्स की नकारात्मक पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया भर से सनातनी महाकुंभ आए थे। कुछ युट्यूबर्स पैदल चलने पर उन्हें भड़काने और चिढ़ाने जाते थे। व्यवस्था पर सवाल करते थे तो श्रद्धालुओं से उन्हें जवाब मिलता था जिस सड़क पर हम पैदल चल रहे हैं वह भी व्यवस्था का हिस्सा है। उन्हें यह मुहतोड़ जवाब भी मिलता, चल हम रहे हैं और परेशानी तुम्हे हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नकारात्मकता समस्या का समाधान नहीं है। कुछ लोग माहौल खराब करना चाहते हैं लेकिन गौरव की बात है कि भारत विरासत और विकास के साथ आगे बढ़ते हुए नई ऊंचाइयों को छूने को तत्पर है।

सनातन धर्म भारत की आत्मा

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म भारत की आत्मा है। एक मुस्लिम महिला अधिवक्ता के कथन, ह्लहम भी सनातनी हैं, भारत का एक ही धर्म है सनातन धर्म, मेरी उपासना विधि इस्लाम है लेकिन धर्म सनातन हैह्व का उल्लेख करते हुए सीएम ने कहा कि हमें धर्म, मत, महजब के अंतर को समझना होगा। सनातन धर्म मात्र उपासना विधि नहीं है बल्कि यह जीवन जीने की पद्धति है जिसमें अनेक उपासना विधियां समाहित हैं।

भारत ने दुनिया को सिखाया कृतज्ञता ज्ञापन

मुख्यमंत्री ने गुरु पूर्णिमा पर्व को गौरवशाली अवसर बताते हुए कहा कि यह पर्व गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर होता है। भारत ही ऐसा देश है जिसने दुनिया को कृतज्ञता ज्ञापन सिखाया। हनुमान जी और मैनाक पर्वत के संवाद में भी यह उद्धरण आता है कि कर्ता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना सनातन धर्म का गुण है। किसी ने कुछ किया तो उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने में भारतीय सबसे अधिक जागरूक रहे हैं।

दुर्गति से बचने को आचार और विचार में समन्वय की आवश्यकता

मुख्यमंत्री ने दुर्गति से बचने के लिए आचार और विचार में समन्वय की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि राम को भजते-भजते हनुमान जी भी पूज्य हो गए। अनपढ़ व्यक्ति भी हनुमान चालीसा जानता है, उसका पाठ करता है। उन्होंने कहा कि श्रीराम, श्रीकृष्ण, भगवान शंकर और उनसे जुड़ी कथाएं हमारी आस्था की प्रतीक हैं, हमारी विरासत हैं। सुसभ्य संस्कृति की उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। इनके संरक्षण और उन्नयन में योगदान देना हर भारतीय का कर्तव्य होना चाहिए। राम, कृष्ण और शिव सनातन धर्म के प्रतीक हैं।

हजारों वर्षों से सुनी जा रही श्रीराम कथा

सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम कथा हजारों वर्षों से सुनी जा रही है। यह भारत के संस्कार में शामिल है। दुनिया में ऐसा कोई भी सनातनी नहीं है जो श्रीराम कथा के प्रसंगों को न जानता हो। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे लोकप्रिय धारावाहिक रामायण है। जब देश की आबादी 100 करोड़ थी और 50 करोड़ लोगों के पास भी टेलीविजन नहीं था तब 66 करोड़ लोग रामायण धारावाहिक देखते थे। कोरोना काल में जब लॉकडाउन लगा था तब सबसे ज्यादा दर्शक दूरदर्शन पर रामायण देखते थे।

आरती के साथ हुआ श्रीरामकथा का विश्राम

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में 4 जुलाई से चल रही श्रीरामकथा का विश्राम व्यासपीठ पर विराजमान श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की आरती के साथ हुई। सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरती उतारी। इस अवसर पर उन्होंने कथाव्यास बाबा आचार्य शांतनु जी महाराज के प्रति आभार भी व्यक्त किया और कहा कि हर व्यक्ति को कुछ समय ऐसी कथाओं के श्रवण के लिए जरूर निकालना चाहिए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के संबोधन से पूर्व लोक गायक राकेश श्रीवास्तव ने गुरु की महिमा पर एक कर्णप्रिय भजन सुनाया।

ज्ञान परंपरा को संहिताबद्ध किया भगवान वेद व्यास ने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान वेद व्यास की जन्मतिथि को गुरु पूर्णिमा पर्व के रूप में मनाया जाता है। वेद व्यास जी ने भारतीय मनीषा की ज्ञान परंपरा को संहिताबद्ध कर पीढ़ियों के लिए उपकार किया। भारतीयों पर यह आरोप लगता है कि उन्होंने धरोहरों को संरक्षित नहीं किया, उन्हें विज्ञान और आधुनिक ज्ञान की जानकारी नहीं है। वितंडावाद से भारतीयों को बदनाम करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि यह सच नहीं है। सबको याद रखना चाहिए कि दुनिया का सबसे प्राचीन ग्रंथ वेद हैं। दुनिया जब अंधकार में जी रही थी तब भारत में वेदों की ऋचाएं रची जा रहीं थीं। हमारी मनीषा चेतना के विस्तार से ब्रह्मांड के रहस्यों का उद्घाटन कर रही थी। आज दुनिया भौतिक विज्ञान पर ही काम कर रही है, दुनिया जब अवचेतन मन की तरफ बढ़ेगी तब हमारे वैदिक सूत्र ही मार्गदर्शन करेंगे। दुनिया को यह जानना चाहिए कि 3500 वर्ष पूर्व हजारों ऋषियों की कार्यशाला नैमिषारण्य में भारतीय ज्ञान परंपरा की रचना को लेकर हुई थी।

हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार: मुख्यमंत्री

सीएम ने जनता दर्शन में सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, अफसरों से कहा - हर समस्या का समाधान सुनिश्चित कराएं

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि परेशान मत हों, आपकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में एक महिला इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई तो उसे आत्मीय संबल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज का इस्टीमेट मंगा लीजिए, सरकार भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में एक महिला समेत कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

सीएम योगी ने पूर्व सांसद कुंवर आनंद सिंह को दी श्रद्धांजलि

मनकापुर पहुंचकर परिजनों से की मुलाकात, जताया शोक

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोंडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मनकापुर में पूर्व सांसद और मनकापुर रियासत के महाराज कुंवर आनंद सिंह के निधन पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की। भारत सरकार में विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता कुंवर आनंद सिंह का 6 जुलाई 2025 को 87 वर्ष की उम्र में लखनऊ में निधन हो गया था। वह चार बार सांसद तथा यूपी में कृषि मंत्री भी रहे। इसके अलावा मनकापुर रियासत के महाराज के रूप में भी उनकी ख्याति थी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कुंवर आनंद सिंह के सामाजिक और राजनीतिक योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि कुंवर आनंद सिंह ने अपने कार्यकाल में क्षेत्र के विकास और जनता की भलाई के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए, जो हमेशा प्रेरणा का स्त्रोत रहेंगे।

महाकुंभ की तरह कांवड़ यात्रा की एंटी ड्रोन और टीथर्ड ड्रोन से हो रही रियल टाइम मॉनिटरिंग

महाकुंभ की तर्ज पर बनाया गया मार्डन कंट्रोल रूम, हर गतिविधि की 24 घंटे की जा रही निगरानी

- सीएम योगी के निर्देश पर हाईटेक टेक्नोलॉजी से कांवड़ यात्रा रूट और शिव मंदिरों की हो रही निगरानी
- हाइटेक ड्रोन से आसमान तो एटीएस जमीन पर पल-पल की गतिविधियों पर रख रही नजर
- सोशल मीडिया पर रखी जा रही विशेष निगरानी, सोशल मीडिया सेल एक्टिव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए सबसे हाइटेक एंटी ड्रोन और टीथर्ड ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पहले राम मंदिर के उद्घाटन समारोह और महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए एंटी और टीथर्ड ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। योगी सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा का सकुशल संपन्न कराने के लिए कई बड़े कदम उठाये गये हैं ताकि कोई परिंदा पर नहीं मार सके। वहीं महाकुंभ की तरह ही मार्डन कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहां 24 घंटे रियल टाइम मॉनीटरिंग की व्यवस्था है। इतना ही नहीं कांवड़ यात्रा के रूट की जमीन स्तर पर सुरक्षा के लिए एटीएस, आरएएफ और क्यूआरटी जैसे विशेष बलों को तैनात किया गया है।

पुलिस अधिकारियों के मोबाइल नंबर बारकोड से किये जा रहे साझा

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा के लिए 587 राजपत्रित अधिकारी, 2,040 निरीक्षक, 13,520 उपनिरीक्षक और 39,965 आरक्षियों को ड्यूटी पर लगाया गया है।

इसके साथ ही 1,486 महिला उपनिरीक्षक और 8,541 महिला आरक्षी, 50 कंपनियां पीएसी, केंद्रीय बल और 1,424 होमगार्ड्स भी तैनात किये गये हैं। कांवड़ यात्रा से जुड़े सभी दिशा-निर्देश, पुलिस अधिकारियों के मोबाइल नंबर, ट्रैफिक डायवर्जन योजना आदि को बारकोड के माध्यम से होर्डिंग, अखबार और सोशल मीडिया पर साझा किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को आवश्यक सूचना आसानी से मिले। इसके अलावा अंतरराज्यीय समन्वय के लिए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान के अधिकारियों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इसके जरिए रियल-टाइम सूचना आदान-प्रदान, मार्गों की स्थिति, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण से जुड़ी जानकारियां साझा की जा रही है।

अफवाहों पर नकेल कसने के लिए सोशल मीडिया पर 24 घंटे निगरानी

वहीं महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के लिए मार्डन कंट्रोल रूम बनाया गया था। इसी की तर्ज पर कांवड़ यात्रा और शिव मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए डीजीपी मुख्यालय में मार्डन कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां पर 24 घंटे रियल टाइम मॉनीटरिंग के जरिये पल-पल की नजर रखी जा रही है। इसके अलावा एक विशेष आठ सदस्यीय टीम 24 घंटे सोशल मीडिया पर नजर रखे हुए है। यह टीम सोशल मीडिया पर चलने वाली अफवाहों, भ्रामक सूचनाओं और संवेदनशील पोस्ट की रियल-टाइम मॉनीटरिंग कर रही है तथा संबंधित जिलों को अलर्ट भेजा जा रहा है। साथ ही, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से आपत्तिजनक सामग्री हटवाने की कार्यवाही भी की जा रही है। इसी प्रकार एक अलग कंट्रोल रूम टीम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, यूपी-112 और अन्य माध्यमों से प्राप्त सूचनाओं की 24 निगरानी कर रही है।

यह है एंटी ड्रोन और टीथर्ड ड्रोन की विशेषता

एंटी ड्रोन सिस्टम रडार, सेंसर और अन्य तकनीकों का उपयोग करके ड्रोन का पता लगाते हैं और फिर उन्हें जाम करके या नष्ट करके निष्क्रिय कर देते हैं। यह दो मुख्य तरीकों से काम करते हैं। इनमें सॉफ्ट किल में ड्रोन के संचार लिंक को जाम करना शामिल है, जिससे यह नियंत्रित नहीं हो पाता और हार्ड किल में ड्रोन को नष्ट करना शामिल है, जैसे लेजर या मिसाइलों का उपयोग करके। डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) ने स्वदेशी एंटी-ड्रोन सिस्टम विकसित किए हैं, जैसे डी4एस (डिटेक्ट, डेटर, डिस्ट्रॉय) सिस्टम, जो दुश्मन के ड्रोन का पता लगाने, उन्हें रोकने और नष्ट करने में सक्षम है। वहीं टीथर्ड ड्रोन एक केबल या कॉर्ड से जुड़ा होता है, जो इसे स्थिर रखता है और हवा के झोंकों से प्रभावित होने से बचाता है, जिससे यह अधिक सटीक और विश्वसनीय उड़ान भर सकता है। केबल के माध्यम से निरंतर बिजली आपूर्ति के कारण, टीथर्ड ड्रोन पारंपरिक ड्रोन की तुलना में अधिक समय तक उड़ान भर सकते हैं। टीथर्ड ड्रोन का उपयोग निगरानी, सुरक्षा, और संचार उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां निरंतर और विश्वसनीय हवाई दृश्यता की आवश्यकता होती है। टीथर्ड ड्रोन का उपयोग अक्सर आपातकालीन सेवाओं, कानून प्रवर्तन और निगरानी प्रणालियों में किया जाता है, जहां एक स्थिर और विश्वसनीय प्लेटफॉर्म की आवश्यकता होती है।

महाकुंभ के सुरक्षा मॉडल को कांवड़ यात्रा रूट पर अपनाया गया

योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और निगरानी के लिए तकनीक का भरपूर उपयोग करते हुए तीर्थयात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए शासन व पुलिस प्रशासन ने हर स्तर पर कमर कस ली है। मुख्यमंत्री योगी ने स्वयं इस यात्रा की तैयारियों की लगातार समीक्षा की है और निर्देश दिए थे कि सुरक्षा, चिकित्सा, स्वच्छता, जल व्यवस्था और यातायात प्रबंधन में कोई कमी न रहे। उन्होंने महाकुंभ में किए गए सुरक्षा प्रबंधों को मॉडल मानकर कांवड़ यात्रा मार्गों पर भी उसी प्रकार के इंतजाम करने के निर्देश दिए थे। ऐसे में सीएम योगी के निर्देश पर कांवड़ यात्रा के रूट पर हाईटेक निगरानी को प्राथमिकता दी गई है। मुख्य कांवड़ मार्गों और प्रमुख स्थानों पर 29,454 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसके साथ ही 395 हाइटेक ड्रोन और विशेष रूप से एंटी ड्रोन के साथ टीथर्ड ड्रोन की मदद से रियल-टाइम वीडियो फीड लेकर डीजीपी मुख्यालय से सीधे मॉनीटरिंग की जा रही है। ये टीथर्ड ड्रोन लगातार एक स्थान पर स्थिर रहकर भीड़ की निगरानी में सक्षम हैं, जिससे किसी भी प्रकार की आपात स्थिति की त्वरित जानकारी मिल सके।

सेहत/स्वास्थ्य

हार्ट अटैक आने से पहले शरीर में दिखने वाले इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

आमतौर पर हार्ट अटैक का नाम सुनते ही जो लक्षण सबसे पहले हमारे दिमाग में आता है, वह सीने में दर्द होना है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हार्ट अटैक के लक्षण इससे कहीं अधिक जटिल हो सकते हैं, जिनकी समय रहते पहचान करना बेहद जरूरी होता है।

अनन्या मिश्रा

दुनियाभर में हार्ट अटैक मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। हाल के कुछ सालों में हार्ट अटैक के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। साल 2023 में हार्ट सहित हृदय रोग के मामले भारत में मृत्यु के प्रमुख कारण रहे हैं। जो सभी मौतों का करीब 30% हिस्सा था। कम उम्र के लोगों यहां तक कि 30 से कम आयु वालों में भी न सिर्फ हार्ट अटैक के मामले सामने आए हैं। बल्कि इसकी वजह मौतों में भी वृद्धि देखी गई है।

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक हृदय की समस्याओं पर लगातार और गंभीरता से ध्यान देना बहुत जरूरी है। आजकल का जीवन काफी व्यस्त और तनावपूर्ण हो चुका है, जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। लाइफस्टाइल और खानपान में गड़बड़ी को हृदय रोगों का मुख्य कारण माना जाता है। जिस पर कम उम्र से ही ध्यान देना जरूरी होता है। आमतौर पर हार्ट अटैक का नाम सुनते ही जो लक्षण सबसे पहले हमारे दिमाग में आता है, वह सीने में दर्द होना है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हार्ट अटैक के लक्षण इससे कहीं अधिक जटिल हो सकते हैं, जिनकी समय रहते पहचान करना बेहद जरूरी होता है।

हार्ट अटैक के सामान्य लक्षण

हार्ट अटैक होने पर सीने में दर्द होना सबसे प्रमुख माना जाता है। ऐसा आपने फिल्मों में भी देखा होगा। यह दर्द अचानक से शुरू होता है, यह कंधे, पीठ, जबड़ा या गर्दन में भी फैल सकता है। लेकिन सिर्फ यह लक्षण हार्ट अटैक के संकेत नहीं होते हैं।

सीने में तीव्र दर्द, भारीपन या फिर दबाव महसूस होने के अलावा हार्ट अटैक में कई सारी और भी समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द और सांस लेने में परेशानी

हार्ट अटैक के दौरान सीने में दर्द होने के साथ ही अन्य हिस्सों में भी फैल जाता है। ऐसे लक्षण विशेष रूप से महिलाओं में अधिक सामान्य है। हालांकि यह समझना जरूरी है कि हार्ट अटैक के समय दिल का ब्लड सकुर्लेशन बाधित हो जाता है। इससे बॉडी में ऑक्सीजन में कमी होने लगती है, ऐसे में व्यक्ति को सांस लेने परेशानी महसूस हो सकती है। यह लक्षण सीने में दर्द के साथ बिना दर्द के भी हो सकते हैं। अगर आपको यह दिक्कतें महसूस हो रही हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए।

ठंडे पसीने का आना या मतली और उल्टी

हार्ट अटैक के दौरान शरीर में तनाव और रक्तचाप में बदलाव की वजह से व्यक्ति को ठंडा पसीना आने की समस्या हो सकती है। यह लक्षण अचानक और बहुत तेज हो सकते हैं। कई बार हार्ट अटैक के दौरान व्यक्ति को पेट में मतली, असहजता और उल्टी का भी अनुभव हो सकता है। इसको सिर्फ पाचन की समस्या समझने की भूल न करें। क्योंकि यह हार्ट अटैक का भी संकेत हो सकता है, जिस पर ध्यान देना जरूरी है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

हृदय रोग एक्सपर्ट की मानें, तो हार्ट अटैक के लक्षणों की पहचान समय पर सबसे ज्यादा अहम है। अगर किसी व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफ, ठंडे पसीने का अनुभव और सीने में दर्द की समस्या है, तो ऐसे में फौरन डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। हार्ट अटैक के सिर्फ एक लक्षण पर ध्यान न दें।

कभी-कभी लक्षण बहुत हल्के होते हैं या किसी और स्थिति की तरह महसूस होते हैं। इसलिए इन सभी के बारे में जानना और समय रहते हेल्थ एक्सपर्ट की सलाह जरूर लेना चाहिए।

डिस्क्लेमरः इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

ब्यूटी / फैशन

पिगमेंटेशन दूर करने के लिए ट्राई करें ये घरेलू नुस्खे, केमिकल युक्त क्रीमों का इस्तेमाल पड़ सकता है महंगा

आमतौर पर इन समस्याओं से बचाव के लिए लोग बाजार में मिलने वाली महंगी और केमिकल युक्त क्रीमों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या स्किन टोन सुधारने और झाइयों को कम करने वाले ये स्किन केयर प्रोडक्ट्स स्किन के लिए फायदेमंद होते हैं या नहीं।

मानसून में अक्सर स्किन संबंधी समस्याएं होना आम बात है। वहीं बची हुई कसर धूल-मिट्टी, प्रदूषण और पसीना पूरी कर देता है। ऐसे में लोगों को स्किन पर पिगमेंटेशन और कालापन जैसी अन्य कई समस्याएं हो जाती हैं। आमतौर पर इन समस्याओं से बचाव के लिए लोग बाजार में मिलने वाली महंगी और केमिकल युक्त क्रीमों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या स्किन टोन सुधारने और झाइयों को कम करने वाले ये स्किन केयर प्रोडक्ट्स स्किन के लिए फायदेमंद होते हैं या नहीं। ऐसे में एक्सपर्ट भी केमिकल युक्त क्रीम का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। उन्होंने मार्केट में मिलने वाली केमिकल युक्त क्रीम के स्किन पर होने वाले असर के बारे में भी बताया है। बता दें कि आप स्किन को ग्लोइंग बनाने और झाइयों को कम करने वाले नुस्खे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्रीम का इस्तेमाल सही या गलत

ब्यूटी एक्सपर्ट की मानें, तो लोगों को केमिकल युक्त क्रीमों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। एक्सपर्ट में पिगमेंटेशन को कम और स्किन के कॉम्प्लेक्शन में सुधार करने वाली क्रीमों की तुलना 'तेजाब' से की है। जिस तरह से तेजाब स्किन के लिए हानिकारक होता है, इसकी एक बूंद भी स्किन को डैमेज कर सकती है। ऐसे में पिगमेंट से छुटकारा दिलाने वाली क्रीम असल में हमारी त्वचा को जलाने का काम करती है।

घरेलू नुस्खे अपनाएं

फेस पर बेसन लगाना काफी फायदेमंद हो सकता है। बेसन में पानी मिलाकर पेस्ट बना लें और इसको अपने फेस पर अप्लाई करें। इससे त्वचा में निखार आता है और स्किन को कई फायदे हो सकते हैं।

इसके अलावा आप पके हुए चावल में दूध मिलाकर फेस पर अप्लाई करें। इससे पिगमेंटेशन कम होती है और त्वचा को भी फायदा मिलता है। आप फेस पर दही भी लगा सकती हैं, इससे आपकी त्वचा को ठंडक मिलती है और फेस पर भी निखार आता है।

पर्यटन

नैनीताल के पास बसा ये हिल स्टेशन जन्नत से नहीं है कम, खूबसूरत नजारे देख बन जाएगा आपका दिन

> दिल्ली से करीब 300 किमी की दूरी पर नैनीताल स्थित है। ऐसे में आज हम आपको उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित मुक्तेश्वर की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

दिल्ली से करीब 300 किमी की दूरी पर नैनीताल स्थित है। जोकि उत्तराखंड का फेमस और खूबसूरत हिल स्टेशन है। गर्मी से लेकर मानसून के समय भी दिल्ली एनसीआर वाले नैनीताल में वीकेंड पर जाते हैं। नैनीताल अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। लेकिन जब पर्यटक नैनीताल मौज-मस्ती के लिए पहुंचते हैं, तो सिर्फ नैनीताल की फेमस जगहों को एक्सप्लोर करके चले जाते हैं। लेकिन यहां से काफी पास में स्थित मुक्तेश्वर जैसी अद्भुत जगह को एक्सप्लोर करना भूल जाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित मुक्तेश्वर की खासियत से लेकर इसकी खूबसूरती और आसपास में स्थित कुछ बेहतरीन और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

उत्तराखंड में मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर नैनीताल जिले में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक गांव है। जोकि मुख्य शहर से करीब 48 किमी दूर है। हालांकि मुक्तेश्वर को कई लोग एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन मानते हैं। यह अल्मोड़ा से करीब 42 किमी दूर स्थित है। वहीं भीमताल से यह जगह 42 किमी दूर है।

क्यों फेमस है मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर गांव उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित है और कई खास चीजों के लिए फेमस है। मुक्तेश्वर सबसे ज्यादा मुक्तेश्वर मंदिर के लिए जाना जाता है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक भगवान शंकर ने इस जगह एक राक्षस का वध किया था। यहां की पौराणिक मान्यताओं के अलावा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। मुक्तेश्वर, नैनीताल या फिर अल्मोड़ा की तुलना में कम भीड़-भाड़ वाली जगह है। यहां पर आप घने जंगल, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, घास के मैदान और झील-झरने मुक्तेश्वर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं।

मुक्तेश्वर पर्यटकों के लिए है खास

पर्यटकों के लिए मुक्तेश्वर किसी जन्नत से कम नहीं है। खासकर यहां की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। यहां पर आपको नैनीताल से काफी कम भीड़ मिलेगी। इसलिए एकांत की तलाश करने वाले लोगों के लिए मुक्तेश्वर जन्नत से कम नहीं है। आप यहां की खूबसूरती को निहारने के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी भी कर सकते हैं। मुक्तेश्वर की वादियों में रॉक क्लाइम्बिंग से लेकर रैपलिंग, कैंपिंग और ट्रेकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

घूमने की बेस्ट जगहें

मुक्तेश्वर मंदिर

मुक्तेश्वर में पहुंचकर आप सबसे पहले मुक्तेश्वर मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। जोकि भगवान शिव को समर्पित है। आप यहां पर ट्रेकिंग करके पहुंच सकते हैं।

चौली की जाली

चौली की जाली को नेचर लवर्स के लिए जन्नत माना जाता है। आप यहां से हिमालय की खूबसूरती को करीब से निहार सकते हैं।

भालू गढ़ वॉटरफॉल

मुक्तेश्वर से कुछ ही किमी की दूरी पर भालू गढ़ वॉटरफॉल एक फेमस पिकनिक स्पॉट है। बारिश के मौसम में इस वॉटरफॉल की खूबसूरती देखने लायक होती है।

ऐसे पहुंचे नैनीताल से मुक्तेश्वर

बता दें कि नैनीताल से मुक्तेश्वर पहुंचना बेहद आसान है। इसके लिए आप नैनीताल बस स्टैंड से टैक्सी या फिर कैब से पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही आप रेंट पर स्कूटी लेकर भी मुक्तेश्वर पहुंच सकते हैं।

घरेलू नुस्ख

चींटियों से हो गए हैं परेशान तो ऐसे पाएं छुटकारा, जानिए 11 घरेलू टिप्स

कई बार चींटियां कपड़ों, बिस्तर या अलमारी तक भी पहुंच जाती हैं। ऐसे में इन कपड़ों को पहनने से या फिर बिस्तर पर बैठते ही काटने लगती हैं। इनमें फॉर्मिक एसिड जहर पाया जाता है, जिसके कारण स्किन पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि इनसे छुटकारा कैसे पाया जाए।

घर में चींटियों का आना कई बार बड़ी मुसीबत की वजह बन जाती है। क्योंकि जरा सी लापरवाही के कारण चींटियों की लंबी कतार पूरे घर में फैल जाती है। डाइनिंग टेबल पर रखा खाने का सामान हो या फिर किचन में रखी मिठाई हो, अचानक ही चींटियों का झुंड आ धमकता हैं। हालांकि चींटियां सिर्फ खाने-पीने की चीजों तक ही सीमित नहीं रहती हैं। कई बार चींटियां कपड़ों, बिस्तर या अलमारी तक भी पहुंच जाती हैं। ऐसे में इन कपड़ों को पहनने से या फिर बिस्तर पर बैठते ही काटने लगती हैं। इनमें फॉर्मिक एसिड जहर पाया जाता है, जिसके कारण स्किन पर लाल चकत्ते पड़ जाते हैं। तो ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इनसे छुटकारा कैसे पाया जाए।

घर में क्यों आती हैं चींटियां

स्काउट चींटियां- यह चींटियां खाने-पीने और रहने की जगह देखने आता हैं और फिर दूसरी चींटियों को बुलाती हैं।

- खाने-पीने की चीजों को खुला छोड़ने से चींटियां आ सकती हैं।
- नमी वाली जगह चींटियों के रहने के लिए काफी सही होती है।
- चींटियां ज्यादा गर्मी और ठंडी झेल नहीं पाती हैं, ऐसे में उनका घर में रहना खाना आसान होता है।
- इसके अलावा में दीवारों की सुरक्षित दरारों में कॉलोनी बनाने के लिए आ सकती हैं।
- पानी की तलाश में सिंक, बाथरुम और किचन में आ सकती हैं।
- साफ-सफाई का ध्यान न रखने के कारण भी चींटियां आ सकती हैं।
- पेट्स का खाना-पानी खुले में रखने या फिर उनकी गंदगी करने से चींटियां आ सकती हैं।

घर में चींटियों को आने से रोकने का तरीका

- खाने-पीने की चीजों को खुला नहीं छोड़ना चाहिए।
- खाने-पीने की चीजें एयरटाइट डिब्बे में रखना चाहिए।
- किचन के फर्श को हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए।
- अगर खाने की कोई भी चीज गिर जाए, तो इसको फौरन साफ कर देना चाहिए।
- बच्चों को इधर-उधर घूमकर खाने से मना करना चाहिए।
- वहीं रात में बचे खाने को अच्छे ढककर रखना चाहिए।
- चींटियों के आने के रास्ते को बंद करके रखना चाहिए।
- फर्श या टाइल्स की दरारों को सील करके रखें।
- घर की दीवारों की दरारों को बंद करें।
- खिड़कियों और दरवाजों को सील करें।
- पानी या इलेक्ट्रिक वायरिंग के स्पेस को सील करें।

चींटियों को भगाने के घरेलू तरीके

- विनेगर और पानी मिलाकर चींटियों के आने वाले रास्ते पर स्प्रे करें।
- चींटियों की कॉलोनी को खोजकर इसमें गर्म पानी डालें।
- नींबू का रस चींटियों के आने-जाने वाले रास्ते पर स्प्रे करें।
- आप चींटियों को आने से रोकने के लिए चाक से रेखा बनाएं।
- चींटियों को एसेंशियल ऑयल की खूशबू नहीं पसंद होती है। इसलिए आप इससे घर स्प्रे करें।
- चींटियों को आने से रोकने के लिए आप दालचीनी और कॉफी ग्राउंड्स को एंट्री प्वॉइंट रखें।
- बेकिंग सोडा और चीनी पाउडर मिलाकर चींटियों के रास्ते में रखें। इसको खाने से चींटियां मर जाती हैं।
- चींटियों के आने-जाने वाले रास्ते पर लाल मिर्च पाउडर छिड़कना चाहिए।
- चींटियों के आने-जाने वाले रास्ते या कॉलोनी के बाहर टैल्कम पाउडर छिड़कें।
- चींटियों को खत्म करने के लिए चीनी और सुहागा मिलाकर रखें। यह स्लो पॉइजन की तरह काम करता है।

शास्त्रों की क्रान्ति हमेशा शस्त्रों की क्रान्ति से विराट होती हैः आचार्या डॉ. सुमेधा दीदी

श्री वेंकटेश्वरा विवि एवं उत्तर प्रदेश अकादमी लखनऊ के संयुक्त तत्वांधान में ''बहुभाषी कवि सम्मेलन-2025'' का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में ''बहुभाषी कवि सम्मेलन-2025'' का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें देशभर से पधारे एक दर्जन से अधिक विख्यात कवियो/साहित्यकारो ने हिन्दी, ऊर्दू, पंजाबी, विभिन्न भाषाओ में देशभक्ति से ओत प्रोत एक से बढकर एक शानदार रचनाऐ प्रस्तुत कर इस समारोह को यादगार बना दिया। वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यश सुधीर गिरि ने प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी के साथ मिलकर देश के इन विख्यात रचनाकारो को शॉल, स्मृति चिन्ह एवं तुलसी माला व रुद्राश के पौधे भेटकर उनका अभिनन्दन किया।

रविन्द्रनाथ टैगोर सभागार में उत्तर प्रदेश, पंजाबी अकादमी के तत्वाधान में आयोजित ''बहुभाषी कवि सम्मेलन-2025'' का शुभारम्भ दिल्ली से पधारे मुख्य अतिथि गुरु हरिकिशन सिंह, हॉस्पिटल बांग्ला साहित्य के अध्यश वरिष्ठ साहित्यकार सरदार भूपेन्द्र सिह भुल्लर, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के चेयरमैन प्रो. उमापति दीक्षित, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, आचार्या सुमेधा दीदी, कुलपति प्रो. कृष्णकान्त दवे, कार्यक्रम संयोजक डॉ. मधु चतुर्वेदी, विख्यात कवियत्री जसप्रीत कौर ''फलक'', डॉ. राहुल अवस्थी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया।

सरस्वती वंदना के बाद सबसे पहले काव्य पाठ करने आयी पंजाब की विख्यात कवियत्री जसप्रीत कौर ''फलक'' ने कहा कि

''इह धरती मुस्काई है, कि सावन आ गया लग्दै है।

झडी बादला ने लाई है, कि सावन आ गया लग्दै है'' ।।

मंच का शानदार संचालन कर रहे ओज के कवि राहुल अवस्थी ने कहा कि

''गुरू गोविन्द सिंह का गौरव, सिखों आप फिजूलो मत।

हनी सिंह को याद करो, पर भगत सिंह को भूलो मत'' ।।

सुनाकर खूब वाहवाही लूटी।

कार्यक्रम संयोजक एवं विख्यात कवियत्री परविन्दर कौर बेदी ने कहा कि

''कुछ नाग महक दे बेहडे विच कुंडलिया मारे बैढे नी।

कुछ फनिहर, पनिहर, बिसिहर, कुछ इच्छाधारी बैढे नी'' ।।

सुनाकर आदमी की फितरत बयां की।

विख्यात पंजाबी कवि एवं गायक श्री मनप्रीत टिवाणा ने कहा कि

''जिनां राहवां चौं तू आवें ओहना राहवां नू सलाम।

तेरे शहर वललों औंदीयां हवावां नू सलाम'' ।।

सुनाकर देशभक्ति के मौहाल से सरोबार कर दिया।

ओज एवं प्रेम के कवि डॉ. चेतन आनन्द ने पढा कि

'' मोहब्बत ने खोले अंधेरो के ताले।

इधर भी उजाले, उधर भी उजाले।

मोहब्बत से जिसने मोहब्बत ही सीखी, उसे नफरतो से पडेगे ना पाले'' ।।

सुनाकर तालिया बजाने पर मजबूर कर दिया।

उत्तर प्रदेश पंजाबी आकदमी की निदेशक एंव वरिष्ठ साहित्यकार प्रेमवती उपाध्याय ने पढा कि

''आज तेरा सितारा गगन चूमता, विश्व करता तुझे हाथ जोडकर नमन।

क्या पता कल विभा साथ दे या ना दे, इन सितारो का कोई भरोसा नहीं'' ।।

सुनाकर खूब तालिया बटोरी।

केन्द्रीय हिन्दी संस्थान भारत सरकार के अध्यश प्रो0 उमापति दीक्षित ने कहा

''हैरत है किसी हाथ में पत्थर भी नहीं है।

महफूज मगर यहां कोई सर भी नहीं है'' ।।

मुख्य अतिथि एवं विख्यात साहित्यकार सरदार भूपेन्द्र सिंह भूल्लर ने कहा कि

''शानदार आयोजन के लिए श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं उत्तर प्रदेश, पंजाबी अकादमी लखनऊ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन हमारी युवा पीढ़ी को गुरुगोविन्द सिंह, सरदार भगत सिंह के बलिदानो की याद दिलाकर उन्हें देश सेवा के लिए प्रेरित करेंगे''।

इस अवसर पर कुलसचिव पीयूष पाण्डेय, डीन एकेडमिक डॉ. राजेश सिंह, डॉ. सुमन कश्यप, डॉ. अंजलि भारद्वाज, डॉ. आरती गुप्ता, डॉ. विकास पाण्डेय, डॉ. दीक्षा, डॉ. टीपी सिंह, डॉ. राजवर्द्धन सिंह, डॉ. आशुतोष, डॉ. एस.एन. साहू, डारेक्टर लीगल देव प्रताप सिंह, डॉ. ओमप्रकाश गोसाई, डॉ. अश्वनी सक्सेना, डॉ. राम कुमार, डॉ. नीतू पंवार, डॉ. स्नेहलता, डॉ. अनिल जायसवाल, डॉ. योगेश्वर, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

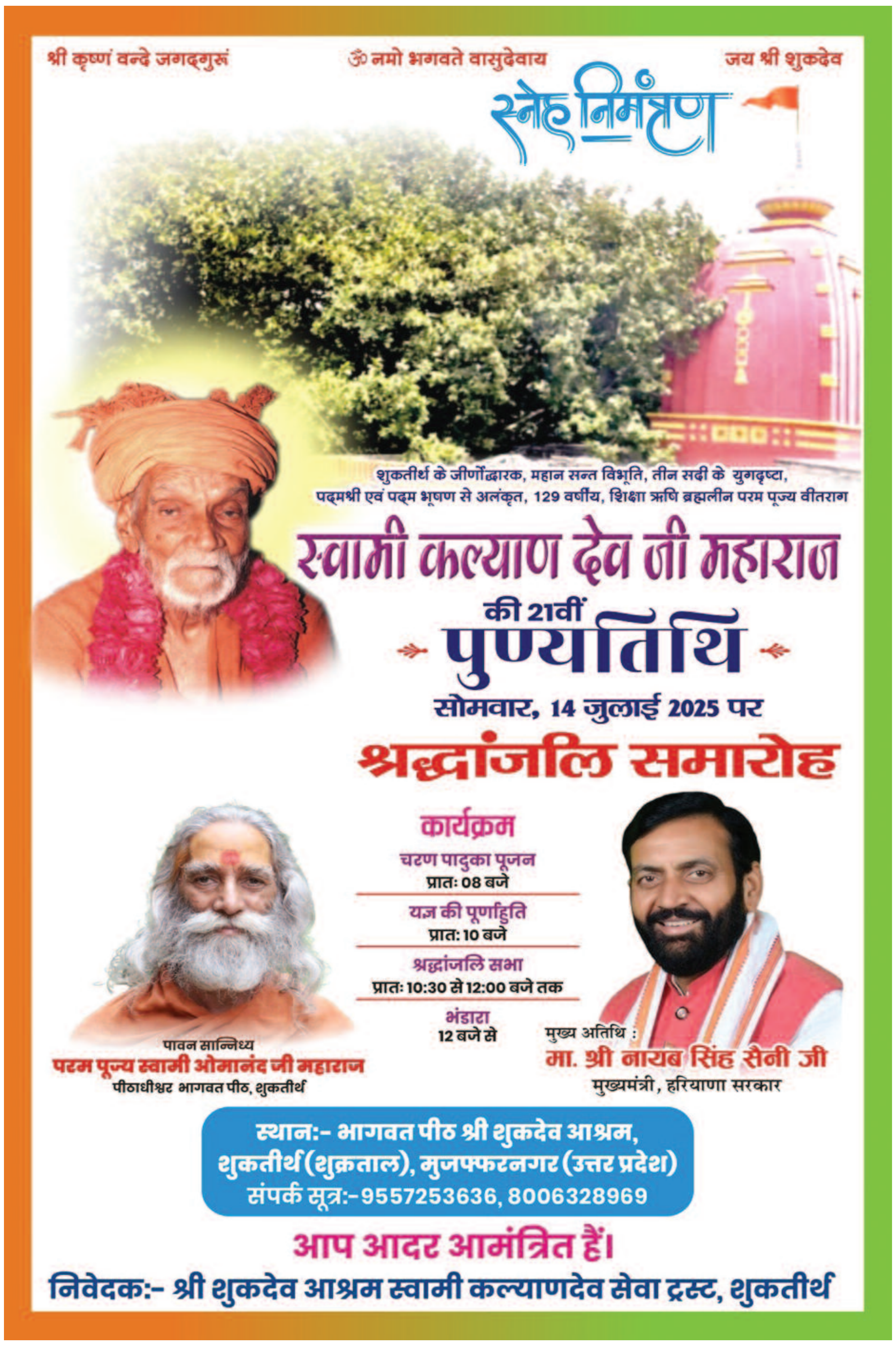

गिरिजापुरपति भगवान् श्रीवृद्धेश्वर बूढ़ेनाथ

विक्रम संवत् 1720 (1663 ई.) के प्रयाग-अर्द्धकुम्भ में गिरिजापुर के श्रीवृद्धेश्वरनाथ-मन्दिर के प्रथम महन्त भैरव गिरि जी महाराज सम्मिलित हुए थे। उसी अर्द्धकुम्भ में नागा-संन्यासियों एवं वैष्णव-साधुओं के मध्य हुए विवाद के प्रसंग में महन्त भैरव गिरि जी महाराज का नाम श्री वेदप्रकाश गर्ग ने अपने लेख 'वैष्णव अनी अखाड़े' में रेखांकित किया है।

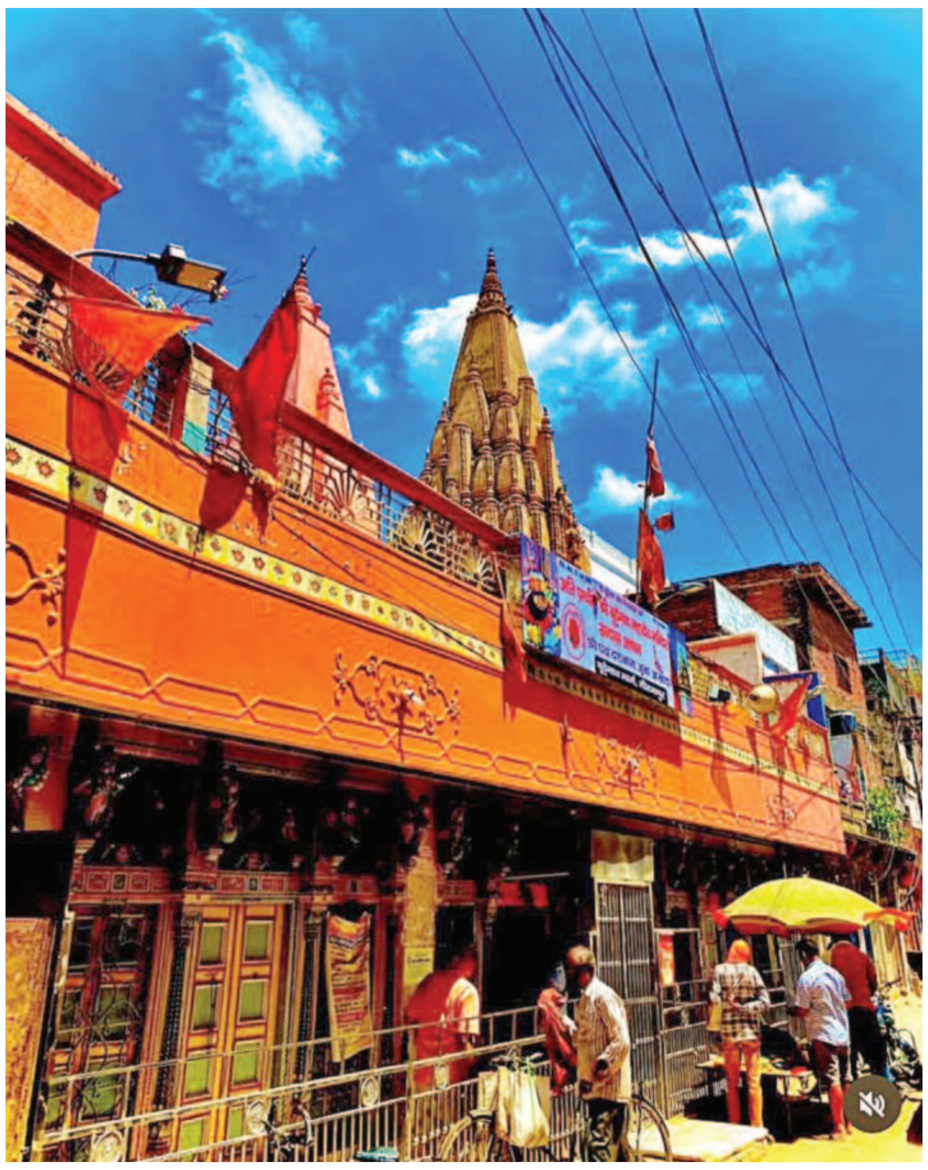

गिरिजापुर के भगवान् श्रीवृद्धेश्वरनाथ कन्तित-विजयपुर के गहरवार राजवंश के कुलदेवता हैं।

भगवान् श्रीवृद्धेश्वरनाथ की लोकप्रसिद्धि बूढ़ेनाथ महादेव के रूप में है। भगवान् श्रीवृद्धेश्वरनाथ उपाख्य बूढ़ेनाथ की स्थापना वर्तमान मिर्ज़ापुर नगर में उस समय हुई थी, जब यह नगर देवनदी गंगा के दक्षिणी तट पर बसा 'गिरिजापुर' नाम का एक छोटा-सा गाँव था। मध्यकालीन भक्ति-साहित्य में गिरिजापुर गाँव का उल्लेख गिरिजापत्तन के रूप में भी मिलता है। भक्तकवि महात्मा कृष्णदास, जो सन् 1798 ई. में विद्यमान थे, की पुस्तक 'माधुर्य-लहरी' में गिरिजापुर का उल्लेख इस प्रकार हुआ है-

विन्ध्य निकट तट सुरधुनी, गिरिजापुर वर नाम।
हरिभक्तन के आश्रयन, कृष्णदास विस्राम।।

गंगा के दक्षिण तट पर बसे गिरिजापुर गाँव का श्रीवृद्धेश्वरनाथ-मन्दिर कन्तित-विजयपुर के गहरवार राजवंश की आस्था का प्रमुख केन्द्र था। इसलिए कालान्तर में गहरवारों के प्रतिष्ठित ठिकानों में भी श्रीवृद्धेश्वरनाथ (बूढ़ेनाथ) के मन्दिर बनाये गये, जिनमें विजयपुर और कुशहा के श्रीवृद्धेश्वरनाथ (बूढ़ेनाथ) मन्दिर अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। गहरवारों की दूसरी शाखा में माण्डा और भरारी के श्रीवद्धेश्वरनाथ (बूढ़ेनाथ) मन्दिर की लोकख्याति प्रयागराज जनपद में बहुत अधिक है। कालान्तर में गहरवारों की श्रीवृद्धि और पुरुषार्थ के प्रतीक के रूप में श्रीवृद्धेश्वरनाथ ही श्रीवृद्धीश्वरनाथ हुए गये। वृद्धीश्वरनाथ के ही अपभ्रंश 'बढ़ौना बाबा' हैं, जो उपरौध-क्षेत्र (वस्तुतः अपरौध-क्षेत्र) के पतार कलाँ में विराजमान हैं।

श्रीवृद्धेश्वरनाथ (बूढ़ेनाथ) एवं श्रीवृद्धीश्वरनाथ (बढ़ौना बाबा) की परम्परा तब से प्रारम्भ होती है, जब से कन्नौज का गहरवार राजवंश विन्ध्यक्षेत्र में स्थापित हुआ। महाराजाधिराज जयचन्द्र के अनुज महाराज माणिक्यचन्द्र की वंश-परम्परा में महाराज दादूराय (1661-1681 ई.) अत्यन्त लोकप्रसिद्ध शासक हुए।

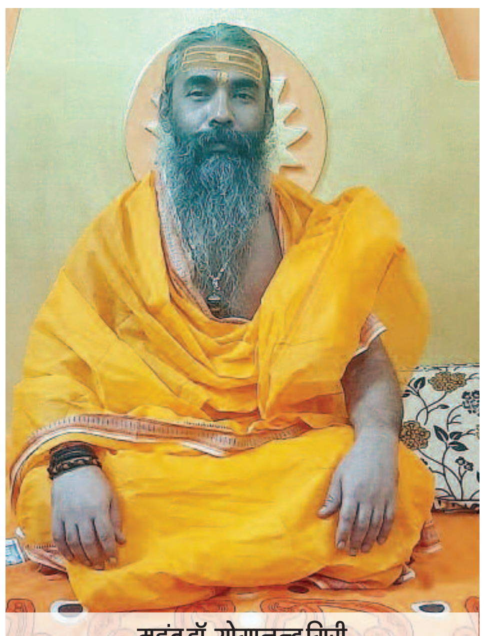

महंत डॉ. योगानन्द गिरी

आधुनिक हिन्दी के जनक भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि गिरिजापुरेश्वर दादूराय के मरणोपरान्त शोकसन्तप्त गिरिजापुरवासियों ने उनकी स्मृति में कजरी नामक एक नये लोकस्वर की रचना की, जो कालान्तर में कजली अथवा कजरी के नाम से जगद्विख्यात हुई। इन्हीं महाराज दादूराय के प्रपौत्र महाराज अनूपशाह (1721-1741 ई.) हुए, जिन्होंने अपने युवराजत्वकाल में बाँदा-अतर्रा और फूलपुर से व्यापारियों को बुलाकर गिरिजापुर में बसाया और गिरिजापुर गाँव को नगर के रूप में विकसित किया। उस समय तक श्रीवृद्धेश्वरनाथ-महादेव का माहात्म्य काशी-प्रयाग और आस-पास के जनपदों तक फैल चुका था। वस्तुतः मन्दिर की स्थापना महाराज दादूराय के पिता महाराज कनक सिंह (1641-1661 ई.) के समय में ही हो गयी थी। स्थापना के समय ही श्रीवृद्धेश्वरनाथ-मन्दिर के गर्भगृह में एक शिलालेख उत्कीर्ण किया गया, जिसमें लिखा हुआ है-

गिरिजापुरवासी जनहिं, करत सदैव सनाथ।
वृद्धेश्वर उपनाम पुनि, श्री शिव बूढ़ेनाथ।।
निज सेवक समुदाय के, करत मनोरथ सिद्ध।
बृद्धेश्वर उपनाम पुनि, बूढ़ेनाथ प्रसिद्ध।।
जो चाहत सुख सुयश सुत, सम्पति सद्गति साथ।
सेवहि सहित सनेह नित, श्री शिव बूढ़ेनाथ।।
गति न आन जेहिं की अहै, अतिशय अबुध अनाथ।
तेहि की गति दुहु लोक में, श्री शिव बूढ़ेनाथ।।

श्रीवृद्धेश्वरनाथ-मन्दिर के स्थापना के समय इस पीठ के प्रथम पीठाधीश्वर महन्त भैरव गिरि जी महाराज थे। तब से आजतक कुल अट्ठाईस महन्त इस परम पावन पीठ के अधीश्वर हुए। बाईसवें महन्त हरिदाससहाय गिरि जी महाराज संस्कृत और हिन्दी के प्रकाण्ड पण्डित थे। उन्होंने संस्कृत भाषा में 'रामाश्वमेध' महाकाव्य की रचना की थी। रामाश्वमेध महाकाव्य की पाण्डुलिपि नागरीप्रचारिणी सभा काशी में संरक्षित है। महन्त हरिसहायदास गिरि जी महाराज के 'रामाश्वमेध' महाकाव्य की पुष्पिका में मिर्जापुर के पूर्व नाम 'गिरिजापुर' का उल्लेख किया गया है-

सकल मनोरथदात्री धात्री जगतासुरसुराध्या।
विलसत्प्रत्यक्ष कला वरदा विन्ध्येश्वरी जयति।।
श्रीमद्रामशिरोरत्नं तत्समीपे विराजते।
मिरिजापुर नामाद्य पूर्वं तु गिरिजापुरे।।
गङ्गा तटेति विमलं शोभितं जनसङ्कुलं।
समग्रैश्वर्य सम्पन्नं सर्वलोक मनोहरम
यत्र संन्यासि सिद्धा वसन्ति शिवपूजकाः।
ज्ञानिनो निर्मला शान्ता दानाभेदविवर्जिता।।
साधवो निर्मला शान्ता यत्र सन्ति विरागिणाः।
शिवशक्ति रमाराम भेद ज्ञानमिवारका।।
वैष्णवाश्चापि शौराश्च शाक्ता शासका तथा।
महात्मानो महाघोरा अद्वेषारः परस्परं।।
ब्रह्मणः पण्डिता यत्र गुणवन्तश्च भूरिशः।
श्रीमद्राम प्रसादाद्याः शब्दब्रह्म निरूपिणः।।

महन्त हरिदाससहाय गिरि जी महाराज के उत्तराधिकारी महन्त भैरव गिरि द्वितीय मध्यप्रदेश की चन्देरी रियासत के राजकुमार थे। महन्त भैरव गिरिजी महाराज (द्वितीय) के आशीर्वाद से ही रीवा-नरेश बान्धवेश महाराजाधिराज रघुराज सिंह जूदेव का वंश चला। जिस दिन महाराजाधिराज रघुराज सिंह के पुत्र युवराज वेंकटरमण सिंह का जन्म हुआ, उसी दिन महन्त भैरव गिरि जी महाराज कैलासवासी हुए। सन्त-समाज में यह प्रसिद्ध है कि स्वयं महन्त भैरव गिरि जी महाराज ही वेंकटरमण सिंह के रूप में महारानी शिवदान कुँवरि जू देई देवी के गर्भ से उत्पन्न हुए थे।

गिरिजापुर (मिर्ज़ापुर) नगर के दक्षिणी छोर पर नागाकुटी का निर्माण रीवा-नरेश बान्धवेश महाराजाधिराज वेंकटरमण सिंह जूदेव ने ही करवाया। नागाकुटी और नगर के मध्य में एक छोटी-सी नदी है। उस पर सेतु का निर्माण महाराजाधिराज वेंकटरमण सिंह जूदेव के पुत्र बान्धवेश महाराजाधिराज गुलाब सिंह जूदेव ने करवाया। भारतीय स्वतन्त्रता के 78 वर्ष व्यतीत हो जाने के पश्चात आज भी उस नदी पर वही सेतु है।

श्रीवृद्धेश्वरनाथ-मन्दिर के छब्बीसवें महन्त महन्त मदन गिरि जी महाराज डुमराँव के परमार राजवंश के सदस्य थे। उनके समय में कन्तित-विजयपुर के गहरवार राजवंश के प्रत्येक ठिकानेदार श्रीवृद्धेश्वरनाथ-मन्दिर से जुड़े हुए थे। महन्त मदन गिरि जी महाराज के कैलासवासी होने के पश्चात यह परम्परा किंचित खण्डित हुई। गहरवारों का बूढ़ेनाथ-मन्दिर में आना-जाना कम हो गया, किन्तु वर्तमान में यह परम्परा पुनः जीवन्त हो उठी है।

श्रीवृद्धेश्वरनाथ (बूढ़ेनाथ) मन्दिर गिरिजापुर (मिर्ज़ापुर) की सनातन सांस्कृतिक आस्था का प्रमुख धार्मिक केन्द्र है। शिवरात्रि के अवसर पर इस मन्दिर से निकलनेवाली पालकी-यात्रा का शुभारम्भ 1860 ई. में हुआ था। पालकी-यात्रा तब से अबतक यथावत है। श्रावण मास में मासपर्यन्त चलनेवाले रुद्राभिषेक की प्राचीन परम्परा रही है। सन्त-समाज में यह तथ्य प्रचलित है कि काशीपुरपति भगवान् शिव दिन में विश्वेश्वर विश्वनाथ के रूप में काशीपुरी और रात्रि में वृद्धेश्वर बूढ़ेनाथ के रूप में गिरिजापुरी में निवास करते हैं-

गिरिजापति विश्वेश के, दो निवास हैं खास।
दिन में काशी रात में, गिरिजापुर में वास।।
गंगा के उत्तर सदा, विश्वनाथ दरबार।
दक्षिण गिरिजापुर करे, वृद्धेश्वर जयकार।।

प्राचीनकाल में मन्दिर-परिसर का बृहत्तर स्वरूप था, किन्तु शनैः शनैः नगरीय विस्तार और पूवार्चायों के अनवधान के कारण मन्दिर का बहुत कुछ भाग अतिक्रमित हो गया है। इसके बाद भी मन्दिर का शिल्प और स्थापत्य देखते बनता है। लगभग 385 वर्ष पूर्व बने मन्दिर का गर्भगृह जर्जर हो गया है। धीरे धीरे गर्भगृह के नीचे की भूमि धँस रही है, जिसके कारण चारों स्तम्भ अपने स्थान से खिसकते जा रहे हैं। इसी के साथ यह भी बताना आवश्यक प्रतीत हो रहा है कि भगवान् बूढ़ेनाथ का श्रीविग्रह भूमितल से चार फीट नीचे कुण्ड में विराजमान है। मिर्ज़ापुर की सीवर-प्रणाली ठीक न होने के कारण विगत अनेक वर्षों से बरसात में नाली का गन्दा पानी कुण्ड में प्रविष्ट कर जाता है, जिससे न केवल गर्भगृह की शुचिता नष्ट होती है, अपितु गर्भगृह का आधारतल भी धँसता जा रहा है। यदि समय रहते इसका उचित निराकरण और गर्भगृह का पुरातात्त्विक दृष्टि से जीर्णोद्धार नहीं कराया गया, तो एक बृहत्तर विरासत अतीत का अध्याय बन जायेगी।

योगी आदित्यनाथ जी महाराज जैसे धर्मचक्रवर्ती मुख्यमन्त्री के शासनकाल में पूरे प्रदेश के तीर्थों का उद्धार हुआ है। उत्तरप्रदेश के सनातन गौरव की धर्मध्वजा आज पूरे विश्व में अपनी सार्थक उपस्थिति से गौरवान्वित है। इसी परम्परा में योगी आदित्यनाथ जी की कृपा-दृष्टि गिरिजापुर के इस प्राचीन मन्दिर पर भी पड़े और इसका संरक्षण तथा जीर्णोद्धार हो, जिससे गिरिजापुर की सनातन आस्था का यह प्राचीन केन्द्र हिन्दू-जागरण का अहर्निश कार्य करता रहे।

श्रीवृद्धेश्वरनाथ-मन्दिर गिरिजापुर के पीठाधीश्वरों की सूची निम्नांकित है-

1. महन्त भैरव गिरि जी महाराज (प्रथम)
2. महन्त जमुना गिरि जी महाराज
3. महन्त दुर्गा गिरि जी महाराज
4. महन्त शंकर गिरि जी महाराज
5. महन्त गिरिजानन्द गिरि जी महाराज
6. महन्त शशिधर गिरि जी महाराज
7. महन्त विष्णुकान्त गिरि जी महाराज
8. महन्त राजेश्वरानन्द गिरि जी महाराज
9. महन्त सर्वेश्वरानन्द गिरि जी महन्त
10. महन्त चन्द्रशेखर गिरि जी महाराज
11. महन्त सोमेश्वर गिरि जी महाराज
12. महन्त मोहन गिरि जी महाराज
13. महन्त रघुनाथ गिरि जी महाराज
14. महन्त आनन्द गिरि जी महाराज
15. महन्त रामेश्वर गिरि जी महाराज
16. महन्त कृष्णानन्द गिरि जी महाराज
17. महन्त नर्मदानन्द गिरि जी महाराज
18. महन्त विजयविक्रम गिरि जी महाराज
19. महन्त रामस्वरूप गिरि जी महाराज
20. महन्त गजानन्द गिरि जी महाराज
21. महन्त बजरंग गिरि जी महाराज
22. महन्त हरिदाससहाय गिरि जी महाराज
23. महन्त भैरव गिरि जी महाराज (द्वितीय)
24. महन्त हनुमान गिरि जी महाराज
25. महन्त चन्द्रभान गिरि जी महाराज
26. महन्त मदन गिरि जी महाराज
27. महन्त शिवानन्द गिरि जी महाराज
28. महन्त डॉ. योगानन्द गिरि जी महाराज।

सावन के महीने में क्यों पृथ्वी पर आते हैं महादेव?

इस वर्ष सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सावन का महीना भगवान शिव को बहुत ही प्रिय होता है। पूरे एक माह के दौरान शिवजी और माता पार्वती की विशेष रूप से पूजा-आराधना की जाती है। सावन में शिवलिंग पर जलाभिषेक और उनकी प्रिय चीजों से रुद्राभिषेक किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान शिव सबसे जल्दी प्रसन्न होते हैं और जो भक्त सच्चे मन से उनकी पूजा-आराधना करता है उनके सभी दुख दूर हो जाते हैं। पूरे सावन माह भगवान भोलेनाथ पृथ्वी पर आकर अपने भक्तों पर कृपा बरसाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है सावन के महीने में भगवान भोलेनाथ पृथ्वी पर क्यों करते हैं वास ? क्या है पौराणिक कथा ?

शिवपुराण के अनुसार, देवी सती के पिता राजा दक्ष ने अपने महल में एक बार बहुत बड़ा और भव्य यज्ञ का आयोजन किया। राजा दक्ष ने सभी देवी-देवता, ऋषियों-मुनियों और राजाओं को निमंत्रण दिया, लेकिन दक्ष ने अपने दामाद भगवान शिव को इस यज्ञ में शामिल होने के लिए उनको आमंत्रित नहीं किया। जब माता सती को अपने पिता के द्वारा किए गए विशाल यज्ञ के बारे में पता चला तो, वह बहुत उत्साहित और खुश हुईं। फिर भोलेनाथ से यज्ञ में शामिल होने के लिए जिद करने लगी, तब भगवान शिव ने यज्ञ में बिना निमंत्रण के जाने से इंकार कर दिया। लेकिन देवी सती भगवान की याज्ञा का पालन न करते हुए अपने पिता के घर यज्ञ में बिना शिवजी के चली गईं।

माता के अपने पिता दक्ष के घर पहुंचने पर भव्य और विशाल यज्ञ के आयोजन को देखा, जहां पर सभी को निमंत्रण मिला और वहां पर उपस्थित दिखे, लेकिन महादेव को यज्ञ में निमंत्रण नहीं मिला और पिता द्वारा भगवान शिव का लगातार अपमान कर रहे थे। यह सब देखकर माता बहुत ही क्रोधित हुईं और उसी यज्ञ में कूद कर अपने प्राण त्याग दिए। हवनकुंड में कूदने से पहले उन्होंने प्रण लिया कि जब भी उनका जन्म होगा वह महादेव को अपने पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या करेंगी। सती के यज्ञ कुंड में खुद को दाह कर लेने का जब शिवजी को पता चला तो वह क्रोध से भर उठे और उन्होंने अपने गण वीरभद्र को दक्ष के यज्ञ को विध्वंस करने का आदेश दिया। शिव के आदेश पर वीरभद्र ने यज्ञ विध्वंस कर राजा दक्ष का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसे उसी यज्ञ कुंड में डाल दिया। इससे समस्त देवताओं में हाहाकार मच गया। फिर सभी देवताओं ने शिव की स्तुति की एवं स्वयं ब्रह्मा जी ने शिव से दक्ष को क्षमादान देने का आग्रह किया। जिस पर शिव ने दक्ष को माफ तो कर दिया, पर उनके सामने यह संकट खड़ा हो गया कि दक्ष का सर तो यज्ञ कुंड में स्वाहा हो चुका है तो उन्हें कैसे जीवित किया जाए। इस पर एक बकरे के सिर को काटकर उनके धड़ पर लगाया गया। इसके बाद दक्ष के आग्रह पर शिव ने यहीं पर एक शिवलिंग स्थापित किया और पूरे सावन मास यहीं पर रहने का दक्ष को वचन दिया।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जब देवी का दूसरा जन्म माता पार्वती के रूप में पृथ्वी पर तो उन्होंने शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की। माता पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर महादेव ने उन्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार्य किया। सावन के महीने में ही भगवान शिव ने माता पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार्य किया था, इस कारण से हर वर्ष सावन के महीने में भोलेनाथ पृथ्वी पर आते हैं और अपनी ससुराल जो हरिद्वार के पास कनखल में है वहां पर दक्षेश्वर के रूप में विराजमान होते हैं।

...इसलिए महादेव को प्रिय है श्रावण मास

श्रावण मास जिसे सावन का महीना के नाम से जाना जाता है। इसे हिन्दू धर्म में पवित्र महीने के रूप में देखा जाता है और महादेव के लिए समर्पित माना गया है। सावन को भगवान शिव का प्रिय महीना भी कहा जाता है, इसलिए इस महीने में आने वाले सभी सोमवार को भगवान शंकर की विशेष पूजा भी की जाती है। इस महीन में भक्त कांवड़ यात्रा भी निकालते हैं, व्रत रखते हैं और शिवालयों में जाकर भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं।

इसलिए रखा गया सावन नाम

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार, पांचवां महीना सावन है। वहीं हिन्दू महीनों के नाम पूर्णिमा के दिन चंद्रमा को विशेष नक्षत्र में देखते हुए रखे गए हैं। जब हिन्दू कैलेंडर का पांचवां महीना शुरू होता है तो चंद्रमा श्रवण नक्षत्र में विराजमान होते हैं। यही कारण है कि इस महीने को श्रावण मास कहा गया और धीरे-धीरे बाद में श्रावण को सावन कहा जाने लगा।

शिवजी को क्यों प्रिय है सावन

पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसी महीने में माता पार्वती ने भगवान शंकर को पति रूप में पाने के लिए व्रत रखे थे। उन्होंने इसी महीने में घोर तपस्या भी की। यही कारण है कि भगवान शिव को यह महीना अत्यंत प्रिय है. ऐसी मान्यता है कि सावन में ही भगवान शिव धरती पर आए थे और अपने सुसराल गए थे।

इसके अलावा एक और कथा के अनुसार, जब सुमद्र मंथन हुआ तो इसमें विष निकला और इसे भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण किया। लेकिन, इससे उनके शरीर का ताप काफी अधिक बढ़ गया और देवताओं ने इसे कम करने के लिए जल बरसाया था। सावन महीने में भी जल बरसता है, इसलिए यह महीना भगवान शिव का प्रिय माना गया है।

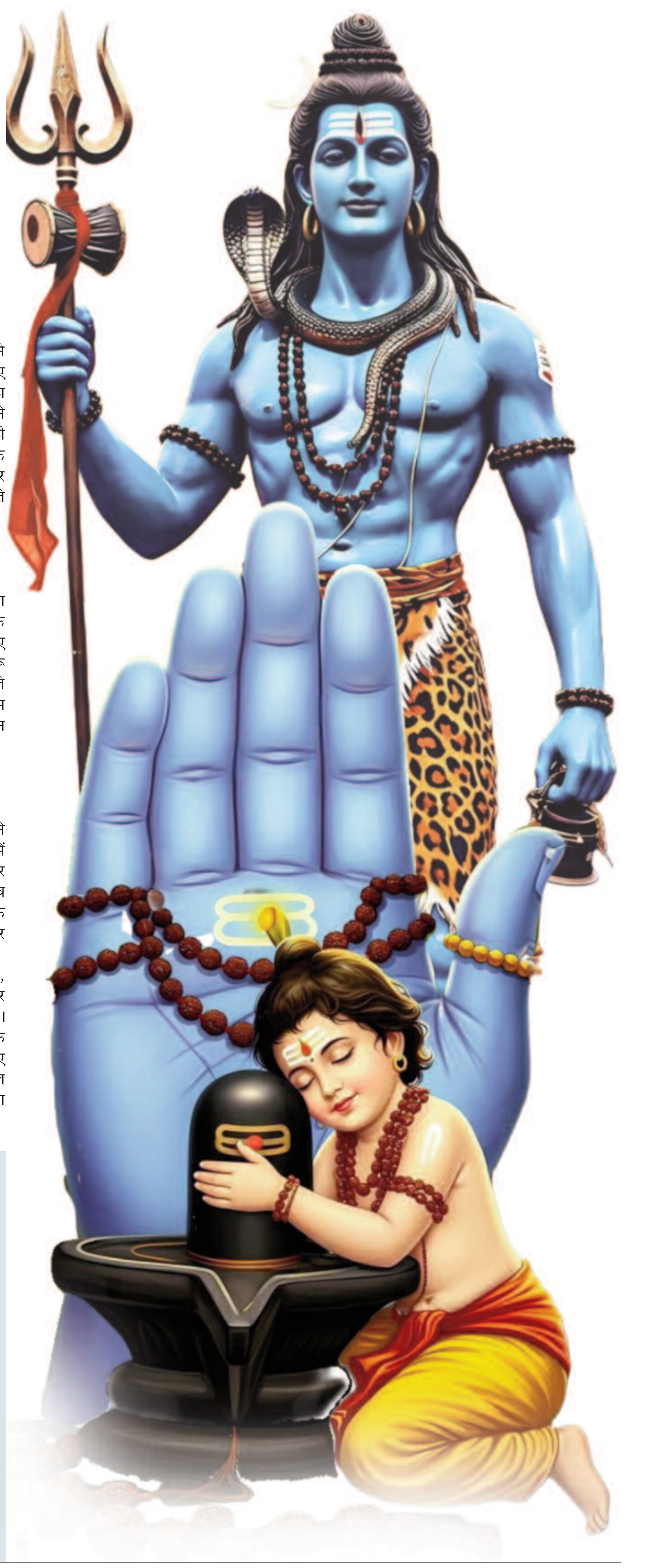

सावन माह में इसलिए होगी है भगवान शिव जी की विशेष पूजा

आज से सावन का महीना शुरू हो गया है। हिन्दू पंचांग के अनुसार श्रावण मास (सावन माह) साल का पांचवां महीना होता है, जो विशेष रूप से भगवान शिव को समर्पित है। इस मास का महत्व पौराणिक कथाओं और धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है।

समुद्र मंथन से जुड़ी है कथा

पंडित अरविंद मिश्र बताते हैं कि श्रावण मास से जुड़ी पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया। इस मंथन में 14 रत्न निकले, जिनमें एक भयंकर विष भी था जिसे 'हालाहल' कहा गया। इस विष की ज्वाला इतनी तीव्र थी कि सम्पूर्ण ब्रह्मांड में त्राहि-त्राहि मच गई. तब सभी देवता और असुर भगवान महादेव (शिवजी) के पास पहुंचे और उनसे इस संकट से उबारने की प्रार्थना की। तब भगवान शिव ने उस महान विष (हलाहल) का पान किया।

भगवान शिव ने करुणा वश उस विष को अपने कंठ में धारण कर लिया, ताकि वह संसार को नष्ट न कर दे। विष के प्रभाव से उनका कंठ नीला हो गया और वे 'नीलकंठ' कहलाए। विष के प्रभाव से उनके शरीर में भयंकर गर्मी उत्पन्न हुई, जिसे शांत करने के लिए देवताओं ने गंगाजल से उनका अभिषेक किया। यह घटना वर्षा ऋतु के श्रावण मास में हुई थी, और तभी से श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करना अति शुभ और फलदायक माना जाता है। ऐसा विश्वास है कि इस महीने में जल अर्पित करने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं और भक्तों को मनोवांछित फल देते हैं। श्रावण माह (सावन मास) से जुड़ी अन्य मान्यताएं इस प्रकार हैं। इस मास में शिवभक्त नदियों से गंगाजल लाकर कांवड़ में भरकर शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

देवी पार्वती ने भगवान शिव को पाने के लिए की थी तपस्या

श्रावण के हर सोमवार को व्रत रखने और शिव पूजा करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। शिव-पार्वती विवाह कथा का श्रवण भी विशेष रूप से करना चाहिए। इस माह में देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठिन तप किया था। इससे भी यह महीना पवित्र माना जाता है।

आध्यात्मिक रूप से भी महत्वपूर्ण है

श्रावण मास केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें शिव की उपासना, उपवास, भक्ति और सेवा से जीवन में शांति, सुख, और समृद्धि आती है। इस माह में प्रकृति में नए परिवर्तन होते हैं. सभी जीव जंतु खुश और प्रसन्न होते हैं। प्रेमी प्रेमिका और पति पत्नी में विशेष प्रेम और आकर्षण बढ़ता है।

भाई बहिन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार भी इस माह में मनाया जाता है। श्रावण माह में प्रकृति अपना प्यार हम सब पर भरपूर लुटाती है। श्रावण मास में भगवान शिव जी एवं माता पार्वती जी की पूजा का हजारों गुणा पुण्य मिलता है। श्रावण में हम सभी को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण एवं प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए।

कांवड़ यात्राः एक धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा

कांवड़ यात्रा एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा है, जो हर साल सावन के महीने में आयोजित की जाती है। इस यात्रा में, श्रद्धालु भगवान शिव को जल चढ़ाने के लिए गंगा नदी से जल लाते हैं और अपने स्थानीय शिव मंदिरों में चढ़ाते हैं। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में, कावड़ यात्रा एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं।

कांवड़ यात्रा का महत्व

कांवड़ यात्रा का महत्व हिंदू धर्म में बहुत अधिक है। यह यात्रा भगवान शिव की भक्ति और पूजा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। श्रद्धालु गंगा नदी से जल लाकर भगवान शिव को चढ़ाते हैं और उनकी पूजा करते हैं। इस यात्रा के दौरान, श्रद्धालु अपने आप को शुद्ध करने और भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए विभिन्न अनुष्ठानों और पूजा-अर्चना में भाग लेते हैं।

दिल्ली एनसीआर में कांवड़ यात्रा

दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में, कांवड़ यात्रा एक महत्वपूर्ण आयोजन है। हर साल, लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा नदी से जल लाने के लिए हरिद्वार और अन्य पवित्र स्थलों की यात्रा करते हैं। इस यात्रा के दौरान, श्रद्धालुओं को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि भीड़, गर्मी और थकान।

कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था

कावड़ यात्रा के दौरान, सुरक्षा व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में, पुलिस और प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाते हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए, पुलिस और प्रशासन द्वारा विभिन्न उपाय किए जाते हैं, जैसे कि ट्रैफिक डायवर्जन, सुरक्षा जांच और मेडिकल सुविधाएं।

कांवड़ यात्रा के दौरान सामाजिक एकता

कांवड़ यात्रा के दौरान, सामाजिक एकता एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस यात्रा में, विभिन्न समुदायों और धर्मों के लोग भाग लेते हैं और एक साथ मिलकर भगवान शिव की पूजा करते हैं। यह यात्रा सामाजिक एकता और सौहार्द का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है।

कांवड़ यात्रा एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा है, जो हर साल सावन के महीने में आयोजित की जाती है। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में, यह यात्रा एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। इस यात्रा के दौरान, सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक एकता और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न उपाय किए जाते हैं। कावड़ यात्रा एक महत्वपूर्ण प्रतीक है जो भारतीय संस्कृति और धर्म की विविधता और समृद्धि को दशार्ता है।

दूधेश्वर नाथ मंदिर कांवड़ मेला

गाजियाबाद का दूधेश्वर नाथ मंदिर एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहां कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु भगवान शिव को जल चढ़ाने के लिए आते हैं। इस यात्रा को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए गाजियाबाद प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। मंदिर परिषद में आसपास किलकों में उचित सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम ने पूरी तरह से कमर कस ली है।

कांवड़ यात्रा की तैयारियां

सड़क निर्माण और रखरखावः दूधेश्वर नाथ मंदिर तक जाने वाले सभी मार्गों को 30 जून तक गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। शहरी क्षेत्र में 2307 और ग्रामीण क्षेत्र में 6331 स्थानों पर प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी। स्वास्थ्य सेवा के लिए कावंड़ मार्ग र 30 एंबुलेंस और 20 मेडिकल शिविर तैनात किए जाएंगे। पैरामेडिकल स्टाफ सहित 250 चिकित्सा कर्मी और 180 बेड की व्यवस्था की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था काकांवड़ा र्ग पर कई सौ सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसके साथ ही कवर्ड यात्रा मार्ग पर हजारों पुलिस वालों की तैनाती की गई है और ड्रोन के साथ उनकी सुरक्षा की जाएगी

कांवड़ यात्रा के दौरान प्रतिबंध

कांवड़ यात्रा के दौरान मांस और मछली की सभी दुकानें बंद रहेंगी। शराब की दुकानें तय समय पर ही खुलेंगी और बंद होंगी। कांवड़ मार्ग पर लगने वाली सभी दुकानों पर नेम प्लेट लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही मेरठ रोड पर भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा और 3 दिन के लिए केवल दो पहिया वाहन ही वन वे मार्ग से आ जा सकेंगे।

प्रशासनिक व्यवस्था

कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था के लिए 11 जोन मजिस्ट्रेट और 24 सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की जाएगी। मोदीनगर के राज चौपला, मुरादनगर के गंग नहर पर मिनी और गाजियाबाद के मेरठ तिराहा पर मुख्य कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। जहां से करीब 200 सीसी कैमरा द्वारा गाजियाबाद जनपद सीमा के अंदर कांवड़ यात्रा की सीधी निगरानी रखी जा सकेगी। गाजियाबाद प्रशासन का उद्देश्य कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। इसके लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्था की जा रही है ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कांवड़ यात्रा के लिए निर्देश

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रशासन को सतर्क रहने की आवश्यकता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान धार्मिक स्थलों की सफाई और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यातायात को सुचारु रूप से चलाने के लिए ट्रैफिक पुलिस को विशेष दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कावड़ यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे और आवश्यक दवाएं प्रदान की जाएंगी।

केंद्रीय खेल मंत्री व राज्य खेल मंत्री ने किया फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ

महिलाएं खेलों में बढ़ चढ़कर करें भागीदारी: मनसुख मनेरिया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। वेट लिफ्टिंग वॉरियर अकादमी के तत्वाधान में अस्मिता खेलो इंडिया 2025 -26 का शुभारंभ केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मनेरिया व केंद्र राज्य खेल मंत्री रक्षा एन खडसे ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मनेरिया ने कहा कि 2021 में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया अस्मिता लीग का शुभारंभ महिलाओं को खेलों में आगे बढ़ाने के लिए किया था।

उन्होंने कहा कि आगामी दोनों में 850 प्रतियोगिताएं अस्मिता लीग के बैनर तले आयोजित की जाएगी जिसमें करीब 70 हजार महिलाएं खेलों में प्रतिभा कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी केंद्र राज्य खेल मंत्री रक्षा एन खडसे ने कहा कि 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अस्मिता लीग के शुभारंभ से महिलाओं को खेलों के क्षेत्र में एक प्लेटफार्म मुहय्या कराया गया है जिसके चलते देश की महिलाएं ओलंपिक व अन्य प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हो रही है। कार्यक्रम के आयोजन महिला वेटलिफ्टिंग के राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में 100 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि वेट लिफ्टिंग वॉरियर में उदयमान खिलाड़ियों को आधुनिक तकनीक और मशीनों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से क्षेत्रीय विधायक डॉ मंजू शिवाच, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, ओलंपिक सिल्वर मेडल पदक विजेता मीराबाई चानू, वेटलिफ्टिंग फेडरेशन सचिव सहदेव यादव, सबीना यादव उप जिलाधिकारी मोदीनगर,, अजीत कुमार सिंह उप जिलाधिकारी न्यायिक मोदीनगर, चिराग पांडे, अजय शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ पवन सिंघल, भाजपा मंडल अध्यक्ष आकाश शर्मा, भीष्म शर्मा, सुमित शर्मा व नगर पालिका सभासद मोनू धामा आदि मौजूद रहे। आज आयोजित हुई प्रतियोगिता में 44 किलो भार कैटेगरी में प्रियंका पाटिल प्रथम प्रीतिस्मिता बोई द्वितीय तथा प्रिया कश्यप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया इसके अलावा 48 किलो भार कैटेगरी में पायल ने प्रथम वंदना बाराली ने द्वितीय तथा सुम्मी रघु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, 53 किलो भार वर्ग में कोयल बार ने प्रथम कृष्णा सोनवाल ने द्वितीय पूजा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया 58 किलो भर वर्ग में प्राची माली ने प्रथम बॉम्बेला ने द्वितीय दयानंदिनी ने तीसरा व 63 किलो भार वर्ग में निरुपमा देवी ने प्रथम पांचना बोरा ने द्वितीय महिमा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया 86 किलो भार वर्ग में मार्टिना देवी पहले स्थान पर तथा अहाना दूसरे स्थान पर रही।

डॉ केएन मोदी कॉलेज में वन महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया

पौधे को इस देखभाल, प्यार और समर्पण के साथ पोषित करें जिस तरह एक मां अपने बच्चों को पोषित करती है: डॉ. एस सी अग्रवाल

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर । डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में वन महोत्सव 2025 के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम 2.0 के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस वृक्षारोपण समारोह की मुख्य अतिथि शहर की लोकप्रिय विधायक डॉ मंजू सिवाच रहीं, जिन्होंने शिक्षकों व छात्रों के साथ एक अमरूद का पौधे का रोपण किया। उपस्थित छात्रों और शिक्षकों ने आम, नीम, अशोक, अमरुद, नींबू, बरगद, जामुन के लगभग 150 पौधे रोपित किये ।विधायक डॉक्टर मंजू शिवाच ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि पेड़ धरती के आभूषण हैं। धरती को हरा भरा रखना हम सभी का परम कर्तव्य है ।

प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि सभी को अपनी माता के सम्मान में एक पौधा लगाने के लिए प्रोत्साहित किया चाहे वह जीवित हो या दिवंगत और उसे पौधे की इस देखभाल प्यार और समर्पण के साथ पोषित करें जिस तरह एक मां अपने बच्चों को पोषित करती है।

सभी छात्रों को समझाते हुए प्रधानाचार्य जी ने कहा कि अगर हम सभी पेड़ों को अपने बच्चों की तरह का पालेंगे तो पूरा मोदीनगर हरित क्षेत्र बन जाएगा अगर हम उनकी देखभाल करेंगे तो प्रकृति हमारी रक्षा करेगी। इस आयोजन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने तथा भावी पीढियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने के संदेश दिया गया सभी छात्रों ने इस पहल को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी के रूप में लेने का संकल्प लिया भविष्य में भी इस जागरूकता आंदोलन को और अधिक बढाने के लिए भी संकल्प लिया।

इस वृक्षारोपण के बाद प्रधानाचार्य और विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी राजकुमार सिंह खेल प्रशिक्षक राजीव सिंह एन सीसी इंचार्ज राजीव जांगिड़,हिंदी प्रवक्ता डॉक्टर भावना और अनीता अग्रवाल जी संजीव कुमार, गौरव त्यागीने संयुक्त रूप से विधायक को प्रतीक चिन्ह देकर उनका आभार व्यक्त किया इस अवसर पर लगभग 150 छात्र हमारे राष्ट्रीय झंडे की पोशाक में पहने हुए पौधे लेकर खड़े हुए थे वृक्षारोपण समारोह को सफल बनाने में श्री प्रवीण जैनर , सतीश कुमार. कुमारी ज्योति आदि का योगदान उल्लेखनीय रहा।

मोदी आईफा आर्ट गैलरी बनाकर दिया तोहफा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स मोदीनगर के सफलता पूर्वक 25 वर्ष पूर्ण होने पर(रजत जयंती) पर आईफा संस्थान के अध्यक्ष सतीश कुमार मोदी एवं आभा मोदी ने गैलॉर्ड बिल्डिंग में मोदी आईफा आर्ट गैलरी बनाकर तोहफा दिया। मुख्य अतिथि मोदीनगर क्षेत्र विधायिका डॉ मंजू मंजू शिवाच एवं विशिष्ट अतिथि विनोद वैशाली (नगर पालिका अध्यक्ष), राम किशोर अग्रवाल(भूतपूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त), एवं सत्येंद्र त्यागी(सदस्य प्रदेश कार्यकारी भाजपा उत्तर प्रदेश) ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर मोदी आईफा आर्ट गैलरी का शुभारंभ किया । संस्थान के मैनेजर संघर्ष शर्मा ने बताया इस आर्ट गैलरी में दिल्ली, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर मेरठ ,नोएडा, प्रयागराज, बिहार एवं अन्य प्रदेशों के लगभग 40 प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी स्व- निर्मित कलाकृतियों का प्रदर्शन किया । इस आर्ट गैलरी में लगी प्रदर्शनी को देखने के लिए आसपास के क्षेत्र के सैकड़ो कला प्रेमी, कला शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक प्रदर्शनी में लगी कलाकृतियों को देखने आए । प्रदर्शित कलाकृतियां में अगर कोई कलाकृति किसी दर्शक को पसंद आती है तो वह उसे कलाकार से सहमति मिलने पर खरीद भी सकते हैं प्रदर्शनी में विभिन्न स्कूलों के प्रिंसिपलों, कला शिक्षकों, एवं मोदीनगर के मीडिया प्रभारीयो को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किय गया।

नगर पंचायत पतला में किय पौधारोपण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। नगर पंचायत पतला में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इसमें नगर पंचायत पतला अध्यक्ष रीता चौधरी, अधिशासी अधिकारी आंचल पांडे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोक दल के जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी तथा पतला योगेंद्र सिंह क्षेत्रीय महासचिव राष्ट्रीय लोक दल पतला, जिला उपाध्यक्ष रवि वाल्मीकि, मनोज त्यागी, सीताराम सेन सहित समस्त सभासद नगर पंचायत समस्त स्टाफ समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे ।

सनातन धर्म वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र सम्मानित

मुरादनगर । ग्राम नेकपुर में भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के मूल ग्रंथों से परिचित कराने हेतु तृतीय सनातन धर्म वार्षिक परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में जनपद के 50 से अधिक विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। परीक्षा में रामायण, गीता, महाभारत जैसे पवित्र ग्रंथों से संबंधित प्रश्न पूछे गए, जिनके माध्यम से छात्रों के धार्मिक और सांस्कृतिक ज्ञान का आंकलन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से छात्रों को महान ग्रंथों, हमारी समृद्ध विरासत के प्रति जागरूक किया गया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों देव त्यागी (जी. एस. एम. पब्लिक स्कूल, सुठारी), भूमि अग्रवाल (सिल्वर लाइन प्रेस्टिज स्कूल, गाजियाबाद), अवि त्यागी व लक्ष्मी सोनी (वी. एम. पब्लिक स्कूल, नेकपुर), ऋत्विक कश्यप व खुशी प्रजापति (गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज, रावली) को 11000, 5,100 एवं 3,100 की राशि व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय त्यागी भूमिहार ब्राह्मण समिति का संगठन विस्तार व सम्मान समारोह आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। राष्ट्रीय त्यागी भूमिहार ब्राह्मण समिति का संगठन विस्तार व सम्मान समारोह जेवीएस फार्म हाउस बसंतपुर सैतंली मुरादनगर में आयोजित किया गया।

जिसमें समाज के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया सभी ने समाज के उत्थान के लिए काम करने का बीड़ा उठाया राष्ट्रीय अध्यक्ष मांगेराम त्यागी कुतुबपुर ने कहा की मै समाज की लड़ाई 24 घंटे लड़ूंगा समाज पर कोई अत्याचार नहीं होने दूंगा संगठन का विस्तार करते हुए महिला विंग की गीता त्यागी को जिला अध्यक्ष गाजियाबाद नियुक्ति पत्र देकर उनकी घोषणा की गई गीता त्यागी ने कहा समाज के लिए वह हमेशा तत्पर रहेंगे जिला गाजियाबाद के हर गांव में संगठन विस्तार किया जाएगा जिससे अपने समाज की लड़ाई बेखुबी लड़ी जा सके त्यागी समाज ने जेबीएस फार्म हाउस सैतली में बढ़ चढ़कर ब्लड डोनेट किया कार्यक्रम में खाने की भी सुंदर व्यवस्था देखने को मिली कार्यक्रम के आयोजक हरिओम त्यागी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अध्यक्षता राम अवतार त्यागी सरना ने की समाज सेवी सत्येंद्र त्यागी, सीमा त्यागी, पप्पू त्यागी,उत्तम त्यागी, अमरीश त्यागी, विनीत त्यागी, संदीप त्यागी,सुनील त्यागी,राजीव त्यागी, अजय त्यागी,अजीत प्रधान,केडी त्यागी, संजू त्यागी,हरीश त्यागी, सागर त्यागी,नरेंद्र त्यागी निवाड़ी,पवन त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

डीजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स राज्य चैम्पियनशिप का भव्य समापन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डीजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा आयोजित स्पेशल ओलंपिक्स राज्य चैम्पियनशिप का समापन समारोह गरिमापूर्ण और भावनात्मक माहौल में संपन्न हुआ। यह आयोजन समावेशन, समर्पण और खेल भावना का प्रतीक बन गया। इस अवसर की मुख्य अतिथि रहीं डॉ. मल्लिका नड्डा, चेयरपर्सन, स्पेशल ओलंपिक्स भारत, जिन्होंने डीजे ग्रुप द्वारा 2014 से इस मुहिम में निभाई जा रही सक्रिय भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि डीजे ग्रुप ने जिस पैमाने पर इस आयोजन को संभव बनाया है, वह प्रशंसनीय है।

साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि डीजे ग्रुप ने अब राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की मेजबानी के लिए भी बोली लगाई है, जो उनके संकल्प और समर्पण को दशार्ता है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल संचालन में जुटे वालंटियर्स की मेहनत और ऊर्जा की भी सराहना की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे श्री मुकेश शुक्ला, चेयरमैन, स्पेशल ओलंपिक्स भारत झ्र उत्तर प्रदेश चैप्टर, जिन्होंने राज्य स्तर पर प्रतिभागियों के उत्साह और आयोजन की उच्च गुणवत्ता की सराहना की। मंच पर उपस्थित अन्य गणमान्य अतिथियों में शामिल थे – श्रीमती ए.एस. जस्सर, चेयरपर्सन, डीजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, श्री ऋतिक जस्सर, सीईओ, डीजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स,तथा डॉ. पुनीत आहूजा, प्राचार्य, डीजे कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, जिनकी उपस्थिति ने आयोजन को और गौरवपूर्ण बनाया। अपने संबोधन में श्री ऋतिक जस्सर ने कहा कि हमें गर्व है ।

कि स्पेशल ओलंपिक्स भारत ने डीजे ग्रुप को अपने इंक्लूजन प्रोग्राम्स का चुना। लगभग 500 एथलीट्स को हमारे हॉस्टल कैंपस में ठहराया गया, उन्हें संपूर्ण आतिथ्य दिया गया, और सभी खेल विधियों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस राज्य चैम्पियनशिप से कई प्रतिभागियों का चयन आगामी राष्ट्रीय खेलों के लिए भी हुआ – यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। इस पूरे आयोजन की संयोजिका रहीं डॉ. दीप्ति जावा, जिनकी सक्रिय भागीदारी और मजबूत योजना ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

यह राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप, जिसमें सैकड़ों खिलाड़ियों, कोचों और स्वयंसेवकों ने भाग लिया, डीजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स की समर्पित सोच और समावेशी मूल्यों का जीवंत प्रमाण बन गई है।